Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi
Ranchi ● Monday, 24 February 2025 ● Year : 03 ● Issue : 42 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

चाहे आप कितने भी पवित्र शब्द पढ़ लें, चाहे आप कितना भी बोल लें। अगर आप उन पर अमल नहीं करेंगे तो उनसे आपको क्या लाभ होगा।

–महात्मा बुद्ध

Nargis Fakhri Marries Boyfreind...

टीम इंडिया ने 242 रन के टारगेट को चेज कर 42.3 ओवर में किया पूरा, रोहित ने भी बतौर ओपनर पूरे किए 9 हजार रन

चैंपियंस ट्रॉफी : भारत ने पाकिस्तान को चटाई धूल, 6 विकेट से रौंदा

AGENCY NEW DELHI :

रविवार को भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी के दूसरे मैच में पाकिस्तान को 6 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ टीम ने 2017 के चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में मिली 180 रन की हार का हिसाब बराबर कर दिया। पाकिस्तान ने 241 रन बनाए। भारत ने 42.3 ओवर में 4 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। भारत से विराट कोहली ने नाबाद 100, श्रेयस अय्यर ने 56 और शुभमन गिल ने 46 रन बनाए। कुलदीप यादव को 3 और हार्दिक पंड्या को 2 विकेट मिले। पाकिस्तान से सऊद शकील ने 62 और मोहम्मद रिजवान ने 46 रन बनाए। अबरार अहमद और शाहीन शाह अफरीदी को 1-1 विकेट मिला।

2017 के फाइनल में मिली 180 रनों की हार का हिसाब कर दिया बराबर

विराट कोहली ने नाबाद 100, श्रेयस अय्यर ने 56 और शुभमन गिल ने बनाए 46 रन

रोहित सूची में शामिल होने वाले छठे सलामी बल्लेबाज

रोहित से पहले पूर्व भारतीय बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर (15310 रन), श्रीलंका के सनथ जयसूर्या (12740), वेस्टइंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज क्रिस गेल (10179), ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट (9200) और पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली (9146) इस एलीट सूची में शामिल हैं। रोहित ने भले ही यह उपलब्धि हासिल कर ली, लेकिन वह इस मैच में ज्यादा रन नहीं बना सके। भारत को पांचवें ओवर में 31 के स्कोर पर पहला झटका लगा।

कोहली बने वनडे क्रिकेट में सबसे तेजी से 14 हजार रन पूरे करने वाले बल्लेबाज

रविवार को भारतीय सुपरस्टार विराट कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी मुकाबले के दौरान इतिहास रच दिया। वह सचिन तेंदुलकर के पिछले रिकॉर्ड को तोड़कर वनडे क्रिकेट में सबसे तेजी से 14 हजार रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बन गए। कोहली अब एक दिवसीय क्रिकेट में 14000 से अधिक रन बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज हैं। भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर (18246) और श्रीलंका के कुमार संगकारा (14234) उनसे आगे हैं। कोहली ने 287 पारियों में 14000 रन पूरे किए, जबकि तेंदुलकर ने 350 और संगकारा ने 378 पारियों में इस आंकड़े को छुआ था। कोहली और तेंदुलकर दोनों ने पाकिस्तान के खिलाफ ही 14000वां रन बनाया। कोहली को इस आंकड़े तक पहुंचने के लिए 15 रन की जरूरत थी और हारिस रऊफ को 13वें ओवर में कवर्स में चौका जड़कर वह यहां तक पहुंचे। उन्होंने सितंबर 2023 में पाकिस्तान के ही खिलाफ कोलंबो में एशिया कप के दौरान 13000 वनडे रन पूरे किए थे। कोहली के नाम वनडे क्रिकेट में सर्वाधिक 50 शतकों का रिकॉर्ड भी है। उन्होंने 2023 विश्व कप सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ मुंबई में तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा था। कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ इस मैच में वनडे क्रिकेट में किसी भारतीय क्षेत्ररक्षक के सर्वाधिक कैच का मोहम्मद अजहरुद्दीन का रिकॉर्ड भी तोड़ा।

SARAFA

सोना	:	6,795
चांदी	:	98.05

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

ट्रंप बोले- हम यूक्रेन से अपना पैसा वापस लेंगे

NEW DELHI : रूस-यूक्रेन युद्ध के तीन साल पूरे होने से दो दिन पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन को युद्ध के लिए दिया गया पैसा वापस मांगा है। ट्रंप ने कहा, मैं सिर्फ पैसा या उसके बदले कुछ सिक्योरिटी पाने की कोशिश कर रहा हूं।' उन्होंने कहा कि मैं चाहता हूं कि हमारी पैसों की मदद के बदलें वे लोग हमें कुछ दें। हम रेअर अर्थ मिनरल और तेल मांग रहे हैं। इसमें से जो भी वे हमें दे सकें। ट्रंप ने दावा किया कि हम अपना पैसा वापस लेकर रहेंगे। मुझे लगता है कि हम कोई डील करने के बेहद करीब हैं। हमें जल्द से जल्द इस डील को फाइल करना होगा क्योंकि ये बहुत ही खराब स्थिति रही है। इस डील के तहत अमेरिका ने यूक्रेन से ग्रेफाइट, लिथियम और यूरेनियम समेत सारे खनिज भंडारों में 50 प्रतिशत हिस्सेदारी की मांग रखी है। ट्रम्प की इस मांग को यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की कई बार ठुकरा चुके हैं। इससे पहले ट्रंप ने कहा था 500 बिलियन डॉलर के रेयर अर्थ मटेरियल (दुर्लभ खनिज) अमेरिका को देने होंगे। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिकी मदद के बिना यूक्रेन कमजोर पड़ जाएगा।

अपील पर समर्पित किए गए हथियार-विस्फोटक

IMPHAL : मणिपुर के राज्यपाल की अपील के बाद जिला पुलिस, असम राइफल्स और सीआरपीएफ द्वारा किए गए जन-जागरूकता प्रयासों के तहत चुराचांदपुर और इंफाल ईस्ट जिलों में लोगों ने लगातार दूसरे दिन स्वेच्छा से हथियार और गोला-बारूद समर्पित किए। पुलिस ने रविवार को बताया कि चुराचांदपुर जिले में कुल 16 हथियार और गोला-बारूद समर्पित किए गए, जिनमें 01 एम-16 राइफल, 01 सात .62 मिमी एसएलआर राइफल, 02 एके-47 राइफल, 03 इंसास राइफल, 02 एम-79 अंडर बैरल ग्रेनेड लांचर, 01 नौ एमएम कार्बाइन मशीन गन, 01 पचपन एमएम मोर्टार, 03 .303 राइफल, 02 सिंगल बैरल राइफल, 64 जिलेटिन स्टिक्स, 10 राउंड 60 मिमी पंपी गोला-बारूद, 17 राउंड एके गोला-बारूद, 40 राउंड 5.56 मिमी राइफल गोला-बारूद और 03 राउंड 9 एमएम कैलिबर गोला-बारूद शामिल हैं।

तेलंगाना हादसा : गुमला के चार मजदूरों सहित फंसे हैं 8 स्टाफ

टनल के अंदर आवाज लगाने के बाद नहीं मिला कोई रिस्पांस

HYDERABAD @ PTI :

तेलंगाना के नागरकुर्नूल जिले में शनिवार को निमार्णाधीन टनल (सुरंग) की छत का एक हिस्सा ढह जाने से करीब 14 किलोमीटर अंदर जिस जगह आठ लोग फंस गए थे, बचाव दल के कर्मी उनेके नजदीक पहुंच गए हैं। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। नागरकुरनूल के जिला कलेक्टर बी. संतोष ने रविवार को बताया कि आगे बढ़ते हुए बचाव दल के कर्मी उस स्थान पर पहुंच गए जहां घटना के दौरान सुरंग खोदने वाली मशीन (टीबीएम) काम कर रही थी। उन्होंने कहा कि हालांकि, गाद के कारण आगे बढ़ना एक चुनौती है। बचाव अभियान की निगरानी कर रहे कलेक्टर ने कहा कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की चार टीमें - एक हैदराबाद से और तीन विजयवाड़ा से - जिनमें 138 सदस्य हैं, सेना के 24 कर्मी, एससीसीएल के 23 सदस्य एसडीआरएफ के कर्मी, उपकरणों के साथ बचाव अभियान में लगे हुए हैं।

रेस्क्यू ऑपरेशन जारी, पानी-कीचड़ निकालने के लिए लगाया गया हेवी पंप

- सुरंग में 14 किलोमीटर अंदर फंसे हुए लोगों के करीब पहुंचे बचाव दल के सदस्य
- एनडीआरएफ की चार टीमें, सेना के 24 और एसडीआरएफ के कर्मी कर रहे काम
- बेहतर तरीके से उपलब्ध करा दी गई है ऑक्सीजन और बिजली की आपूर्ति

सीएम हेमंत ने सुरक्षित रेस्क्यू का किया आग्रह

हादसे के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री से श्रमिकों की सुरक्षित रेस्क्यू के लिए आग्रह किया है। वहीं बताया गया है कि श्रमिकों के संबंध में पुख्ता जानकारी और उन्हें सुरक्षित बाहर निकालने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। मुख्यमंत्री ने मरांग बुरु से हादसे में फंसे सभी श्रमिकों के सुरक्षित होने की कामना की है। राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष द्वारा तेलंगाना सरकार से संपर्क कर श्रमिकों की कुशलता को लेकर जानकारी प्राप्त की जा रही है। सीएम हेमंत सोरेन के निर्देश के बाद जिला प्रशासन गुमला मजदूरों के घर तक पहुंचा।

अलग-अलग समय में काम करते थे गुमला के मजदूर

टनल में फंसे 8 लोगों में 4 मजदूर झारखंड के गुमला जिले के रहने वाले हैं। इनके नाम संतोष साहू, अनुज साहू, जगता खेस और संदीप साहू है। सभी वहां मजदूरी करते थे। परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार गुमला के सभी मजदूर अलग-अलग समय में टनल में काम करने पहुंचे थे। इन्होंने श्रम विभाग के प्रवासी मजदूर पोर्टल में रजिस्ट्रेशन कराया है या नहीं इसकी जानकारी नहीं मिल सकी है। गुमला के फंसे मजदूरों की जारी लिस्ट के मुताबिक संदीप साहू और अनुज साहू 2023 में काम करने गए थे। जगता खेस 2021 से काम कर रहा है। संतोष साहू 2022 में काम करने गया था।

मुख्यमंत्री ने सत्तापक्ष के विधायकों के साथ बजट सत्र को लेकर किया मंथन

PHOTON NEWS RANCHI :

रविवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में सत्ता पक्ष के विधायकों की बैठक हुई। इसमें 24 फरवरी से 27 मार्च तक आहूत छठे झारखंड विधानसभा के द्वितीय (बजट) सत्र के मद्देनजर रणनीति निर्धारण को लेकर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही उन्होंने कहा कि विपक्ष के हर सवाल का जवाब हम देंगे। इस दौरान झारखंड कांग्रेस के प्रभारी के. राजू भी मौजूद रहे। बैठक के बाद राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने जानकारी बताया कि सोमवार से विधानसभा का बजट सत्र शुरू हो रहा है। इसको लेकर हमने चर्चा की। सदन को बेहतर ढंग से चलाने की तैयारी हमने कर ली है। उन्होंने कहा बजट को लेकर बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा हुई। इसमें ये निर्णय लिया गया है कि विपक्ष द्वारा जो भी मुद्दे सदन में उठाए जाएंगे, उनका सार्थक और संतोषजनक उत्तर दिया जाएगा। सत्तापक्ष के सभी विधायकों को स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि जो भी सवाल विपक्ष उठाएगा, उसका जवाब सही तरीके से देंगे। इसके अलावा उन्होंने कहा कि विभिन्न विभागों के अनुदान का भी मुद्दा होगा। सत्ता पक्ष के विधायक जो भी इस बारे में बोलना चाहते हैं, वे अपनी तैयार कर लें।

- आज से शुरू हो रहा झारखंड विधानसभा का बजट सेशन
- वित्त मंत्री बोले- विपक्ष के हर सवाल का जवाब देने के लिए सरकार तैयार
- सदन को बेहतर ढंग से चलाने की है तैयारी
- 3 मार्च को वित्तीय वर्ष 2025-26 का पेश किया जाएगा बजट

जैक बोर्ड एग्जाम : कोडरमा पुलिस ने सात विद्यार्थियों से की पूछताछ

पेपर लीक मामले में गिरिडीह में हुई छापेमारी

PHOTON NEWS GIRIDIH :

शनिवार को भी झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) के मैट्रिक एग्जाम के साइंस और हिंदी के पेपर लीक मामले में कार्रवाई जारी रही। कोडरमा पुलिस ने गिरिडीह में छापेमारी की। गिरिडीह पुलिस के सहयोग से कोडरमा पुलिस ने मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सिहोडीह में संचालित एक कोचिंग सेंटर में दबिश दी। पुलिस कोचिंग सेंटर के साथ विद्यार्थियों को हिरासत में लेकर थाना लाई है। सातों से थाने में पूछताछ की गई। पूछताछ में कोडरमा और गिरिडीह के पुलिस अधिकारी शामिल थे। बता दें कि साइंस और हिंदी विषय का प्रश्नपत्र परीक्षा के पहले ही सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। जब परीक्षा हुई तो वायरल प्रश्न पत्र का मिलान किया गया था। इसमें प्रश्नपत्र हूबहू निकला था। इसके बाद उक्त दोनों विषय की परीक्षा को रद्द करते हुए जांच कमेटी गठित की गई थी।

सिहोडीह में संचालित एक कोचिंग सेंटर में दी गई दबिश

जांच के लिए गिरिडीह-कोडरमा में बनी टीम

इस मामले की जांच के लिए गिरिडीह और कोडरमा जिले में अलग-अलग टीम बनाई गई है। जांच के दौरान कोडरमा पुलिस दो लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। गिरिडीह के छात्रों के सोशल मीडिया अकाउंट को भी खंगाला जा रहा है। पूछताछ के बाद पुलिस आगे की रणनीति पर काम करेगी।

डिजिटल एविडेंस बरामद, किसी को बख्शा नहीं जाएगा : डीजीपी

झारखंड में मैट्रिक परीक्षा के पेपर लीक मामले में झारखंड पुलिस को कई अहम जानकारियां मिली हैं, कई अहम डिजिटल एविडेंस बरामद हुए हैं, जिसके आधार पर छापेमारी की जा रही है। साथ ही पेपर लीक गिरोह के सदस्यों की गिरफ्तारी की जा रही है। झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने साफ कर दिया है कि मामले में किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। डीजीपी

रूस का यूक्रेन पर 267 ड्रोन से हमला

NEW DELHI : रूस ने यूक्रेन पर एक साथ 267 ड्रोनों से हमला किया। यह हमला यूक्रेन जंग के तीन साल पूरे होने से ठीक एक दिन पहले किया गया है। यूक्रेन के एयर फोर्स कमांड के प्रवक्ता यूरी इग्नात ने कहा कि यह पहली बार है जब रूस ने एक साथ इतने ड्रोन दागे हैं। यूक्रेनी अधिकारियों के मुताबिक खार्किव, पोल्तावा, सुमी, कीव समेत कम से कम 13 शहरों में ड्रोन हमला किया गया। यूक्रेनी सेना ने दावा किया कि रूस ने 3 बैलिस्टिक मिसाइलें भी दागी हैं। इस हमले में कई इमारतों को नुकसान पहुंचा है। इमरजेंसी सर्विस के मुताबिक अब तक इसमें 3 लोग घायल हुए हैं। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक खेरसॉन में दो लोग मारे गए हैं। हालांकि अभी तक इसकी पुष्टि नहीं हुई है। इसके अलावा क्रीवी रीह में भी एक शख्स की मौत हुई है। क्रीवी रीह एक इंडस्ट्रियल सिटी है जहां यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की पैदा हुए थे। इसके जवाब में यूक्रेन ने भी रूस पर हमला किया है। रूस की डिफेंस मिनिस्ट्री ने रविवार को कहा कि यूक्रेन ने 20 ड्रोनों से हमला किया। लेकिन उन्होंने सभी ड्रोन को मार गिराया है।

- जंग के 3 साल पूरे होने पर कीव समेत 13 शहरों पर अटैक
- यूक्रेन का जवाबी हमला नाकाम

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना व जैक पेपर लीक मामले पर सरकार को घेरेगी भाजपा

रविवार को भारतीय जनता पार्टी ने बजट सत्र को लेकर अपनी तैयारी पूरी कर ली है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने आज प्रदेश कार्यालय में भाजपा विधायक दल की बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र ने भी भाग लिया। पार्टी ने प्रदेश सरकार को मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना और जैक पेपर लीक मामले पर घेरने की रणनीति तैयार की है। इन मुद्दों को लेकर भाजपा सरकार को सदन में घेरने योजना बना रही है।

न्यू स्ट्रेटजी दुश्मनों की हर चाल का जवाब देने के लिए किया जा रहा पुख्ता इंतजाम

इंडियन आर्मी ने तैयार किया एयर डिफेंस की मजबूती का रोडमैप

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK :

पिछले कई वर्षों से इंडियन आर्मी विभिन्न स्तरों पर आधुनिक तकनीक और स्वदेशी मॉडल को विकसित करने पर लगातार काम कर रही है। सीमा पर उत्पन्न स्थिति के मद्देनजर सभी परिस्थितियों से मुकाबला करने के लिए नई स्ट्रेटजी पर गंभीरता से काम हो रहा है। इसका परिणाम है कि भारतीय सेना ने अपनी रक्षा प्रणाली को हर तरह से मजबूत बना लिया है। आगे नई परिस्थितियों के लिए और सक्षम बनाने पर लगातार काम को आगे बढ़ाया जा रहा है। यह अपडेट जानकारी मिली है कि सेना ने हाल के संघर्षों में ड्रोन और अन्य विध्वंसकारी टेक्नोलॉजी के प्रभाव को देखते हुए अपनी एयर डिफेंस क्षमताओं को और सशक्त बनाने के लिए एक नया रोडमैप तैयार किया है। सेना अब अपने पुराने प्लेटफार्मों को बदलने, नए विखंडन गोला-बारूद का प्रयोग करने तथा अधिक शक्तिशाली रडार तैनात करने की स्क्रीन पर काम कर रही है। इस कदम से भारतीय सेना की वायु रक्षा क्षमता और भी मजबूत की जाएगा।

भारतीय सेना की वायु क्षमता प्रणाली में स्वदेशी रूप से आ रहा गुणात्मक नयापन

जुलाई में किया जा सकता है स्वदेशी उत्तराधिकारी प्लेटफार्म का पहला परीक्षण

- ड्रोन से लेकर मिसाइल तक में नई रणनीति पर तेजी से बढ़ रहा काम
- पुराने प्लेटफार्म के मॉडल को किया जाएगा चेंज, गोला-बारूद का बदलेगा रख-रखाव

भारतीय सेना की नई रणनीति, फिर से लोकप्रिय हो रहा बंदूकों का इस्तेमाल

- शक्तिशाली रडार प्रणाली विकसित करने के लिए नई तकनीक का होगा इस्तेमाल
- 4-5 महीनों में क्विक रिएक्शन सरफेस टू एयर मिसाइल प्रणाली के लिए अनुबंध संभव

सफलतापूर्वक किए गए तीन परीक्षण

गौरतलब है कि सितंबर 2022 में रक्षा मंत्रालय ने बयान दिया था कि डीआरडीओ और भारतीय सेना ने ओडिशा के चांदीपुर से दूर क्यूआरएसएएम प्रणाली की छह उड़ान परीक्षण सफलतापूर्वक किए थे। बता दें कि डीआरडीओ ने हाल ही में बहुत कम दूरी की वायु रक्षा प्रणाली के तीन सफल उड़ान परीक्षण किए हैं। यह प्रणाली खास तौर पर कम ऊंचाई पर उड़ने वाले लक्ष्यों के खिलाफ प्रभावी है।

गिरिडीह में फिर मिली योजना में गड़बड़ी

मंईयां सम्मान : 1840 आवेदन पाए गए फर्जी

PHOTON NEWS GIRIDIH :

दिसंबर 2024 के बाद मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की राशि लाभुकों को अब तक नहीं मिली है। बताया जा रहा है कि आवेदनों का वेरिफिकेशन हो रहा है। वेरिफिकेशन का काम पूरा होने के बाद अगले माह एक साथ लाभुकों के खाते में जनवरी, फरवरी और मार्च महीने की संयुक्त 7500 की राशि ट्रांसफर की जाएगी। इस बीच गिरिडीह जिले में इस योजना के तहत आए आवेदनों में बड़ी हेराफेरी का मामला सामने आया है। बता दें कि अब तक गिरिडीह प्रखंड में इस योजना के तहत कुल 42,700 आवेदन प्राप्त हुए थे।

- कई ऐसे आवेदन, जिनमें अलग-अलग नाम हैं, लेकिन बैंक खाता एक ही
- करीब 200 महिलाओं के आवेदनों में पुरुषों के बैंक खाता नंबर दर्ज
- मार्च में लाभुकों के खाते में एक साथ तीन महीने की राशि हो सकती है ट्रांसफर

BRIEF NEWS

धोरा समुदाय को पहचान दे राज्य सरकार, उठी मांग

JAMSHEDPUR : गालूडीह बराज में रविवार को धरा, धारा, धोरा (धीवर) समाज उत्थान संग्राम समिति, झारखंड प्रदेश द्वारा वनभोज सह मिलन समारोह किया गया। इसमें जुगसलाई के विधायक मंगल कालिंदी मुख्य अतिथि थे। समारोह में समाज के उत्थान और विकास पर व्यापक चर्चा हुई। विधायक ने कहा कि हमें अपने समाज के उत्थान और विकास के लिए एकजुट होकर काम करना चाहिए। इस अवसर पर समाज के सदस्यों ने अपने सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों को प्रदर्शित करने के लिए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। इसके साथ ही समाज के लोगों ने सवाल उठाया कि धरा समुदाय की पहचान खतरे में है। न तो यह एसटी में है, ना एससी, ओबीसी या जेनरल कैटेगरी में है। झारखंड सरकार से मांग है कि वह इस समाज को पहचान दिलाए। आयोजकों ने कहा कि यह समारोह हमारे समाज के सदस्यों को एकजुट करने और हमारे सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों को प्रदर्शित करने का एक अवसर है।

सिट एंड ड्रॉ के विजेता हुए पुरस्कृत

JAMSHEDPUR : टैगोर सोसाइटी द्वारा 19 जनवरी को सिट एंड ड्रॉ का आयोजन किया था। इसके विजेता रविवार को पुरस्कृत किए गए। आयोजित किया गया। संस्था के महासचिव आशीष चौधरी ने कहा कि इस प्रतियोगिता में शहर के 653 प्रतिभागी भाग लिए थे, जिसमें 100 से अधिक सफल प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया है। समारोह के मुख्य अतिथि टैगोर सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ. एचएस पॉल थे।

टाटा-राउरकेला-टाटा मेमू आज से 3 दिन रद्द

JAMSHEDPUR : चक्रधरपुर रेल मंडल में विकासात्मक कार्यों के कारण टाटानगर से चलने वाली चार ट्रेनें रद्द रहेंगी। रेलवे के सर्कुलर के मुताबिक ट्रेन नंबर- 68043/68044 टाटानगर-राउरकेला-टाटानगर मेमू 24 से 26 फरवरी तक तीन दिन रद्द रहेगी। वहीं ट्रेन नंबर-18113/18114 टाटानगर-बिलासपुर-टाटानगर एक्सप्रेस 25 और 26 फरवरी को अप-डाउन दोनों ओर से रद्द रहेगी। ऐसे में पूर्व से टिकट कराए यात्रियों को परेशानी का सामना करना होगा।

जिला बॉक्सिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष बने विजय

KHUNTI : खूंटी जिला बॉक्सिंग एसोसिएशन का गठन रविवार को झारखंड बॉक्सिंग एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष और चुनाव के पर्यवेक्षक राजीव वर्मा की उपस्थिति में किया गया। आरसी बालक मध्य विद्यालय में आयोजित बैठक की अध्यक्षता फादर बेनेडिक्ट बारला ने की। बैठक में खिलाड़ियों के अतिरिक्त काफी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित थे। जिला बॉक्सिंग एसोसिएशन में अध्यक्ष विजय कुमार, कार्यकारी अध्यक्ष कृष्ण मोहन कुमार, सचिव रोहित राज, कोषाध्यक्ष मनोज कुमार महतो सदस्य शिव बैठा, मानती कुमारी अंकित कुमारी, शंकर लाल हेमंत धन, अमर बरला, फ्रांसिस जेवियर बोदरा, गॉडविन टोपनो को बनाया गया है। यह जानकारी बॉक्सिंग एसोसिएशन के सचिव रोहित राज ने दी।

भगवान बिरसा के गांव में हुई सरना धर्म प्रार्थना सभा

KHUNTI : सरना धर्म सोतोः समिति, शाखा उलिहातु के तत्वावधान में रविवार को स्थापना दिवस सह सरना धर्म प्रार्थना सभा आयोजित की गई। धर्मगुरु जेठा पहान, सुखराम मुंडा, गोल्गा मुंडा और सनिका मुंडा की अगुवाई में अनुयायियों के साथ सरना स्थल में भगवान सिङबोंगा का पूजा-पाठ कर सुख, शांति और खुशहाली की कामना की गई। मौके पर पारंपरिक सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अथिति के रूप में धर्मगुरु बगरय मुंडा और विशिष्ट अथिति के तौर पर बुधराम सिंह मुंडा मौजूद थे।

गिरिडीह में मिनी माउजर फैक्ट्री का खुलासा, छह हुए गिरफ्तार

AGENCY GIRIDIH : गिरिडीह पुलिस ने रविवार को जिले में मिनी माउजर फैक्ट्री का खुलासा करते हुए छह अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने घटनास्थल से लगभग 31 पीस अर्धनिर्मित माउजर के बट के साथ कई अन्य समान जब्त किया है।

जिले के जमुआ थाना इलाके के चपरयामो गांव में मिली बड़ी सफलता के बाद एसपी डॉक्टर विमल कुमार, एसडीपीओ राजेंद्र प्रसाद, एटीएस के डीएसपी विनोद रजवार समेत चार थानों के थाना प्रभारी ने संयुक्त प्रेसवार्ता कर बताया कि जमुआ थाना इलाके के चपरयामो गांव में मोहम्मद दयसुद्दीन अपने घर पर इस मिनी माउजर फैक्ट्री का का संचालन कर रहा था। गुप्त सूचना पर एसडीपीओ के नेतृत्व में एटीएस और बंगाल एसटीफ के अलावा

चार थानों की पुलिस ने छापेमारी कर बड़े पैमाने पर मिनी माउजर बनाने के समान जब्त किया है। बताया गया कि जब्त सामानों मै दो मशीन है जो किसी एसआर ट्रेडिंग से खरीदा गयी है। एक लेथ मशीन , ड्रिल मशीन , 15 केवीए का आयशर कंपनी का डीजी जनरेटर और 31 अर्धनिर्मित माउजर के लोहे को तैयार बट के साथ, गोली लोड करने वाले लोहे का 10 पीस पिछला हिस्सा, छह पीस लोहे का टुकड़ा, 31 पीस लोहे की पट्टी सहित एक बाइक बरामद हुई है। इसके अलावा 17 हजार नगद रुपये ,एक मोबाइल जब्त किया गया है।

एसपी ने बताया कि दयसुद्दीन अपने घर में मिनी माउजर पिस्टल फैक्ट्री का संचालन करने के साथ सहयोगियों के सहयोग से तैयार पिस्टल बिहार, झारखंड और बंगाल में सप्लाई करता था।जिसकी किमत लाखो में है। गिरफ्तार अपराधियो में दयासुद्दीन के साथ बिहार के मुंगेर के मोहम्मद इमरान, मोहम्मद सोनू, मोहम्मद शकील, मोहम्मद अफरोज और मुंगेर रामनगर थाना इलाके के सफियाबाद निवासी रूपेश शर्मा शामिल हैं।

एसपी ने बताया कि मोहम्मद सोनू, मोहम्मद इमरान के खिलाफ बिहार के खुसरूपुर थाना में पहले से आर्म्स एक्ट का केस दर्ज है। मोहम्मद सोनू के खिलाफ भी आर्म्स एक्ट का केस इसी थाने में दर्ज है। अफरोज के खिलाफ बांका में आर्म्स एक्ट का केस दर्ज है।

आपसी समझौता से 11 पारिवारिक वादों का हुआ निपटारा

DUMKA : महिला कोषांग की बैठक में आपसी सुलह-समझौता से कुल 11 पारिवारिक विवादों में रविवार को समझौता हुआ। बैठक की अध्यक्षता थाना प्रभारी अनुपमा सोरेंग ने की। इस अवसर पर मुख्य रूप से एसडीपीओ विजय कुमार महतो उपस्थित थे। कोषांग सदस्यों ने जिले के गोपीकांदर थाना क्षेत्र के कारीपहाड़ी गांव निवासी प्रितिलता मरांडी क्षौर शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के चितागड़िया गांव निवासी उसके पति रसका टुडू के बीच आपसी सुलह-समझौता कराया गया।

रेलवे साइडिंग निर्माण के विरोध में ग्रामीणों ने दिया सांकेतिक धरना

CHATRA : सीसीएल की आम्रपाली परियोजना के लिए रेलवे साइडिंग और रेल लाइन निर्माण के विरोध में ग्रामीणों ने टंडवा के सेरनदाग बाजार टांड में रविवार को एक दिवसीय सांकेतिक धरना दिया। इसकी अध्यक्षता गणेश उर्फ ललित साव और संचालन मनोज साहू ने की। धरना से पूर्व सेरनदाग के ग्रामीणों ने रैली निकाल कर रोषपूर्ण प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने फर्जी ग्राम सभा के जरिए अनापत्ति प्रमाण पत्र मामले का तीखा विरोध किया। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत आयोजित धरने में ग्रामीणों ने साइडिंग और रेल निर्माण के विरोध में जमकर नारेबाजी की। धरना को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने आरोप लगाया कि टंडवा अंचल कार्यालय के फर्जी तरीके से ग्रामसभा कर निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के फर्जी हस्ताक्षर और मुहर लगाकर अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने कार्यवाही की गई। इसका ग्रामीणों की ओर से विरोध किया जा रहा है। ग्रामीणों ने धरना के माध्यम से रेलवे लाइन निर्माण में भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया के तहत लागू सेक्शन 9 हटाने, फर्जी ग्राम सभा मे शामिल अधिकारियों और कर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई करने, अनापत्ति से पहले भूमि का रिवार्ड तय करने की मांग कर रहे थे।

कारागृह से बुरे संस्कारों को दूर करके निकलें : भगवान भाई

JAMSHEDPUR : यह कारागृह नही, बल्कि सुधारगृह है। इसमें आपको स्वयं में सुधार लाने के लिए रखा हुआ है, शिक्षा देने के लिए नहीं। इस कारागृह को संस्कार परिवर्तन का केंद्र बना लो। इसमें एक-दूसरे से बदला लेने की बजाए स्वयं को बदलना है। बदला लेने से समस्या और ही बढ़ जाती है। कारागृह के इस एकांत स्थान पर बैठकर स्वयं को परिवर्तन करने के लिए सोचो कि मैं इस संसार में क्यों आया हूं। मेरे जीवन का उद्देश्य क्या हैं, मुझे परमात्मा ने किस उद्देश्य से यहां भेजा है। मैं यहां आकर क्या कर रहा हूं। ऐसी बातों का चिंतन करने से संस्कार-व्यवहार

भगवान भाई

में परिवर्तन होगा। यह कारागृह आपके जीवन को सुधार लाने के लिए तपोस्थल है। ये उद्गार माउंट आबू, राजस्थान स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय से आए ब्रह्माकुमार भगवान भाई ने कहे। वे घाघीडाह केंद्रीय कारागृह (जेल) के कैदियों को कर्म गति और व्यवहार शुद्धि विषय पर बोल रहे थे। भगवान भाई ने बंदियों से कहा कि बदला लेने के बजाय स्वयं को ही बदलकर दिखाने की प्रवृति रखनी है। उन्होंने कहा कि हम किसके बच्चे हैं। जिस परमात्मा के हम बच्चे हैं, वह तो शांति का सागर, दयालु, कृपालु, क्षमा का सागर है।

बीपी-शुगर की जांच के लिए लगी भीड़

JAMSHEDPUR : मानगो के डिमना रोड में अविनाश नगर के पास हर रविवार को शिविर लगाकर बीपी-शुगर की जांच होती है। जांच कराने के लिए सुबह 6 बजते ही लाइन लग जाती है। मानगो नगर विकास परिषद नामक समाजिक संस्था के बैनर तले मानगो वासियों के लिए निशुल्क स्वास्थ्य जांच कार्यक्रम तीन माह से चल रहा है। इस मौके पर संस्था के मुख्य संयोजक मनोज मिश्रा, विष्णु लाल, सुबोध प्रसाद, शुभश्री दत्ता, जिष्णु महतो सहित अन्य सदस्य सक्रिय रहे।

दुमका में पेड़ से टकराई बाइक, दो लोगों की हुई मौत, एक गंभीर

AGENCY DUMKA : नशे में धुत्त बाइक सवार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराने से दो बाइक सवार की मौत हो गई। वहीं घटना में एक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना शनिवार की देर रात विश्वविद्यालय ओपी थाना क्षेत्र में घटी। दुर्घटना थाना से चंद कदम दूर सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय के मुख्य गेट के समीप घटी।

मृतकों का शिनाख्त साहिबगंज जिला के तालझारी थाना क्षेत्र के दुधकोल गांव निवासी सोमाय हांसदा (30) एवं बरहेट थाना क्षेत्र के हिरणपुर गांव निवासी संजला मुर्मू (20) के रूप में हुई। वहीं घायल सदर प्रखंड के दिग्घी

अस्पताल में पहुंचे परिजन ● फोटोन न्यूज

ओपी थाना क्षेत्र के दीपक हेम्ब्रम है। दीपक विश्वविद्यालय के सुरक्षा गार्ड है। जानकारी के अनुसार दीपक अपने दोस्तों के साथ बाईक में सवार होकर सदर प्रखंड के बागडुब्बी एक श्राद्ध कर्म में शामिल होने गया था। देर रात दीपक को पहुंचाने विश्वविद्यालय जाने के दौरान बाइक विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार के समीप प्रिंटिंग दुकान के सामने महुआ के पेड़ से टकरा गई। इसमें एक की मौके पर मौत हो गई। दूसरे को अस्पताल में चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। वही दीपक हेम्ब्रम बुरी तरह से घायल हो गया। दीपक का इलाज मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज जारी है।

शिक्षा के साथ-साथ मानवता का पाठ पढ़ाता है डीएवी : जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद

पूरे राज्य के डीएवी स्कूलों में लीगल लिटरेसी क्लब का हुआ उद्घाटन

AGENCY LOHARDAGA : लोहरदगा के एमबी डीएवी पब्लिक स्कूल में वर्जुअल रूप से लीगल लिटरेसी क्लब का उद्घाटन किया गया। झारखंड के सभी 72 डीएवी स्कूलों में एक साथ लिगल लिटरेसी क्लब का उद्घाटन जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद के जरिये न्याय सदन झालसा, रांची की ओर से किया गया। इस मौके पर जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद ने कहा कि समाज का निर्माण कैसे होना चाहिए यह हमें तय करना होगा। हमारा उद्देश्य समाज को कानूनी रूप से जागरूक करना भी है और इसके लिए डालसा और झालसा के जरिये लगातार लोगों को जागरूक करने का कदम उठाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमें कानून की आवश्यकता क्यों है

लोहरदगा के स्कूल में उपस्थित अतिथि व शिक्षक ● फोटोन न्यूज

ये समझने की आवश्यकता है। स्कूलों में विभिन्न विषयों की पढ़ाई तो होती है लेकिन लीगल जानकारी नहीं दी जाती है। इसके लिए लिगल लिटरेसी क्लब को एक बेहतर माध्यम बनाया गया है। 660 से ज्यादा लीगल लिटरेसी क्लब जिसका लाभ स्कूल के विद्यार्थियों को मिल रहा है। चाइल्ड मैरिज, ह्यूमन ट्रैफिकिंग, नशा से नुकसान सहित विभिन्न विषयों की जानकारी दी जा रही है। अंधविश्वास को दूर करने का काम भी लिगल लिटरेसी क्लब के माध्यम से काम किया जा रहा है। इस मौके पर एमबी डीएवी पब्लिक स्कूल में टीम का नेतृत्व कर रहे मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित सीजेएम कृष्ण कांत मिश्रा ने कहा कि समाज के लिए लिगल कैडेट कोर बनाने का उदेश्य पूरा किया जा रहा है। इन्होंने कहा की आज के समय में युवाओं का भविष्य लिगल के क्षेत्र में बढ़ रहा है। ऐसे में यह युवाओं को एक नई दिशा दे रहा है। हम अभी से ही इन युवाओं को जज के रूप में देख पा रहे हैं। हम समाज को लिगल लिट्रेसी क्लब के माध्यम से जागरूक करने का काम कर रहे हैं। ट्रैफिकिंग की वजह से बच्चियों को बाहर बेचा गया। ऐसे मामलों में डालसा ने कई बेहतर कार्य किया है। उन्होंने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि आपकी पहली ड्यूटी पढ़ाई दूसरी ड्यूटी पढ़ाई और आखरी ड्यूटी सिर्फ बच्चों को पढ़ाई ही होना चाहिए।

कदमा स्थित आवास पर बैठक को संबोधित करते बन्ना गुप्ता ● फोटोन न्यूज

महाशिवरात्रि की तैयारी में जुटे पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता

JAMSHEDPUR : राज्य के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता महाशिवरात्रि पर दोमुहानी में स्वर्णरेखा नदी की आरती को भव्य बनाने की तैयारी में जुटे हैं। बन्ना गुप्ता 4 साल से लगातार महाशिवरात्रि के अवसर पर भव्य स्वर्णरेखा आरती का आयोजन करते हैं। इसके पहले नदी पूजन का आयोजन भी किया जाता है और आरती के दौरान आतिशबाजी और पुष्पवर्षा की जाती है। बन्ना गुप्ता ने रविवार को सुबह में सोनारी स्थित दोमुहानी संगम घाट का निरीक्षण कर सफाई की व्यवस्था, आयोजन स्थल का चयन एवं अन्य तैयारियों की व्यवस्था की समीक्षा की, इसके बाद कार्यकताओं के साथ बैठक कर कार्यक्रम की सफलता के लिए विशेष निर्देश जारी किए।

कदमा स्थित अपने आवास पर बैठक को संबोधित करते हुए बन्ना गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम में एक लाख से ज्यादा लोगों के शामिल होने की संभावना है।

सृजन संवाद की 147वीं संगोष्ठी में फिल्मकार अशोक मिश्रा की यात्रा पर हुईं विस्तार से बातें

तकनीक में परिवर्तन के चलते सिनेमा हो गया वैश्विक : अशोक मिश्रा

PHOTON NEWS JSR : 'सृजन संवाद' साहित्य, सिनेमा एवं कला की 147वीं संगोष्ठी स्ट्रीमयार्ड तथा फेसबुक लाइव पर प्रसिद्ध सिने-व्यक्तित्व अशोक मिश्रा की सिने-यात्रा पर हुई। 22 फरवरी की शाम 6.30 बजे से करीब डेढ़ घंटे चली इस बातचीत में प्रसिद्ध फिल्म 'कटहल' के लेखक के अलावा सिने-इतिहासकार मनमोहन चड्ढा, न्यू डेल्ही फिल्म फाउंडेशन के संस्थापक आशीष कुमार सिंह एवं सिने-विशेषज्ञ अमरेंद्र कुमार शर्मा ने भाग लिया। परिचर्चा का संचालन डॉ. विजय शर्मा ने किया।

विभिन्न स्थानों पर नाट्य एवं पटकथा लेखन की कार्यशाला संचालित करने वाले अशोक मिश्रा ने बताया कि बचपन में पढ़ने में उनका मन बिल्कुल नहीं लगता था, जबकि उनके पिता रामस्वरूप मिश्रा, जिला शिक्षा इंस्पेक्टर थे। बाद में परिवार के सहयोग से उन्होंने शिक्षा ग्रहण की तथा हिंदी एवं भाभी रंजना मिश्रा के सहयोग

से संस्कृत साहित्य के प्रति उनका झुकाव हुआ। हबीब तनवीर का सानिध्य मिला और वे नाटकों से जुड़ गए। वे 'रचना' नाटक ग्रुप के संस्थापक हैं और उन्होंने खूब नाटक किए हैं। फिल्म में आने पर उन्हें श्याम बेनेगल, सईद मिर्जा जैसे दिग्गज निर्देशकों के साथ काम करने का अवसर मिला। काम करते हुए वे सीखते गए और अपने काम में निखार लाते गए।

आशीष कुमार सिंह ने प्रश्न से कार्यक्रम आगे बढ़ाते हुए पूछा, पिछले पांच दशक से फिल्म में क्या बदलाव दिखता है? उत्तर देते हुए मिश्रा ने बताया कि पिछले पचास सालों में तकनीक में परिवर्तन के चलते सिनेमा वैश्विक हो गया है, इसमें जनतांत्रिकता बढ़ी है, छोटे-छोटे स्थानों से लोग कम संसाधन में अच्छा सिनेमा बना रहे हैं। उन्होंने श्याम बेनेगल के साथ करीब तीस साल काम किया और पाया कि वे बहुत सरल एवं विद्वान व्यक्ति थे, उनका सेंस ऑफ ह्यूमर गजब का था। सईद मिर्जा से उन्होंने सीखा, यदि बात को बार-बार कहना हो, संवाद को कई बार दोहराना हो तो, फिल्म नहीं, उपन्यास लिखना चाहिए।

अशोक मिश्रा ने हाल में विश्वरंग संवाद पत्रिका के सिनेमा विशेषांक का संपादन किया है, उन्होंने संपादन से संबंधित अपने अनुभव साझा किए। इस अंक में सृजन संवाद के कई सदस्य शामिल हैं। अमरेंद्र कुमार शर्मा ने अकादमिक प्रश्न पूछे, जिनके उत्तर सिने-छात्रों के लिए विशेष उपयोगी रहे। मिश्रा ने स्क्रीनप्ले एवं संवाद को विस्तार से समझाया। मनमोहन चड्ढा को अशोक मिश्रा बहुत अपने लगते हैं, क्योंकि उनमें फिल्मी लोगों वाला दंभ नहीं है और वे हिंदी में काम करते हैं, चड्ढा जी के प्रश्न के उत्तर में अशोक जी ने कहा, निर्देशक श्याम बेनेगल फिल्म में रिसर्च का महत्व समझते थे और रिसर्च के लिए इंतजाम करते थे। बेनेगल ने बतौर स्क्रिप्टराइटर सदैव अशोक मिश्रा की सुविधा का ध्यान रखा, उनकी बातों को सुना और तर्कपूर्ण सुझावों को महत्व दी।

दर्शकों-श्रोताओं ने एक स्वर से माना, जहां लोग खुद को ग्लोरीफाई करते हैं, अशोक मिश्रा खुद से अधिक दूसरों की बात करते हैं, उन्हें महत्व देते हैं। 'कटहल' फिल्म बतौर निर्देशक उनके बेटे यशोवर्धन मिश्रा की पहली फिल्म है, यह बात भी उन्होंने बस चलते-चलते बताई। दर्शकों ने 'कटहल, 'वेलडन अब्बा', 'वेलकम टू सज्जनपुर' फिल्मों की तारीफ की एवं अशोक मिश्रा की जीवन यात्रा से कई नई बातें जानीं।

आशीष कुमार सिंह ने इस महत्वपूर्ण-सार्थक कार्यक्रम का सार प्रस्तुत किया। डॉ. विजय शर्मा ने वक्ताओं, दर्शक-श्रोता, पोस्टर निमार्ता, प्रिंट एवं इलेक्ट्रोनिक मीडिया, संचालन के लिए वैभव मणि त्रिपाठी एवं अनुराग रंजन का धन्यवाद ज्ञापन किया।

उल्लेखनीय उपलब्धियां

डॉ. विजय शर्मा ने विषय परिचय देते हुए मंचस्थ विद्वानों तथा फेसबुक लाइव के श्रोताओं-दर्शकों का स्वागत किया। अब तक सृजन संवाद ने फिल्म व्यक्तित्व पर कई कार्यक्रम किए हैं, जिनमें गौतम घोष, सत्या सरन, सोमा चटर्जी, मृत्युंजय श्रीवास्तव, आशुतोष पाठक, पंकज मित्रा, सुदीप सोहनी, अनिरुद्ध भट्टाचार्य जैसे सिने-विशेषज्ञों ने शिरकत की है। उन्होंने बताया कि शायद ही कोई ऐसा होगा जिसने फिल्में 'कटहल' नहीं देखी हो। नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा से प्रशिक्षित अशोक मिश्रा उसके लेखक हैं। पटकथा लेखक, गीतकार, अभिनेता, नाट्य निर्देशक अशोक मिश्रा ने 'भारत एक खोज', 'अमरावती की कथाएं', 'संक्रांति, 'मृग नयनी', 'सहर', 'इंतजार' आदि धारावाहिक तथा 'कटहल' के अलावा 'नसीम', 'समर', 'वेल्डन अब्बा', 'वेलकम टू सज्जनपुर', 'बवंडर', 'कभी पास कभी फेल', 'दुर्गा', 'गांजे की कली' आदि फिल्मों का लेखन किया है। आपको 'समर' एवं 'नसीम' फिल्म के लिए दो बार सर्वश्रेष्ठ पटकथा लेखन का 'नेशनल अवार्ड' प्राप्त हुआ है। 'वेलकम टू सज्जनपुर' सर्वश्रेष्ठ संवाद लेखन के लिए 'स्टार स्क्रीन अवार्ड' से सम्मानित किया गया है। मध्य प्रदेश संस्कृति विभाग ने प्रतिष्ठित 'राष्ट्रीय किशोर कुमार अवार्ड' प्रदान किया है।

इनकी उपस्थिति रही खास

147वें सृजन संवाद कार्यक्रम में देहरादून से सिने-समीक्षक मनमोहन चड्ढा, दिल्ली से आशीष कुमार सिंह, जमशेदपुर से डॉ. मीनू रावत, डॉ. क्षमा त्रिपाठी, आभा विश्वकर्मा, अर्चना अनुपम, श्रवण कुमार, वीणा कुमारी, गीता दुबे, जोबा मुर्मू, बीनू पाण्डेय, रांची से 'यायावरी वाया भोजपुरी' फेम के वैभव मणि त्रिपाठी, कहानीकार कमलेश, बेंगलुरु से पत्रकार अनघा मारीषा, गोरखपुर से अनुराग रंजन, गोमिया से प्रमोद कु. बर्णवाल, इलाहाबाद से सुरभि बिप्लव, बर्धमान से कल्पना पंत, अन्य स्थानों से कृष्ण कुमार मिश्र, प्रदीप मिश्र, दिलीप मिश्र, सुदीप साहू, चंदा राव आदि जुड़े। इनकी टिप्पणियों से कार्यक्रम और अधिक सफल हुआ।

माइनिंग के लिए केबीपी कंपनी ने कड़ी सुरक्षा के बीच किया भूमि पूजन

RAMGARH : रामगढ़ जिले के मांडू प्रखंड अंतर्गत कोतरे बसंतपुर पचमो में माइनिंग के लिए केबीपी कंपनी ने कड़ी सुरक्षा के बीच भूमि पूजन किया। रविवार की सुबह से ही भूमि पूजन के लिए केपी कंपनी के मालिक और कर्मचारी खड़े थे। इसके विरोध में दर्जनों गांव के ग्रामीण सड़क पर उतर आए। जिला प्रशासन और पुलिस पदाधिकारियों की ओर से लाख पहल किए जाने के बावजूद ग्रामीणों के जरिये कंपनी को काम करने के लिए सहमति प्रदान नहीं की गई। 12 घंटे तक लगातार ग्रामीण और अधिकारियों के बीच वार्ता चलती रही। अंततः देर शाम कंपनी के मालिक प्रणय अपने कर्मियों के साथ सिर्फ भूमि पूजन कर निकल गए थे। केदला वासरी से कोतरे गांव की तरफ घुसते ही हजारों की संख्या में ग्रामीण अधिकारियों को रोक कर बैठ गए थे। ना तो अधिकारियों की गाड़ी अंदर जा रही थी और ना ही कंपनी की गाड़ी और मशीन अंदर घुसने के लिए तैयार थी।

BRIEF NEWS

सावित्रीबाई फुले के परिनिर्वाण दिवस पर होगी आमसभा

RANCHI : रविवार को अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा के जिला एवं प्रदेश के पदाधिकारियों की बैठक धुर्वा के रेनबो रिवर वटर पार्क में हुई। इस बैठक में कई निर्णय लिए गए। महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुशवाहा राकेश महतो ने कहा कि भारत की प्रथम शिक्षिका सावित्रीबाई फुले के परिनिर्वाण दिवस पर रांची में 23 मार्च को एक बड़ी आम सभा का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया जाएगा। 22 मार्च को अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा की कार्यसमिति की बैठक होगी। आम सभा के माध्यम से सरकार से मांग की जाएगी कि माता सावित्रीबाई फुले की जीवनी की पढ़ाई झारखंड के स्कूली शिक्षा की किताबों में शामिल कराई जाए। इस आम सभा के पहले सभी प्रमंडलों में जिला कार्य समिति की बैठक की जाएगी। रविवार की बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष अभय कुमार कुशवाहा ने की।

साहिल बने कोलकाता हार्ड कोर्ट टेनिस चैंपियनशिप विजेता

RANCHI : बंगाल टेनिस एसोसिएशन एवं साउथ क्लब कोलकाता के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कोलकाता हार्ड कोर्ट टेनिस चैंपियनशिप 2025 के पुरुष वर्ग का खिताब झारखंड के शीर्ष लॉन टेनिस खिलाड़ी साहिल अमीन ने जीत लिया है। फाइनल मुकाबले में साहिल ने अपने प्रतिद्वंदी खिलाड़ी बंगाल के सौरव चौधरी को सीधे सेटों में 6-0, 6-1 से हराकर चैंपियनशिप अपने नाम कर ली। शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए साहिल ने सेमीफाइनल में अपने प्रतिद्वंदी खिलाड़ी बंगाल के ही मनीष बजाज को 6-0, 6-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया था। यह खिताब साहिल ने दूसरी बार हासिल किया है। पिछले वर्ष भी साहिल ने ये खिताब अपने नाम किया था। इस टूर्नामेंट का आयोजन कोलकाता साऊथ क्लब में 15-23 फरवरी तक किया गया था। साहिल वर्तमान में कोलकाता के द टेनिस ट्री एकेडमी से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

एनएच-33 पर आयरन स्पंज लदे ट्रक में लगी भीषण आग

RANCHI : रविवार को तमाड़ थाना क्षेत्र के रुगड़ी हाई स्कूल के समीप एनएच-33 टाटा-रांची मार्ग पर एक आयरन स्पंज लदे ट्रक में अचानक आग लग गई। आग की लपटें उठते ही चालक ने सतर्कता दिखाते हुए ट्रक को सड़क किनारे रोक दिया और अपनी जान बचाने में सफल रहा। सूचना मिलते ही तमाड़ पुलिस मौके पर पहुंची और सुरक्षा के मद्देनजर सड़क पर आवागमन रोक दिया गया।

झारखंड में आज साफ रहेगा मौसम

RANCHI : झारखंड में लगातार मौसम में बदलाव हो रहा है। मौसम विभाग से रविवार को मिली जानकारी के अनुसार झारखंड में 24 फरवरी को मौसम साफ रहेगा। केवल रांची और आसपास के इलाकों में दोपहर बाद आंशिक बादल छाने की संभावना है। वहीं पिछले तीन दिनों से राज्य भर में गर्जन के साथ हल्की बारिश और ओलावृष्टि हुई।

यह चिंताजनक है कि इस नशीले पदार्थ की खेती का बढ़ता जा रहा दायरा, पुलिस ने तेज किया अभियान

ग्रामीणों को लालच देकर अफीम की खेती करा रहे नशा के सौदागर

CRIME REPORTER RANCHI :

झारखंड के विभिन्न जिलों में अफीम की खेती करने और उसके कारोबार को बढ़ाने का सिलसिला जारी है। नशा के सौदागर भोले-भाले ग्रामीणों को लालच देकर अफीम की खेती करा रहे हैं। इस बीच सरकार ने कड़ा रुख अपनाते हुए अफीम की खेती को नष्ट करने और सौदागरों को सबक सिखाने का मन बना लिया है। हर जिले में अफीम की खेती के खिलाफ जोरदार अभियान पुलिस की ओर से चलाया जा रहा है। इस बीच कुछ दिन पहले इस मुद्दे को लेकर के सेक्रेटरी अलका तिवारी ने उच्च अधिकारियों के साथ बैठक की थी और इस समस्या को जड़ से मिटाने का निर्देश दिया था। विगत कुछ वर्षों को देखें तो स्पष्ट हो जाता है कि साल-दर-साल अफीम की खेती का दायरा घटने के बजाय बढ़ रहा है। आंकड़े चौंकाने वाले हैं। साल 2016 में पुलिस ने 259 एकड़ खेत में लगी अफीम की फसल को नष्ट किया था। इस साल 21 फरवरी तक 19,086 एकड़ में लगी फसल को नष्ट कर चुकी है। सबसे ज्यादा खूंटी में 10,520 एकड़ में अफीम की फसल को नष्ट किया गया है। दूसरे स्थान पर रांची है, जहां पर 4624 एकड़ में फसल नष्ट की गई है। अफीम की फसल की वजह से कुल आठ जिले खूंटी, चतरा, रांची, लातेहार, पलामू, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला और हजारीबाग के इलाके प्रभावित हैं।

चीफ सेक्रेटरी अलका तिवारी ने इस समस्या को जड़ से मिटाने का दिया है निर्देश

इस साल 21 फरवरी तक 19086 एकड़ में लगी फसलों को किया जा चुका है नष्ट

- झारखंड के सभी जिलों में चलाया जा रहा अभियान
- वन विभाग की रिपोर्ट के आधार पर एफआईआर दर्ज करने का डीजीपी ने दिया है आदेश

190 लोगों को किया गया है गिरफ्तार

अफीम की खेती नष्ट करने के अभियान के दौरान कुल 283 कांड और 958 सनहा दर्ज किए गए हैं। कुल 190 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। डीजीपी अनुराग गुप्ता ने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे वन विभाग द्वारा अफीम की खेती को लेकर की गई कार्रवाई की रिपोर्ट को आधार बनाकर संबंधित लोगों पर एफआईआर करें। उन्होंने बताया कि ऐसे मामलों में वन विभाग सिर्फ अतिक्रमण का मामला दर्ज करता है। हालांकि नशे की खेती के लिहाज से यह कार्रवाई बेहद कमतर साबित होती है।

अफीम की खेती करने वालों की खैर नहीं : डीजीपी

डीजीपी अनुराग गुप्ता ने कहा कि राज्य में पहली बार अफीम की खेती के खिलाफ व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। खुद मुख्य सचिव इसकी मॉनिटरिंग कर रही हैं। समय-समय पर अभियान की समीक्षा हो रही है। इस अभियान में वन विभाग और एनसीबी को भी शामिल किया गया है। डीजीपी ने कहा कि अबतक पुलिस के स्तर पर कार्रवाई होती थी। उन्होंने कहा कि अभियान अब 15 मार्च तक चलेगा। उन्होंने दो टूक कहा कि अफीम की खेती करने वालों की अब खैर नहीं।

60 से 70 हजार रुपये प्रति किलो औसत दाम

एक अनुमान के मुताबिक एक एकड़ में लगी फसल से तीन से चार किलो कच्चा अफीम निकलती है। यह उत्तम बीज, पटवन और खाद की मात्रा पर निर्भर करता है। लिहाजा, एक एकड़ में औसतन 2 किलो कच्ची अफीम निकलती है। लोकल सौदागर औसतन 60 से 80 हजार रुपय प्रति किलो के हिसाब से किसानों से कच्चा अफीम खरीदते हैं। जब किसान खुद शहर में जाकर सौदा करता है, तो उसे प्रति किलो एक लाख रुपये तक मिल जाता है। यहां रेट इसलिए बढ़ जाता है क्योंकि किसान को रिस्क उठाना पड़ता है। यही कच्चा अफीम जब अंतरराज्यीय बाजार में पहुंचता है तो प्रति किलो की कीमत तीन से चार लाख रुपये तक पहुंच जाती है। बाद में बड़े-बड़े माफिया कच्चे अफीम की प्रोसेसिंग कराकर कोकिन, हेरोइन जैसे ड्रग्स बना देते हैं।

पहल : इंपैनल्ड हॉस्पिटल में बीमारियों के उपचार के बारे में बताएंगे स्टाफ

जानकारी के अभाव के कारण आयुष्मान का लाभ लेने के लिए भटकते हैं मरीज

PHOTON NEWS RANCHI :

आयुष्मान भारत योजना लोगों के लिए इलाज में वरदान साबित हो रही है। लेकिन, जानकारी नहीं होने के कारण लोग मरीज को लेकर हॉस्पिटल तो पहुंच जाते हैं। लेकिन, आयुष्मान योजना से इलाज नहीं होता। ऐसे में उन्हें हॉस्पिटल का भारी भरकम बिल भरना पड़ता है। लेकिन अब आपको इसके लिए टेंशन लेने की जरूरत नहीं है। कुछ नंबरों पर कॉल कर आयुष्मान योजना से जुड़े हॉस्पिटलों और वहां मिलने वाली इलाज की सुविधाओं के बारे में जानकारी हासिल कर सकते हैं। इससे लोगों को हॉस्पिटल-दर- हॉस्पिटल की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी। आयुष्मान भारत योजना की शुरूआत पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा झारखंड से शुरू की गई थी। अब आम जनता के लिए और भी अधिक सुगम हो गई है। यदि आपके पास आयुष्मान कार्ड है और आप सरकारी या प्राइवेट हॉस्पिटल में इलाज कराने के लिए कंफ्यूज हैं, तो अब आपको चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। सरकार ने एक हेल्पलाइन सेवा शुरू की है, जिसके जरिए आप आयुष्मान योजना से जुड़ी हर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं और यह जान सकते हैं कि आपके नजदीकी हॉस्पिटल में कौन सी बीमारियों का इलाज उपलब्ध है।

अस्पतालों ने कुछ रोगों के लिए इंश्योरेंस कंपनियों से किया है टाईअप

कई हॉस्पिटलों को किया गया बाहर

राज्यभर में कई अस्पतालों को आयुष्मान योजना के तहत इंपैनल किया गया था, जहां मरीजों का इलाज किया जा रहा था। लेकिन, लापरवाही बरतने वाले हॉस्पिटलों पर स्वास्थ्य विभाग ने कार्रवाई करते हुए उन अस्पतालों को इंपैनलमेंट से बाहर कर दिया है। वहीं, कुछ अस्पताल ऐसे भी हैं, जिन्होंने कुछ विशेष बीमारियों के इलाज के लिए पैकेज लिया है, परंतु मरीजों को इन पैकेजों के बारे में पूरी जानकारी नहीं मिल पाती। इस समस्या को ध्यान में रखते हुए हेल्पलाइन सेवा शुरू की गई है। झारखंड में आयुष्मान कार्ड धारकों की संख्या अब सवा करोड़ को पार कर चुकी है। झारखंड में लाखों लोगों को इस योजना का लाभ मिल चुका है और करोड़ों रुपये का क्लेम किया जा चुका है।

झारखंड में आयुष्मान कार्ड धारकों की संख्या हो चुकी है सवा करोड़ से ज्यादा

पांच लाख तक का होता है मुफ्त इलाज

बता दें कि आयुष्मान भारत योजना के तहत, लाभार्थियों को हर साल 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज दिया जाता है। इसके अलावा झारखंड सरकार ने इसकी सीमा बढ़ाकर 15 लाख रुपये कर दिया है। 5 लाख की लिमिट खत्म होने के बाद इसका लाभ मिलेगा। इसके लिए न तो किसी भी अस्पताल में कोई भुगतान करना पड़ता है, न ही कोई राशि एडवांस जमा करना है।

शिकायत भी करा सकते हैं दर्ज

स्वास्थ्य विभाग ने आयुष्मान योजना के तहत इलाज के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। जिन पर कॉल करके लोग इस योजना के तहत इलाज के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। ये हेल्पलाइन नंबर 104, 14555 और 18003456540 है। इसके अलावा इन नंबरों पर कॉल करने से न केवल आपको इलाज की जानकारी मिलेगी, बल्कि आप अपनी शिकायत भी दर्ज कर सकते हैं। इस तरह से हेल्पलाइन नंबर पर समस्याओं का समाधान भी किया जा सकेगा।

मीटिंग में कांग्रेस प्रभारी ने मंत्रियों और विधायकों को दिया टास्क

PHOTON NEWS RANCHI :

कांग्रेस विधायक दल नेता प्रदीप यादव की अध्यक्षता में रविवार को बैठक हुई। बैठक में प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के. राजू और प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश भी मौजूद थे। इस बैठक में पार्टी के भविष्य के कार्यों और संगठनात्मक मजबूती को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक के बाद राजू ने बताया कि कई मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। कांग्रेस के 12 विधायकों को दो-दो जिलों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इन विधायकों को हर महीने संबंधित जिले में जाकर जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक में शामिल होने का निर्देश दिया गया है। बैठक में जिले से जुड़े मुद्दों और संगठनात्मक मामलों पर चर्चा होगी। इन विधायकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि वे जिले के मुद्दों को सरकार तक पहुंचाने के लिए कदम उठाएं। साथ ही विधायकों के लिए एक साल का कैलेंडर तैयार किया जाएगा, ताकि वे नियमित रूप से इन बैठकों में भाग ले सकें। इसके अलावा कांग्रेस कोटे के चारों मंत्रियों के बीच पांच प्रमंडलों का बंटवारा किया जाएगा ताकि वे इन प्रमंडलों में जाकर जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों व कार्यकताओं से मिलकर उनके मुद्दों को सुनें और सरकार तक पहुंचाएं। मंत्री इन क्षेत्रों में जाकर संगठनात्मक मुद्दों को भी उठाएंगे।

- जिलों के मुद्दे को सरकार तक पहुंचाने का काम करेंगे विधायक
- एक एमएलए को मिली दो जिलों की जिम्मेदारी सुनेंगे लोगों की समस्या
- विधायकों के लिए तैयार होगा पूरे साल के लिए कैलेंडर

हर महीने होगी विधायकों की बैठक

विधायकों की बैठक प्रत्येक महीने विधायक दल के नेता की उपस्थिति में होगी। अगले वर्ष के लिए एक बैठक कैलेंडर तैयार किया जाएगा, जिसमें हर विधायक के क्षेत्र में एक बैठक होगी। इन बैठकों के बाद सभी विधायक एक साथ संवाददाता सम्मेलन करेंगे और बैठक में चर्चा किए गए मुद्दों पर बात करेंगे। सोमवार से शुरू होने जा रहे बजट सत्र के बारे में के राजू ने कहा कि कांग्रेस के विधायक मजबूती से सदन में रहेंगे। वे प्रत्येक विभाग के बजट और ग्रांट्स के बारे में जानकारी लेकर चर्चा में भाग लेंगे। इसके साथ ही, सरकार द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों को लागू करने में सक्रिय रूप से योगदान देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी पार्टी की कोशिश है कि झारखंड में जातीय जनगणना हो, जिससे सभी समुदायों को उनकी सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक स्थिति का पता चले। उन्होंने तेलंगाना का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां जातीय जनगणना के बाद कई नीतियां बनाई गई, जो वहां के विकास में मददगार साबित हुईं। कांग्रेस विधायक दल नेता प्रदीप यादव ने कहा कि बजट सत्र महत्वपूर्ण है और पार्टी महागठबंधन के मुद्दों को सरकार के समक्ष फिर से उठाएगी, जिसमें ओबीसी आरक्षण और जातीय जनगणना प्रमुख हैं।

जुलूस, रैली, प्रदर्शन-घेराव पर रहेगी रोक

बजट सत्र को लेकर 27 मार्च तक लागू रहेगी निषेधाज्ञा

PHOTON NEWS RANCHI :

झारखंड विधानसभा का बजट सत्र 24 फरवरी यानि आज से शुरू होगा और 27 मार्च तक चलेगा। इस दौरान विधानसभा परिसर के आसपास निषेधाज्ञा लागू रहेगी, जिसके तहत विधानसभा परिसर के 750 मीटर के दायरे में (न्यायालय परिसर को छोड़कर) किसी तरह के जुलूस, रैली, प्रदर्शन और घेराव पर रोक रहेगी। राज्य विधानसभा का बजट सत्र 24 फरवरी से शुरू हो रहा है। सुरक्षा के मद्देनजर विधानसभा सत्र के दौरान निषेधाज्ञा जारी किया गया है। सदर एसडीओ उत्कर्ष कुमार ने बीएनएसएस की धारा 163 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए झारखंड विधानसभा परिसर के 750 मीटर के दायरे (उच्च न्यायालय परिसर को छोड़कर) में निषेधाज्ञा लागू रहने का आदेश जारी किया है। एसडीओ ने रविवार को बताया कि यह निषेधाज्ञा 24 फरवरी के सुबह 8.00 बजे से 27 मार्च के रात 10 बजे तक के लिए लागू रहेगी।

रंजीत कुमार सदर व जयदीप टोप्पो बने खलारी थानेदार

4 इंस्पेक्टर और 3 दारोगा का एसएसपी ने किया तबादला, 6 थानों में नए प्रभारी

CRIME REPORTER RANCHI :

रविवार को रांची डीआईजी सह एसएसपी ने रांची जिला के 6 थानों के प्रभारियों का तबादला किया है। जिन थानों के प्रभारी बदले गए हैं, उनमें डोरंडा, सदर, सुखदेवनगर, इटकी, पिठोरिया व खलारी थाना के प्रभारी शामिल हैं। जारी आदेश के मुताबिक जयदीप टोप्पो को खलारी थाना का प्रभारी बनाया गया है। विजय कुमार सिंह पुलिस लाईन में योगदान देंगे। इंस्पेक्टर कुलदीप कुमार को डोरंडा थाना का प्रभारी बनाया गया है। जबकि इंस्पेक्टर रंजीत कुमार सिन्हा को सदर थाना के प्रभारी के पद पर पदस्थापित किया गया है। इसी तरह अभय कुमार को पिठोरिया थाना का प्रभारी बनाया गया है, जबकि अभिषेक कुमार को सुखदेवनगर थाना के प्रभारी पद पर पदस्थापित किया गया है। दारोगा मनीष कुमार को इटकी थाना प्रभारी के पद पर पोस्टिंग दी गई है।

इटकी थानेदार के खिलाफ भी मिली थी शिकायत

शनिवार को रांची एसएसपी ने पिठोरिया थानेदार गौतम राय को सस्पेंड कर दिया था। बीते दिनों एसएसपी ने पिठोरिया थाने का औचक निरीक्षण किया था, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई थी। अभय कुमार को पिठोरिया का नया थानेदार बनाया गया है। वहीं, इटकी थानेदार अभिषेक कुमार के खिलाफ भी अनियमितता की शिकायत मिली थी जिसके बाद उन्हें भी प्रभारी के पद से हटाते हुए सुखदेव नगर थाना भेज दिया गया है।

अंतिम रूप देने के लिए भवन निर्माण विभाग तेजी से कर रहा काम

'कैफोर्ड हाउस' को तोड़कर बनेगा नया मुख्यमंत्री आवास

PHOTON NEWS RANCHI :

'कैफोर्ड हाउस' का नाम सुनते ही सबसे पहले मन में यह सवाल उठ सकता है कि आखिर इस हाउस का मतलब क्या है। इस हाउस का महत्व क्या है। यह बता देना जरूरी है कि आज झारखंड का जो सीएम हाउस बना हुआ है, झारखंड बनने के पहले उसे कैफोर्ड हाउस के नाम से ही जाना जाता था। जानकारी के अनुसार, अब इस भवन का अस्तित्व खत्म हो जाएगा। इस भवन को तोड़कर सीएम के लिए नया भवन बनाने की तैयारी चल रही है। भवन निर्माण विभाग इस काम में जुटा है।

1854 में बना था कैफोर्ड हाउस : इतिहास से यह जानकारी मिलती है कि 1853 में बंगाल के लेफ्टिनेंट गवर्नर के प्रिंसिपल एजेंट कमिश्नर एलियन ने इस हाउस की नींव रखी थी। भवन बनने से पहले एलियन का ट्रांसफर हो गया और कैफोर्ड ने पद संभाला। उनके पद संभालते ही भवन निर्माण में तेजी आई और साल भर के अंदर 1854 में ब्रिटिश हुकूमत ने कमिश्नर सिस्टम को इंप्लीमेंट किया और कैफोर्ड को छोटा नागपुर का पहला कमिश्नर बनाया गया। वह इस हाउस में रहने वाले पहले अधिकारी बने। तभी से इस भवन का नाम कैफोर्ड हाउस पड़ा। बता दें कि साल 2014 में रघुवर दास के सीएम बनने से पहले बाबूलाल मरांडी, अर्जुन मुंडा, शिबू सोरेन, मधु कोड़ा ने सीएम की कुर्सी संभाली, लेकिन कोई भी कार्यकाल पूरा नहीं कर पाया। इस मिथक को तोड़ा सीएम रघुवर दास ने। उन्होंने इस आवास में रहते हुए पांच साल का कार्यकाल पूरा करने का रिकॉर्ड भी बनाया। इससे पहले उन्हें कुछ वास्तु बदलाव करना पड़ा। उन्होंने कांके रोड वाले गेट से आना-जाना करने के बजाय मोरहाबादी वाले गेट का इस्तेमाल किया।

झारखंड बनने के बाद पहली बार रघुवर दास ने पूरा किया था अपना कार्यकाल

अर्जुन मुंडा ने कराया था हनुमान मंदिर का निर्माण

सीएम रहते हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त होने पर अर्जुन मुंडा ने सीएम कैंपस में हनुमान मंदिर का निर्माण करवाया था। 13 जुलाई 2013 को पहली बार सीएम बने हेमंत सोरेन इस आवास में नहीं गए। इसकी एक वजह यह भी रही कि उनका आवास सीएम आवास से सटा हुआ है। एक दीवार का फर्क है। लिहाजा, सीएम हेमंत इस आवास का इस्तेमाल विधायकों की मीटिंग के लिए करते रहे हैं। अब देखना है कि कैफोर्ड हाउस की जगह किस तरह का भवन बनता है। यह भी देखना है कि नया भवन बनने के बाद सीएम के रूप में हेमंत सोरेन उसमें जाएंगे या नहीं।

राजद से 50 हजार लोगों को जोड़ना लक्ष्य : कैलाश

RANCHI : राजधानी रांची के कोकर स्थित रामलखन सिंह यादव कॉलेज रांची के पास रविवार को झारखंड प्रदेश राजद के नेताओं ने सदस्यता अभियान चलाया। इस दौरान बतौर मुख्य अतिथि प्रदेश राजद महासचिव सह मीडिया प्रभारी कैलाश यादव मौजूद थे। इस अवसर पर कई लोगों ने राजद की सदस्यता ली। पार्टी में शामिल होनेवाले लोगों को पार्टी के प्रदेश महासचिव कैलाश यादव ने सदस्यता दिलाई। इस मौके पर कैलाश यादव ने कहा कि रांची महानगर में 50 हजार सदस्यों को पार्टी से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। उल्लेखनीय है कि राजद का सदस्यता अभियान राज्य के सभी जिलों में चल रहा है। कार्यक्रम में पार्टी नेता रामकुमार सिंह यादव, सुधीर गोप, अधिवक्ता कृष्ण कुमार, श्याम सुंदर यादव, सुनील टोप्पो, विभाकार कुमार, ललन यादव, कपिलदेव सिंह और अनिल सहित अन्य मौजूद थे।

143 लोगों ने थामा भाकपा का दामन

मजदूरों के हक-अधिकार के लिए लड़ती रही पार्टी : महेंद्र

PHOTON NEWS RANCHI :

भाकपा के कार्यकर्ता मिलन समारोह में रविवार को 143 लोगों ने पार्टी का दामन थामा। रांची के कांके रोड स्थित गांधीनगर क्लब में एटक के राज्य सचिव अशोक यादव की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम का संचालन जिला सचिव अजय कुमार सिंह ने किया। कार्यक्रम में राज्य सचिव महेंद्र पाठक ने कहा कि मजदूरों के हक और अधिकार के लिए भाकपा पार्टी हमेशा लड़ती रही है। पाठक ने कहा कि देश की पूंजीवादी पार्टियां धर्म एवं जात के नाम पर लोगों को बांट रही हैं। देश के बड़े-बड़े उद्योगपतियों के पक्ष में कानून बनाया जा रहा है। एटक के राज्य सचिव अशोक यादव ने लाल झंडा की उत्पत्ति के बारे में विस्तार से बताया। वहीं मजदूर नेता हरिद्वार सिंह ने भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के इतिहास की जानकारी उपस्थित लोगों को दी।

समाचार सार

'रन फॉर वन' का हुआ भव्य आयोजन

GHATSILA : जमशेदपुर वन प्रमंडल और हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड, मऊभंडार इकाई के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को 'रन फॉर वन' मैराथन का भव्य आयोजन किया गया, जो मऊभंडार ताम्र प्रतिभा मैदान से सुरदा चौक तक हुआ। इस 10 किलोमीटर के मैराथन में कई प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन, मुख्य वन संरक्षक अशोक कुमार और आरसीसीएफ स्मिता पंकज ने झंडी दिखाकर किया। इस दौरान दलमा रेंज पर आधारित वन्यजीव संरक्षण कैलेंडर भी जारी किया गया। विजेताओं को ट्रॉफी व नकद पुरस्कार दिए गए। इस मौके पर मंत्री ने कहा कि झारखंड शहीदों की धरती है और उनके सपनों को साकार करने के लिए जल, जंगल और जमीन की रक्षा आवश्यक है। मुख्य वन संरक्षक ने कहा कि झारखंड प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर है और इसे बचाने के लिए जन-जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता है। जमशेदपुर के डीएफओ सबा आलम अंसारी ने इस पहल को वन संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। इस मौके पर घाटशिला के एसडीओ सुनील चंद्र, जिला परिषद की सदस्य देवयानी मुर्मू, बीडीओ युनिका शर्मा, मऊभंडार एचसीएल-आईसीसी के कार्यपालक निदेशक श्याम सुंदर सेठी सहित अन्य उपस्थित थे।

बीओआई यूनियन की बैठक में कम रही उपस्थिति

GHATSILA : ऑल इंडिया बैंक इम्पलाइज एसोसिएशन के बैनर तले बैंक ऑफ इंडिया (बीओआई) स्टाफ यूनियन की बैठक रविवार को घाटशिला के एक होटल में हुई। इसमें सदस्यों की उपस्थिति कम रही। इस पर महामंत्री दिनेश झा ललन ने यूनियन के पदाधिकारियों को फटकार लगाते हुए कहा कि यूनियन की बैठक में सदस्यों की कमी दिख रही है। सदस्य यूनियन का स्तंभ होता है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा जो भी सुविधा बीओआई को मिलती है, इसका पूरा श्रेय यूनियन को है। अन्य बैंकों के कर्मचारियों को सरकार द्वारा इस तरह की सुविधा नहीं दी जाती है। उन्होंने संगठन को और मजबूत करने पर बल दिया। उन्होंने सरकार द्वारा बीओआई के कर्मचारियों के लिए हुए समझौते की विस्तृत जानकारी साझा की। बैठक में यूनियन के अध्यक्ष सपन कुमार, उपाध्यक्ष अखिलेश्वर उपाध्याय व कोषाध्यक्ष उमेश कुमार दास भी उपस्थित थे।

लव पुरती की स्मृति में 62 यूनिट रक्त संग्रह

BANDGAON : ब्लड डोनर लव पुरती की स्मृति में सुमिता होता फाउंडेशन ने रविवार को बंदगांव प्रखंड के कराईकला पंचायत भवन में 8वां रक्तदान शिविर लगाया, जिसमें 62 यूनिट रक्त संग्रह हुआ। शिविर का उद्घाटन विधायक प्रतिनिधि मिथुन गागराई, स्व. लव पुरती की पत्नी मधु पुरती, मुखिया कुश पुरती, ग्रामीण चिकित्सा संघ के अध्यक्ष जेजे षाड़ंगी, तिरथ जामुदा, शेष नारायण लाल ने सुमिता होता व लव पुरती के चित्र के सामने द्वीप प्रज्वलित कर किया।

पर्यावरण मित्र ने चलाया स्वच्छता अभियान

GHATSILA : पर्यावरण मित्र के कार्यकर्ताओं ने मऊभंडार में आयोजित रन फॉर वन के दौरान कोरू फाउंडेशन के साथ स्वच्छता अभियान चलाया। फाउंडेशन और घाटशिला कॉलेज के एनसीसी व एनएसएस तथा पर्यावरण मित्र के सदस्यों ने मैराथन में हिस्सा लेने के साथ पूरे रास्ते से प्लास्टिक के बोतल, रैपर और नाश्ते के पॉकेट आदि निष्पादित किया।

जगमग होगा हरिणा का मुक्तेश्वर धाम

JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम जिले के पोटका प्रखंड में हरिणा स्थित मुक्तेश्वर धाम मंदिर में 24 लाख 86 हजार रुपये की लागत से 52 स्ट्रीट लाइट्स लगाई जाएंगी। इससे मुक्तेश्वर धाम जगमग हो जाएगा। इस योजना का रविवार को पोटका के विधायक संजीव सरदार ने शिलान्यास किया।

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री को चैंबर ने सुनाई समस्या

JAMSHEDPUR : केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ रविवार को बिष्टुपुर स्थित चैंबर भवन पहुंचे, जहां सिंहभूम चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के सदस्यों ने विभिन्न समस्या सुनाई। अध्यक्ष विजय आनंद मूनका ने कहा कि जमशेदपुर या इसके आसपास रक्षा क्षेत्र से जुड़े उपक्रम बनाने का कोई प्रतिष्ठान स्थापित होना चाहिए। इसके अलावा मंत्री से एयरपोर्ट और उच्चशिक्षा के लिए बड़ा संस्थान खोलने की मांग भी रखी।

शहरनामा

वीरेंद्र ओझा

जाम बिना चैन कहां

अपनी लौहनगरी में दिनों-दिन आबादी बढ़ती जा रही है। शहर के साथ-साथ पड़ोस के मानगो में भी आबादी बढ़ गई है, जिसकी बानगी यहां पुल पर दिखती रहती है, जो अक्सर जाम रहता है। इन दिनों जुबिली पार्क का गेट बंद रहने से कीनन स्टेडियम रोड पर भी जाम लग रहा है। खैर, हम बात कर रहे हैं, जाम के लिए प्रसिद्ध मानगो की, जहां एक बार फिर जाम लगना शुरू हो गया है। गणतंत्र दिवस के बाद एक सप्ताह छोड़ दें, तो हर दिन वहां सफेद वर्दी धारी पांच-पांच मिनट के लिए पुल का ट्रैफिक रोक रहे हैं। पहले यह अवधि 10 से 15 मिनट तक रहती थी। उन्हें चिंता रहती है कि ट्रैफिक नहीं रोका तो पुल से गुजरने वाले भारी वाहन से कुचलकर काल कवलित हो जाएंगे। हालांकि पिछले महीने के आखिरी सप्ताह में किसी को खरोंच तक नहीं आई थी। अब यह मत पूछिए, कैसे।

जो सोवत है सो खोवत है

यह कहावत तो आपने सुनी ही होगी। नहीं सुनी है, तो इस उदाहरण से समझ जाइएगा कि फ्लाईओवर का निर्माण करीब पांच माह पहले शुरू हुआ था। उससे पहले भी एक नक्शा प्रचारित हुआ, जिसमें बताया गया था कि पुल किस रास्ते से गुजरेगा। इसी रास्ते में एक बगीचा भी पड़ता है, लेकिन उसके माली को इस बात का पता तब चला, जब बगीचे में पिलर के लिए कुआंनुमा गड्ढे खोदे जाने लगे। जब उन्होंने देखा तो उनकी धड़कन तेज हो गई। मरता, क्या न करता... की तर्ज पर उछलकूद मचाने लगे। लेकिन, वे जहां-जहां गए, निराशा ही हाथ लगी। इसकी वजह साफ थी कि जिन-जिन के पास गुहार लगाने गए, उन्होंने ही पिलर लगाने का एनओसी महीनों पहले दिया था। थक-हार कर माली एक नए बगीचे की डिमांड करने लगे हैं। क्योंकि संस्था चलाने के लिए बगीचा बहुत जरूरी है।

जानें अपने अधिकार

इस देश में आम नागरिक से लेकर समाजसेवी तक सबसे ज्यादा इस बात की खोजबीन करते हैं कि उनके क्या-क्या अधिकार हैं। जब बात किसी जनप्रतिनिधि की होती है, तो इस बात का महत्व बढ़ जाता है, क्योंकि उन्हें आम जनता से कई गुना ज्यादा अधिकार मिलते हैं। जिसकी जितनी बड़ी कुर्सी, उतना ज्यादा अधिकार। ऐसे में नए-नए चुने गए जनप्रतिनिधि कुछ दिन तो इसी बात को जानने में समय बिता देते हैं कि उन्हें कौन-कौन से अधिकार हैं। इसके लिए वे संविधान, नियम-कानून या आचारसंहिता की पुस्तकें पढ़ने की जगह तथाकथित अनुभवी लोगों से शॉर्टकट सलाह ले लेते हैं। इन्हीं में किसी ने जनप्रतिनिधि को ऐसी सलाह दे दी और वह ऐसी जगह पहुंच गईं, जहां उन्हें घुसने का अधिकार नहीं था। बाकायदा, फोटो-वीडियो जारी होते ही कई सवाल खड़े गए हैं। अब विभागों के आला अधिकारी पूछ रहे हैं कि आप वहां कैसे चली गईं।

गाड़ी भरके लाएं लोग

कुछ ही दिनों बाद पंजा-दल का समागम होने वाला है। इसकी तैयारी जोर-शोर से चल रही है। इनके नए आका भी आकर मंत्र दे चुके हैं कि जब तक संख्या नहीं दिखाओगे, खाली नेतागिरी से कुछ नहीं होगा। पांच साल तक लॉलीपॉप के सिवा कुछ नहीं मिला था, आगे भी पांच साल तक हाथ मलते रह जाओगे। इसलिए कम से कम समागम में तो अपनी ताकत दिखाओ। इसके लिए आदेश जारी कर दिया गया है कि पंचायत से लेकर जिला स्तर तक के हर पदाधिकारी को कम से कम एक गाड़ी भरकर लोग भी लाने हैं। ऐसे में पदाधिकारी इस बात की चिंता में डूब गए हैं कि कौन सी गाड़ी ले जाएं, जिसमें न्यूनतम लोग समा जाएं। आपको हैरानी नहीं होनी चाहिए, ज्यादातर ने टोटो-ऑटो की सलाह दी है। हालांकि, इस पर नेताजी ने कहा कि प्रेस्टीज भी कोई चीज होती है कि नहीं।

फार्मासिस्टों को भी बनानी होगी बायोमीट्रिक हाजिरी

डॉ. मोंटू कुमार पटेल

JAMSHEDPUR : अब फामेर्सी के डिप्लोमा व डिग्री में अध्ययनरत छात्रों एवं शिक्षकों को आधारयुक्त बायोमीट्रिक हाजिरी बनानी होगी। यहीं नहीं दवा दुकानों में बैठने वाले फार्मासिस्टों को भी यह हाजिरी बनानी होगी। इससे फजीर्वाड़ा रूकेगा। एक फार्मासिस्ट दो जगह कार्य नहीं कर सकते। इस हाजिरी की निगरानी फामेर्सी काउंसिल ऑफ इंडिया करेगा। ये बातें रविवार को अर्का जैन यूनिवर्सिटी में आयोजित स्कूल ऑफ फामेर्सी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन के बाद फामेर्सी काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) के अध्यक्ष डॉ. मोंटू कुमार एम पटेल ने पत्रकारों से कहीं। उन्होंने बताया कि फार्मासिस्ट के छात्रों के स्किल डेवलपमेंट के लिए कई नए कोर्स प्रारंभ किए जा रहे हैं। इसमें एआई आधारित व मेडिसिन डिवाइस आधारित कोर्स भी शामिल हैं। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप कोर्स को ढाला जा रहा है। उन्होंने कहा कि वे बिहार-झारखंड के दौरे पर पहली बार आए हैं।

झारखंड में पीपीआर लागू : पीसीआइ के अध्यक्ष ने झारखंड में फामेर्सी प्रैक्टिस रेगुलेशंस (पीपीआर) स्वतः लागू है। उन्होंने कहा कि जब कोई भी नियम केंद्र बनाती है और राज्य उसे तीन साल तक अधिसूचित नहीं करती है, तो चौथे साल नियम स्वतः लागू हो जाता है। यही झारखंड की स्थिति है। यानी झारखंड में पीपीआर लागू है।

चार स्किल सेंटर की होगी स्थापना : डॉ. मोंटू कुमार एम. पटेल ने कहा कि फामेर्सी में डिप्लोमा एवं डिग्री के छात्रों के इंटर्नशिप के लिए देश के चार जोन में स्किल सेंटर की स्थापना का अनुमोदन प्राप्त हो गया है। ये कहां बनेंगे, अभी तय नहीं है। इसमें कुल 20 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इससे छात्रों को मदद मिलेगी। इसमें छात्रों को प्रशिक्षित भी किया जाएगा। कई तरह की तकनीकी जानकारी इस सेंटर में प्रदान की जाएगी।

दो मार्च से रमजान एक अप्रैल को ईद

JAMSHEDPUR : रमजान का पाक महीना शुरू हो रहा है। अगर अभी चल रहे इस्लामिक महीने शाबान की 29 तारीख को रमजान का चांद नजर आता है तो एक मार्च और अगर 30 तारीख को चांद नजर आता है, तो दो मार्च से रमजान शुरू हो जाएगा। इस तरह, अगर दो मार्च को रमजान शुरू होता है और ईद का चांद अगर 29 तारीख को हुआ तो ईद का त्योहार 31 मार्च को पड़ेगा। अगर ईद का चांद रमजान की 30 तारीख को दिखता है तो एक अप्रैल को ईद होगी। इस तरह, रमजान का चांद शाबान की 29 तारीख को यानि 28 फरवरी को देखा जाएगा। रमजान की तैयारी में जुटे लोग

जमशेदपुर के लोग रमजान की तैयारी में जुट गए हैं। इफ्तार और सहरी का इंतजाम किया जा रहा है। रमजान में लोगों की दिनचर्या बदल जाएगी। लोग सुबह सवेरे नमाज से पहले उठ जाएंगे और सहरी खाएंगे। सहरी में दूध, सूतफेनी, चाय आदि का नाश्ता किया जाता है। इसके बाद शाम को मगरिब की नमाज पढ़ने के बाद रोजा खोलेंगे। रोजा खोलने के समय को इफ्तार कहते हैं। इफ्तार में लोग फल आदि लेना पसंद करते हैं। कहा जा रहा है कि रमजान के दिनों में दूध और फल के दाम आसमान पर होंगे।

रमजान में इफ्तार व सहर का टाइम टेबल बांटा जा रहा है। यह टाइम टेबल विभिन्न संस्थाएं छपवा कर बांट रही हैं। वैसे आज कल डिजिटल युग में कई एप आ गए हैं जो रोजेदारों को इफ्तार और सहर का आनलाइन टाइम टेबल उपलब्ध है। इससे लोग इफ्तार और सहरी का सही समय जान सकते हैं।

बोड़ाम में बकरी चोरी के आरोप में पकड़े गए दो युवक, बाइक भी जब्त

ग्रामीणों ने मारपीट किए बिना पुलिस को सौंपा

PHOTON NEWS JSR: पूर्वी सिंहभूम जिले के चाकुलिया में जहां शुक्रवार की आधी रात को बकरी चोरी के आरोप में दो युवकों को पीट कर मार दिया, वहीं शनिवार की रात को जिले के बोड़ाम थाना क्षेत्र में बकरी चोरी करते पकड़े गए दो युवकों को ग्रामीणों ने पुलिस के हवाले कर दिया। बोटा गांव के ग्रामीणों ने दो आरोपियों को रंगेहाथ पकड़ लिया, जबकि उनके दो साथी फरार हो गए। इसके बाद ग्रामीणों ने बोड़ाम थाना प्रभारी को सूचित किया और दोनों आरोपियों को पुलिस के हवाले कर दिया।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों में उलीडीह, मानगो निवासी कार्तिक उरांव और उसका 17 वर्षीय नाबालिग साथी शामिल है। ग्रामीणों ने चोरी में प्रयुक्त एक स्पलेंडर बाइक भी पुलिस को सौंपा, जिस पर दोनों आरोपियों के सवार होने की जानकारी मिली। पुलिस का कहना है कि यह गिरोह मानगो क्षेत्र से करीब 1 बजे शनिवार की रात 2 बाइकों पर सवार होकर बोड़ाम थाना क्षेत्र के भुईयांसिनान गांव में बकरी चोरी करने आया था। यहां बाबूलाल मरांडी के घर से दो बकरियां चुराकर आरोपी फरार हो गए थे।

आसपास के लोगों को जब इसकी जानकारी मिली, तो वे अलर्ट हो गए। करीब एक घंटे बाद, वही गिरोह बोटा के महतो टोला में दूसरी चोरी करने पहुंचा। यहां गुरुचरण महतो के घर से दो बकरियां चुराई जा रही थीं, लेकिन ग्रामीणों ने दोनों को बाइक पर सवार होते हुए पकड़ लिया।

ग्रामीणों ने इस घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी, हालांकि कुछ आक्रोशित ग्रामीण आरोपियों की पिटाई करना चाहते थे, लेकिन उन्हें ऐसा करने से रोक लिया गया। ग्रामीणों ने जागरूकता का परिचय दिया और घटना के आरोपियों को पुलिस के हवाले कर दिया। बोड़ाम थाना प्रभारी मनोरंजन कुमार ने इस घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि दोनों आरोपियों को हिरासत में लिया गया है और उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी है। साथ ही, फरार अन्य दो आरोपियों की तलाश जारी है।

पुलिस द्वारा जब्त की गई बाइक • फोटोन न्यूज

सऊदी अरब में जमशेदपुर के युवक की मौत

JAMSHEDPUR : मानगो स्थित कबीर कॉलोनी के रहने वाले और कबीर मेमोरियल उर्दू स्कूल के पूर्व शिक्षक स्व. मुश्ताक अहमद के बेटे औसाफ अहमद (28) की सऊदी अरब में संदिग्ध हालात में मौत हो गई है। औसाफ का शव उनके कैंप से 15 किलोमीटर दूर मिला है। इस मामले में परिजन हत्या की आशंका जाहिर कर रहे हैं। मगर, पुलिस इसे आत्महत्या बता रही है। परिजनों ने सऊदी अरब की पुलिस से इस मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। औसाफ सऊदी अरब के अल-कासिम शहर में एक कंपनी में स्टोरकीपर था। परिजनों ने बताया कि उसने 21 फरवरी को सुबह में बात की थी, कहा था कि नमाज पढ़ने के बाद वह कॉल करेगा, लेकिन इसके बाद उनका कोई संपर्क नहीं हुआ।

मंत्री से की शिकायत, हिट एंड रन के पीड़ितों को नहीं मिल रहा मुआवजा

CHAIBASA : चाईबासा एवं अन्य मार्गों में जर्जर सड़क एवं गड्ढों के कारण आए दिन हो रही सड़क दुर्घटनाओं एवं हिट एंड रन के तहत पीड़ितों को मुआवजे की राशि नहीं मिल रही है। इसकी शिकायत सड़क सुरक्षा समिति के वरिष्ठ सदस्य अधिवक्ता राजाराम गुप्ता ने रविवार को परिवहन मंत्री दीपक बिरुवा से की। मंत्री के कार्यालय में हुई मुलाकात के दौरान गुप्ता ने मंत्री को बताया कि चाईबासा शहर से गुजरने वाले एनएच-75(ई) स्थित बड़ी बाजार डाउन मार्ग, गणेश मंदिर के समीप, एलआईसी कार्यालय के समीप (बगैर रेलिंग के खुले छोड़े गए गड्ढे) सदर अस्पताल के मुख्यद्वार के समीप के अलावा टुंगरी मार्ग पर गड्ढों के कारण आए दिन वाहन चालक गिर रहे हैं।

मंत्री दीपक बिरुवा को समस्या बताते राजाराम गुप्ता

कथा मंजरी में मनी निराला जयंती रीना गुप्ता की पुस्तक का हुआ विमोचन

JAMSHEDPUR : सिंहभूम जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन व तुलसी भवन द्वारा बिष्टुपुर स्थित संस्थान में रविवार को मासिक कथा मंजरी के साथ सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' की जयंती मनाई गई। इसी बीच रीना गुप्ता 'श्रुति' रचित पुस्तक' नवगीतों की झंकार' का विमोचन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता तुलसी भवन के न्यासी अरुण कुमार तिवारी व संचालन साहित्य समिति की रीना सिन्हा ने किया। निराला का साहित्यिक जीवन परिचय माधवी उपाध्याय ने विस्तार से प्रस्तुत किया। तत्पश्चात लोकार्पित पुस्तक पर पाठकीय प्रतिक्रिया प्रतिभा प्रसाद 'कुमकम' ने प्रस्तुत की। इससे पूर्व वसंत जमशेदपुरी ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की, जबकि स्वागत वक्तव्य तुलसी भवन के मानद महासचिव डॉ. प्रसेनजित तिवारी ने दिया। रचनाकार का परिचय डॉ. वीणा पांडेय 'भारती' व धन्यवाद ज्ञापन साहित्य समिति, तुलसी भवन के उपाध्यक्ष सुरेश चंद्र झा ने किया।

पुस्तक का अनावरण करते अतिथि

जैम एट स्ट्रीट में खूब दिखा उल्लास

टिनप्लेट से नीलडीह गोलचक्कर तक फनगेम में डूबे रहे शहरवासी

PHOTON NEWS JSR : टाटा स्टील यूआईएसएल (पूर्व नाम जुस्को) ने टाटा पावर, जोजोबेड़ा के सहयोग से रविवार को जैम एट स्ट्रीट के तीसरे संस्करण का आयोजन किया। इसमें बच्चों-युवाओं से लेकर बड़े-बुजुर्ग तक ने उल्लासपूर्वक भाग लिया। आयोजन सुबह 6:30 बजे से शुरू हुआ, जिसमें सभी लोग गीत-संगीत, फनगेम आदि में डूबे रहे। इस दौरान विभिन्न प्रकार की गतिविधियां आयोजित की गईं, जिनमें सभी आयु वर्ग के लिए बैडमिंटन, जुम्बा वर्कआउट, लाइव संगीत प्रदर्शन, बास्केटबॉल और कराटे प्रदर्शन, एडवेंचर स्पोर्ट्स, पेंटिंग गतिविधियां और अस्थायी टैटू स्टॉल भी आकर्षण के केंद्र बने। इसमें एक प्रमुख आकर्षण था जुम्बा डांस सत्र, जिसमें भाग लेने वालों ने अपनी ऊर्जा का पूरा इस्तेमाल किया और पूरे आयोजन में उत्साह का माहौल बनाए रखा।

कंपनी के अनुसार, आयोजन का मुख्य उद्देश्य स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 में जमशेदपुर को पहले स्थान पर लाने के लिए शहरवासियों से स्वच्छता के बारे में उनका फीडबैक लेना था। टाटा पावर ने इस कार्यक्रम के जरिए समुदाय को स्वच्छता, स्थिरता और ऊर्जा संरक्षण की दिशा में जागरूक करने की कोशिश की। अनोखा धागा स्टाल में सशक्त महिला कारीगरों द्वारा बनाए गए हस्तनिर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी थी। इस स्टॉल में वैनिटी बैग, कुशन और नाइटवेयर जैसे जूट उत्पादों को प्रदर्शित किया गया, जिनमें जमशेदपुर और ओडिशा के हस्तशिल्प शामिल थे। इसका उद्देश्य महिला सशक्तीकरण और आर्थिक स्वावलंबन को बढ़ावा देना था।

टाटा स्टील के आयोजन का आनंद उठाते बच्चे • फोटोन न्यूज

विधायक सरयू राय सहित कई भाजपा व जदयू नेताओं ने सुनाए अपने-अपने संस्मरण

याद किए गए जनसंघ काल के नेता सच्चिदानंद राय

PHOTON NEWS JSR : जनसंघ काल से भाजपा तक सक्रिय रहे सच्चिदानंद राय का 82 वर्ष की आयु में 8 फरवरी को निधन हो गया था। उनकी स्मृति में जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय ने रविवार को श्रद्धांजलि सभा का आयोजन कराया। बिष्टुपुर स्थित परमहंस लक्ष्मीनाथ गोस्वामी मंदिर के हॉल में हुए कार्यक्रम में सरयू राय ने सच्चिदानंद राय को कार्यकर्ताओं के लिए किसी भी अधिकारी से लोहा लेने के लिए आगे रहने वाला पार्टी का बेहद समर्पित कार्यकर्ता बताया। उन्होंने कहा कि सच्चिदानंद राय जैसे बेहद सीनियर लीडर की सीख हमें जीवन में जरूर उतारनी चाहिए। बेशक वे आक्रामक प्रवृति के थे, लेकिन उनके लिए सबसे पहले संगठन था। वह संगठन के लिए पूर्णतः समर्पित थे। सरयू राय ने कहा कि सच्चिदानंद जी के साथ उन्हें काम करने का अवसर प्राप्त हुआ। वैसे उनके साथ काम करने वालों की जमशेदपुर में लंबी फौज है। मेरा उनसे परिचय 1974 के छात्र आंदोलन के समय हुआ था। जब पटना में बैठक होती तो मेरी उनसे बराबर भेंट होती थी। सच्चिदानंद राय में जुझारूपन था। वह अपनी बात बहुत प्रखरता से रखते थे। कई बार विरोधाभास हो जाता था, लेकिन विरोध के बावजूद यदि कोई निर्णय पार्टी की बैठक में ले लिया जाता, तो उसे लागू करने में वह आगे रहते थे। सच्चिदानंद बाबू बेशक शहर में रहते थे, लेकिन उन्हें अपना गांव बहुत प्यारा था।

श्रद्धासुमन अर्पित करते विधायक सरयू राय • फोटोन न्यूज

दुर्भाग्य है कि जिन्होंने पार्टी को सींचा, उनकी चर्चा नहीं होती

भाजपा के जिला मंत्री **राजीव सिंह सिंह** ने कहा कि वह राजनीति में हैं, लेकिन उन्हें सच्चिदानंद राय जी के बारे में जानकारी नहीं थी। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिन नेताओं ने पार्टी को सींचा, उनके बारे में कभी चर्चा नहीं होती। भाजपा नेता **मेघलाल दूडू** ने बताया कि स्वर्गीय राय ने कार्यकताओं के लिए क्या-क्या किया। वरिष्ठ जदयू नेता **सुबोध श्रीवास्तव** ने कहा कि पुराने दौर में कार्यकताओं को पार्टी की पूंजी माना जाता था। जब किसी कार्यकर्ता पर अत्याचार होता था तब पूरा संगठन लड़ने-भिड़ने को तैयार रहता था। उन्होंने गोलुमरी केबुल टाउन में कई वर्ष पहले पुलिस के साथ हुए टकराव का वाकया भी साझा किया। भाजपा नेता **हरेंद्र पांडेय** ने कहा कि आज के नौजवानों को राजनीति करनी है तो मेहनत करें, गणेश परिक्रमा नहीं। सांसद प्रतिनिधि **चितरंजन वर्मा** ने सच्चिदानंद राय के साथ संगठन को गढने के लिए किए गए कार्यों को साझा किया और बताया कि ऐसे संगठन के सिपाही विरले ही मिलते हैं। वरीय भाजपा नेता **रामनारायण शर्मा** ने कहा कि आज संगठन पर कब्जा करने की मानसिकता हावी है। सरयू राय भले भाजपा में नहीं हैं, लेकिन उन्होंने सदैव भाजपा के ऐसे तमाम पुराने नेताओं का मान बढ़ाने का काम किया है। जमशेदपुर पूर्वी के लक्ष्मीनगर में स्थापित पूर्व विधायक दीनानाथ पांडेय का स्मारक इसका स्पष्ट उदाहरण है।

इन्होंने भी अर्पित किए श्रद्धासुमन

इससे पूर्व उपस्थित लोगों ने सच्चिदानंद राय के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित करने वालों में भाजपा नेता सतीश मिश्रा, धनुर्धारी सिंह, संजीव आचार्या, कुलविंदर सिंह पन्नू, ब्रजेश राय, झारखंड सैनिक संघ के पूर्व अध्यक्ष बिजय बहादुर सिंह, अवधेश्वर ठाकुर, मुकुल मिश्रा, धर्मेंद्र प्रसाद, नित्यानंद सिन्हा, अमरेंद्र पासवान, चंद्रमा पांडेय, अमित शर्मा, निर्मल सिंह, आकाश शाह, प्रकाश कोया, सुररंजन राय, दुर्गा राव, अमृता मिश्रा, अमरेश राय, गोल्डन पांडेय, सुनीता सिंह, प्रतिभा सिंह, राकेश पांडेय, मुकेश शर्मा, कन्हैया ओझा, शंकर रेड्डी, असीम पाठक आदि भी शामिल थे।

साल में सिर्फ एक बार खिलने वाला ये फूल बदल सकता है आपकी किस्मत

हिंदू धर्म में कई पेड़-पौधे पवित्र और पूजनीय माने जाते हैं. ऐसे पौधों में तुलसी, केला, एलोवेरा आदि शामिल हैं. हालांकि, बहुत कम लोग जानते हैं कि एलोवेरा का भी फूल भी होता है और ज्योतिष शास्त्र में एलोवेरा के पौधे और उसके फूल का बहुत महत्व है. आपको बता दें कि एलोवेरा के फूलों का खिलना बेहद सौभाग्यशाली माना जाता है.

एलोवेरा के फूल केवल अनुकूल मौसम की स्थिति में ही खिलते हैं. यदि आप चाहते हैं कि आपके घर में एलोवेरा के फूल खिले, तो इसे ऐसे स्थान पर उगाएं जहां पर्याप्त धूप मिले. इन पौधों और फूलों को सूर्य की रोशनी की बहुत आवश्यकता होती है. इसलिए इसे छायादार स्थानों पर नहीं रखना चाहिए. एलोवेरा के पौधे घर के अंदर भी उगाए जा सकते हैं. लेकिन, इनके घर के अंदर उगने वाले एलोवेरा में फूलों की तरह खिलने की संभावना नहीं होती है.

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार एलोवेरा के पौधे और उसके फूलों में भी कई गुण होते हैं. स्वास्थ्य लाभ के साथ-साथ आध्यात्मिक लाभ भी इससे मिलता है. आध्यात्मिक दृष्टि से ये फूल बहुत महत्वपूर्ण हैं. यदि एलोवेरा का पौधा नारंगी या लाल फूलों के साथ खिलता है तो इसे शुभ संकेत माना जाता है.

एलोवेरा के पौधों के कई स्वास्थ्य लाभ हैं. ये त्वचा और बालों के लिए अच्छे हैं. एलोवेरा जेल एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है. इसका उपयोग मधुमेह और पाचन समस्याओं सहित कई बीमारियों के इलाज के लिए दवा के रूप में किया जाता है. एलोवेरा के फूलों का उपयोग हर्बल चाय बनाने के लिए किया जाता है.

एलोवेरा जेल अपने अनेक गुणों के लिए प्रसिद्ध है. एलोवेरा को कई घरों में पारंपरिक औषधि माना जाता है और इससे संबंधित नुस्खे एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक साझा किए जाते हैं. इसमें कोई संदेह नहीं है कि एलोवेरा जेल विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर है, जो एक उपचार एजेंट के रूप में कार्य करता है. इसके अतिरिक्त, एलोवेरा जेल में पानी की मात्रा अधिक होती है, जो इसे हाइड्रेटर बनाती है.

ज्योतिषाचार्य राहुल डे का कहना है कि एलोवेरा के फूल में धन को आकर्षित करने की क्षमता होती है. इससे परिवार में सुख-समृद्धि आती है. परिवार के सदस्य प्रेम से भरे हुए हैं. जिनके घर में एलोवेरा का फूल उगता है उनकी आर्थिक समस्याएं दूर हो जाती हैं. क्योंकि इस फूल में धन को आकर्षित करने की प्रबल क्षमता होती है.

बता दें, हर एलोवेरा का पौधा खिलता नहीं है. एलोवेरा के पौधे तभी खिलते हैं जब उनकी अच्छी देखभाल की जाती है. आर्थिक लाभ के लिए एलोवेरा के फूलों को लाल कपड़े में लपेटकर अपने पूजा घर या जहां भी आप पैसे रखते हैं वहां रख दें. इससे आपकी वित्तीय स्थिति बेहतर होगी.

इस साल महाशिवरात्रि पर 60 साल बाद बनने जा रहा है दुर्लभ संयोग

विज्ञान हजारों वर्षों से शिव के अस्तित्व को समझने का प्रयास कर रहा है. जब भौतिकता का मोह समाप्त हो जाता है और ऐसी स्थिति आ जाती है कि इंद्रियां भी बेकार हो जाती हैं, उस स्थिति में शून्यता आकार ले लेती है और जब शून्यता भी अस्तित्वहीन हो जाती है तब वहां शिव प्रकट होते हैं. शिव शून्य से परे हैं, जब व्यक्ति भौतिक जीवन को त्यागकर सच्चे मन से ध्यान करता है तो शिव की प्राप्ति होती है. महाशिवरात्रि शिव के एक-आयामी और अलौकिक रूप को हर्षोल्लास के साथ मनाने का त्योहार है.

भगवान शिव से जुड़ी कुछ मान्यताएं बेहद प्रचलित

ज्योतिषाचार्य डॉ. अनीष व्यास ने बताया कि महाशिवरात्रि हिंदुओं का एक धार्मिक त्योहार है, जिसे हिंदू धर्म के प्रमुख देवता महादेव यानी भगवान शिव के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है. महाशिवरात्रि का त्योहार फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को मनाया जाता है. इस दिन शिव भक्त और शिव में आस्था रखने वाले लोग व्रत रखते हैं और विशेष रूप से भगवान शिव की पूजा करते हैं. महाशिवरात्रि को लेकर भगवान शिव से जुड़ी कुछ मान्यताएं बहुत ज्यादा प्रचलित हैं. माना जाता है कि इस खास दिन पर भगवान शंकर आधी रात को ब्रह्मा के रुद्र रूप में अवतरित हुए थे.

तांडव और विवाह से जुड़ी मान्यताएं

ऐसी भी मान्यता है कि इस दिन भगवान शिव ने तांडव कर अपनी तीसरी आंख खोली थी और इसी आंख की ज्वाला से ब्रह्मांड को नष्ट कर दिया था. इसके अलावा कई जगहों पर इस दिन को भगवान शिव के विवाह से भी जोड़ा जाता है और माना जाता है कि इस पावन दिन भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह हुआ था.

वैसे तो हर महीने में शिवरात्रि होती है, लेकिन फाल्गुन मास की कृष्ण चतुर्दशी को आने वाली इस शिवरात्रि का बहुत महत्व है, इसलिए इसे महाशिवरात्रि कहा जाता है. दरअसल महाशिवरात्रि भगवान भोलेनाथ की पूजा का पर्व है, जब धार्मिक लोग विधि-विधान से महादेव की पूजा करते हैं और उनसे आशीर्वाद प्राप्त करते हैं. इस दिन शिव मंदिरों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुटते हैं, जो शिव के दर्शन और पूजन कर खुद को सौभाग्यशाली मानते हैं.

इस पवित्र वस्तुओं से करें भगवान शिव का अभिषेक

महाशिवरात्रि के दिन शिव की पूजा-अर्चना कर उनका विभिन्न पवित्र वस्तुओं से अभिषेक किया जाता है और बिल्वपत्र, धतूरा, अबीर, गुलाल, बेर, उम्बी आदि चढ़ाए जाते हैं. भगवान शिव को भांग बहुत प्रिय है, इसलिए कई लोग उन्हें भांग भी चढ़ाते हैं. पूरे दिन व्रत और पूजा करने के बाद शाम को फलाहार किया जाता है. महाशिवरात्रि को भगवान शिव की पूजा करने का सबसे बड़ा दिन माना जाता है. कहा जाता है कि अगर इस दिन भोले को प्रसन्न कर लिया जाए तो आपके सारे काम सफल होते हैं और सुख-समृद्धि आती है. भोले के भक्त शिवरात्रि के दिन कई तरह से भगवान शिव की पूजा करते हैं. शिव को प्रसन्न करने के लिए शिव मंदिरों में भक्तों की भीड़ लगती है, जो बेलपत्र और जल चढ़ाकर शिव का गुणगान करते हैं.

60 साल बाद महाशिवरात्रि बनने जा रहा है दुर्लभ संयोग

हर साल यह पर्व फाल्गुन माह में कृष्ण पक्ष चतुर्दशी तिथि को मनाया जाता है. हिन्दू पंचांग के अनुसार, इस साल महाशिवरात्रि 26 फरवरी को मनाई जाएगी. महाशिवरात्रि फाल्गुन मास की चतुर्दशी तिथि 26 फरवरी, 2025 को सुबह 11:08 बजे से शुरू हो रही है और 27 फरवरी, 2025 को सुबह 08:54 बजे तक रहेगी. साल 2025 में महाशिवरात्रि के दिन एक दुर्लभ संयोग बनने जा रहा है. इस दिन कुंभ राशि में तीन ग्रहों की युति होगी. दरअसल, इस दिन कुंभ राशि में सूर्य, बुध और शनि एक साथ रहेंगे. साल 1965 में महाशिवरात्रि के दिन ऐसा ही संयोग बना था. इसके साथ ही 60 साल पहले महाशिवरात्रि के दिन चंद्रमा मकर राशि में था, इस बार भी चंद्रमा मकर राशि में रहेगा. इस दुर्लभ संयोग पर महाशिवरात्रि का आना बेहद खास माना जा रहा है.

महाशिवरात्रि के पावन अवसर इस तरह भोलेनाथ की कृपा पा सकते हैं.

शास्त्रों में कहा गया है कि इस दिन ज्योतिषीय उपाय करने से आपकी सभी परेशानियां समाप्त हो सकती हैं. महाशिवरात्रि के दिन महादेव और पार्वती की पूजा शुभ मुहूर्त में ही करनी चाहिए, तभी इसका फल मिलता है. इस दिन का हर पल अत्यंत शुभ होता है. इस दिन व्रत रखने से अविवाहित लड़कियों को मनचाहा पति मिलता है और विवाहित महिलाओं का वैधव्य दोष भी नष्ट होता है.

महाशिवरात्रि पर शिवलिंग की पूजा करने से कुंडली के नौ ग्रह दोष शांत होते हैं, खासकर चंद्रमा से होने वाले दोष जैसे मानसिक अशांति, माता के सुख और स्वास्थ्य में कमी, मित्रों से संबंध, मकान-वाहन के सुख में देरी, हृदय रोग, नेत्र विकार, चर्म-कुष्ठ रोग, सर्दी-खांसी, दमा रोग, खांसी-निमोनिया संबंधी रोग ठीक होते हैं और समाज में मान-सम्मान बढ़ता है.

शिवलिंग पर बेलपत्र चढ़ाने से व्यापार में उन्नति होती है और सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ती है. भांग चढ़ाने से घर में अशांति, भूत बाधा और चिंताएं दूर होती हैं. मंदार पुष्प से नेत्र और हृदय रोग दूर रहते हैं.

शिवलिंग पर धतूरे के पुष्प और फल चढ़ाने से औषधियों और विषैले जीवों का खतरा समाप्त होता है. शमीपत्र चढ़ाने से शनि की साढ़ेसाती, मारकेश और अशुभ ग्रह गोचर से हानि नहीं होती. इसलिए श्री महाशिवरात्रि के प्रत्येक क्षण का सदुपयोग करें और शिव कृपा से तीनों प्रकार के कष्टों से मुक्ति पाएं.

ऐसे करें भगवान शिव की पूजा

महाशिवरात्रि पूजा विधि: शिवपुराण के अनुसार, भक्त को सुबह उठकर स्नान करके संध्या के नित्य कर्म से निवृत्त होकर माथे पर भस्म का तिलक लगाना चाहिए और गले में रुद्राक्ष की माला पहननी चाहिए, शिव मंदिर में जाकर शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए और शिव को नमस्कार करना चाहिए. इसके बाद इस प्रकार भक्ति भाव से व्रत का संकल्प लेना चाहिए.

हल्दी का तिलक: शिवरात्रि पर भक्त मंदिर में भगवान शिव को हल्दी से तिलक लगाते हैं. वैसे भी हल्दी का प्रयोग लगभग हर धार्मिक कार्य में किया जाता है. लेकिन भगवान शिव को हल्दी नहीं चढ़ाई जाती. इसका कारण यह है कि हल्दी स्त्री प्रसाधन है और शास्त्रों के अनुसार शिवलिंग पुरुषत्व का प्रतीक है.

लाल फूल: आपने देखा होगा कि शिवरात्रि पर मंदिरों के बाहर खूब फूल बिकते हैं. लेकिन क्या आपने गौर किया है कि इन फूलों में लाल फूल नहीं होते. ज्यादातर गेंदा ही दिखाई देता है. ऐसा इसलिए क्योंकि भगवान शिव को लाल फूल नहीं चढ़ाए जाते. कहा जाता है कि सफेद फूल चढ़ाने से भगवान शिव जल्दी प्रसन्न होते हैं.

सिंदूर या कुमकुम: महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए सिंदूर या कुमकुम लगाती हैं. ऐसा कहा जाता है कि भगवान शिव को विघ्नहर्ता के रूप में जाना जाता है, इसलिए शिवलिंग पर सिंदूर या कुमकुम नहीं चढ़ाना चाहिए. इसके बजाय आप चंदन का इस्तेमाल कर सकते हैं. तांबे का लोटा: इस बार जब आप भगवान शिव को जल चढ़ाने जाएं तो तांबे या पीतल के लोटे का ही इस्तेमाल करें, स्टील या लोहे के लोटे का नहीं.

शंख बजाना शुभ: हिंदू धर्म में शंख को बहुत पवित्र माना जाता है. हर पूजा में इसे बजाना और इससे लोगों को जल देना बहुत शुभ माना जाता है. लेकिन ऐसा कहा जाता है कि शंख से शिवलिंग पर जल नहीं चढ़ाना चाहिए. ऐसा करना वर्जित माना जाता है.

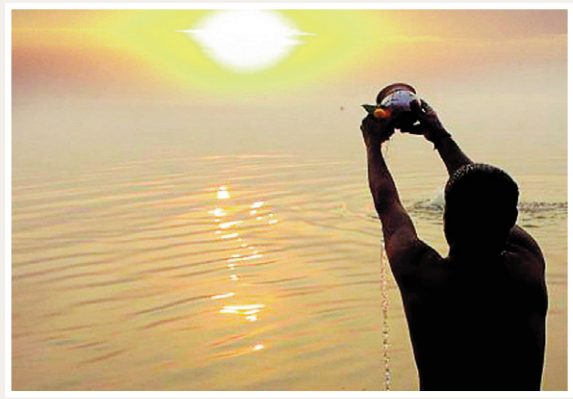

सूर्य को अर्घ्य देते समय जल में डालें ये चीज, सोने जैसा चमक उठेगा भाग्य, मिलेगी तरक्की!

सनातन धर्म में सूर्य देव को प्रत्यक्ष देवता माना जाता है। वे जीवन के ऊर्जा स्रोत हैं और उनकी आराधना का विशेष महत्व है. माना जाता है कि सूर्य देव की नियमित पूजा करने से व्यक्ति को तेज, यश और सफलता की प्राप्ति होती है. सूर्य को जल अर्पित करना एक प्राचीन और शक्तिशाली उपाय है, जो व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने में मदद करता है.

लेकिन क्या आप जानते हैं कि सूर्य को जल देते समय यदि आप एक विशेष चीज़ को लोटे में डालकर अर्पित करें, तो आपका भाग्य सोने की तरह चमक उठेगा और आपको हर काम में तरक्की मिलेगी? आइए जानते हैं दिल्ली के मशहूर ज्योतिषाचार्य आशुतोष शर्मा से वो चमत्कारी चीज़ क्या है और इसे जल में डालने का सही तरीका क्या है

वो चमत्कारी चीज है: लाल चंदन

लाल चंदन को हिंदू धर्म में बहुत पवित्र माना जाता है. यह सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत है और इसे समृद्धि और सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है. ऐसा माना जाता है कि लाल चंदन सूर्य देव को अत्यंत प्रिय है.

लाल चंदन डालकर सूर्य को जल अर्पित करने के फायदे

भाग्य में वृद्धि: लाल चंदन को जल में डालकर सूर्य को अर्पित करने से भाग्य चमक उठता है और दुर्भाग्य दूर होता है.

सफलता और तरक्की: यह उपाय आपको हर क्षेत्र में सफलता दिलाता है और आपके करियर में तरक्की के नए रास्ते खुलते हैं.

मान-सम्मान में वृद्धि: लाल चंदन यश, कीर्ति और मान-सम्मान का प्रतीक है. इसे जल में डालकर सूर्य को अर्पित करने से समाज में आपका सम्मान बढ़ता है.

नकारात्मक ऊर्जा का नाश: लाल चंदन नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने में सहायक होता है. इसे जल में डालकर सूर्य को अर्पित करने से आपके आसपास का वातावरण शुद्ध होता है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है.

आर्थिक समृद्धि: लाल चंदन धन और समृद्धि को आकर्षित करता है. इस उपाय को करने से आर्थिक परेशानियां दूर होती हैं और धन लाभ के योग बनते हैं.

सूर्य को जल अर्पित करने का सही तरीका

ब्रह्म मुहूर्त में उठें: सूर्योदय से पहले उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें.

तांबे का लोटा लें: जल अर्पित करने के लिए तांबे का लोटा सबसे उत्तम माना जाता है.

जल में लाल चंदन मिलाएं: लोटे में शुद्ध जल भरें और उसमें चुटकी भर लाल चंदन पाउडर मिलाएं.

सूर्य की ओर मुख करें: पूर्व दिशा की ओर मुख करके सूर्य देव को प्रणाम करें.

जल अर्पित करें: लोटे से धीरे-धीरे जल अर्पित करें और ॐ? सूर्याय नम:ॐ मंत्र का जाप करें.

अर्पित करते समय ध्यान रखें: जल की धारा आपके पैरों पर न गिरे.

प्रार्थना करें: सूर्य देव से अपने जीवन में सुख, समृद्धि और सफलता की प्रार्थना करें.

कुछ अन्य महत्वपूर्ण बातें

इस उपाय को नियमित रूप से करें.

श्रद्धा और विश्वास के साथ जल अर्पित करें.

तामसिक भोजन और नकारात्मक विचारों से दूर रहें.

मंगलवार को जरूर करें ये 3 काम, जीवनभर बनी रहेगी हनुमानजी की कृपा

हिंदू धर्म में सप्ताह के सातों दिन किसी न किसी देवी-देवता को समर्पित हैं. मंगलवार का दिन भगवान हनुमान की पूजा के लिए समर्पित है. कहा जाता है कि इस दिन जो व्यक्ति वज्रांगबली की पूजा करता है और उनका स्मरण करता है, उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं. इससे सभी कष्टों और आर्थिक तंगी से भी राहत मिलती है.

यदि आप लगातार किसी न किसी समस्या में फंसे रहते हैं. अगर आप जिस काम को शुरू करने की सोच रहे हैं उसमें आपको नुकसान हो रहा है, तो आपको मंगलवार के दिन हनुमान जी की पूजा से जुड़े कुछ उपाय जरूर करने की सलाह दी जाती है. ज्योतिषाचार्य के मुताबिक ऐसा करने से आपकी समस्या दूर हो सकती है.

ज्योतिष शास्त्र में मंगल ग्रह को बहुत सख्त बताया गया है. यदि कुंडली में मंगल की स्थिति शुभ हो तो जीवन में सकारात्मकता बनी रहती है और सुख-शांति और आर्थिक समस्याओं से मुक्ति मिलती है. लेकिन, यदि कुंडली में मंगल की स्थिति शुभ न हो तो जिंदगी में कई वजहों से समस्याएं आती रहती है. ऐसे में कुंडली में मंगल को मजबूत करने के लिए ज्योतिष शास्त्र में कुछ उपाय और युक्तियां बताई गई हैं. मंगलवार को सूर्यास्त के बाद एक इलायची, पांच लौंग और एक कपूर का टुकड़ा एक साथ लेकर इन्हें एक पात्र में रखकर जलाएं और पूरे घर में इसका धुंआ फैलाएं. पूरे घर में धुंआ फैलाते हुए %? हं हनुमते नम:% मंत्र का ग्यारह बार जाप जरूर करें. आप धुंआ दिखने के बाद भी इस मंत्र का जाप कर सकते हैं. इसके साथ ही आपके मन में जो भी इच्छा हो उसे व्यक्त करें. इसके बाद जली हुए राख को पानी में डालकर किसी भी गमले या फूल की कियारी में डाल दें. ऐसा लगातार तीन मंगलवार को करने से आपको बहुत अच्छे लाभ मिलेंगे.

बता दें, मंगलवार का दिन बजरंगबली की पूजा के लिए भी शुभ माना जाता है, अगर आपका प्रमोशन लंबे समय से रुका हुआ है या सैलरी नहीं बढ़ी है तो आप लड्डू दान करके भगवान हनुमान को प्रसन्न कर सकते हैं. मंगलवार के दिन हनुमान जी को प्रिय बेसन के लड्डू दान करने से आपके जीवन में अच्छे दिन आ सकते हैं. आप चाहें तो हर मंगलवार को हनुमान मंदिर जाकर उनके दर्शन कर सकते हैं.

विकसित हो भीड़ नियंत्रण का प्रभावी तंत्र

रमेश सर्राफ धमोरा

देश में भगदड़ में मरने वालों की सूची बहुत लंबी है। सभी को पता है कि जहां बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ एकत्रित होगी वहां कभी भी भगदड़ मचने की स्थिति पैदा हो सकती है। मगर अभी तक ऐसी कोई व्यवस्था नहीं बन पाई है जिससे भगदड़ की स्थिति ही उत्पन्न नहीं होने पाए। सरकारी भी भगदड़ होने के बाद उसको रोकने के ढोल पीट कर कुछ समय बाद शांत बैठ जाती है। मगर ऐसा कोई स्थाई तंत्र विकसित नहीं किया जाता है। जिससे भगदड़ की स्थिति होने से पहले ही सुरक्षा कर्मियों को अलर्ट मिले और वह उन पर नियंत्रण कर सके।

देश में हम आए दिन भीड़ में भगदड़ मचने से कई लोगों के मरने की खबरें पढ़ते रहते हैं। हाल ही में महाकुंभ स्नान के दौरान प्रयागराज में भीड़ में भगदड़ के चलते 37 लोगों को जान गंवानी पड़ी थी। इस घटना के कुछ दिनों बाद ही नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर महाकुंभ जाने वालों की भीड़ में अचानक भगदड़ मचने से 18 लोगों की मौत हो गई थी। यह दोनों ही दुर्घटना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण व दुखद है।

देश में भगदड़ में मरने वालों की सूची बहुत लंबी है। सभी को पता है कि जहां बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ एकत्रित होगी वहां कभी भी भगदड़ मचने की स्थिति पैदा हो सकती है। मगर अभी तक ऐसी कोई व्यवस्था नहीं बन पाई है जिससे भगदड़ की स्थिति ही उत्पन्न नहीं होने पाए। सरकारी भी भगदड़ होने के बाद उसको रोकने के ढोल पीट कर कुछ समय बाद शांत बैठ जाती है। मगर ऐसा कोई स्थाई तंत्र विकसित नहीं किया जाता है। जिससे भगदड़ की स्थिति होने से पहले ही सुरक्षा कर्मियों को अलर्ट मिले और वह उन पर नियंत्रण कर सके।

भगदड़ भीड़ प्रबंधन की असफलता की स्थिति में पैदा हुई मानव निर्मित आपदा है। भगदड़ प्रायः भीड़ भरे इलाको में किसी अफवाह के कारण भी पैदा हो सकती है। इसके अलावा प्राकृतिक आपदाएं एवं प्रशासनिक अव्यवस्था के कारण भी यह आपदा पैदा होती है। इसमें संपत्ति से अधिक जान की क्षति होने की संभावना रहती है। भीड़ दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों के वैश्विक डेटाबेस के मुताबिक सन 2000 के बाद से भारत में 50 से ज्यादा विनाशकारी सामूहिक समारोहों में दो हजार से ज्यादा लोगों की जान चली गई है। इन दुर्घटना को देखते हुए प्रभावी भीड़ प्रबंधन तंत्र विकसित करने की बहुत जरूरत महसूस की जा रही है। खासकर कुंभ जैसे बड़े आयोजनों में इसकी काफी जरूरत महसूस होती है।

भगदड़ बेहद खतरनाक और घातक स्थिति होती है। किसी भी जगह पर जब भीड़ उसकी क्षमता से अधिक हो जाती है और लोगों के पास निकलने का रास्ता नहीं होता है। भीड़ की वजह से लोगों को पैर रखने की जगह नहीं मिलती है। ऐसी स्थिति में किसी तरह की अफवाह या दुर्घटना होने पर भीड़ बेकाबू हो जाती है। इसे भीड़ में हलचल भी कहा जाता है। इसकी वजह से ही भगदड़ की स्थिति बनती है।

इसी तरह भीड़ में हलचल का मतलब भीड़ का बेतरतीब तरीके से एक से ज्यादा दिशाओं में एक ही समय में आगे बढ़ना है। ऐसे में लोगों को चलने के लिए जगह कम होती है वो एक-दूसरे के बीच दब जाते हैं। जब लोग एक-दूसरे से बहुत नजदीक होते हैं तो ह्यफोर्सेज का ट्रांसमिशनह्ल यानी बल का संचरण हो सकता है। इस फोर्स ट्रांसमिशन को आपने भी कभी न कभी तब महसूस किया होगा जब आप एक बहुत भीड़-भाड़ वाली किसी लाइन में खड़े हुए होंगे। जब पीछे से अचानक धक्का लगता है तो व्यक्ति खुद भी उस धक्के को अपने से आगे खड़े व्यक्ति को ट्रांसफर कर देते हैं। ऐसे में अपना संतुलन बनाए रखना और अपने पैरों पर खड़े रहना लोगों के लिए बहुत मुश्किल हो जाता है।

ये पहली बार नहीं था जब किसी धार्मिक कार्यक्रम के दौरान भगदड़ मची हो। इसके पहले भी समय-समय पर भगदड़ मचने की खबरें सामने आती रही हैं। इन घटनाओं में कई लोगों की जान भी चली गई। 27 अगस्त 2003 महाराष्ट्र के नासिक जिले में कुंभ मेले में स्नान के दौरान भगदड़ मचने से 39 लोगों की मौत हो गई थी। 25 जनवरी 2005 को महाराष्ट्र के सतारा जिले में मंधारदेवी मंदिर में भगदड़ मच गई थी। जिसमें 340 से ज्यादा श्रद्धालु कुचले गए थे। 3 अगस्त 2008 हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में नैना देवी मंदिर में मची भगदड़ में 162 लोगों की मौत हो गई थी। 30 सितंबर 2008 राजस्थान के जोधपुर शहर में चामुंडा देवी मंदिर में मची भगदड़ में लगभग 250 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। 4 मार्च 2010 को उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में कृपालु महाराज के राम जानकी मंदिर में भगदड़ में 63 लोगों की मौत हो गई थी.।14 जनवरी 2011 को केरल के इडुक्की जिले के पुलमेडु में सबरीमाला मंदिर में एक जीप की टक्कर से मची भगदड़ में 104 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। 8 नवंबर 2011 को हरिद्वार में गंगा नदी के किनारे हर की पौड़ी घाट पर मची भगदड़ में लगभग 20 लोगों की मौत हो गई थी। 19 नवंबर 2012 को पटना में गंगा नदी पर छठ पूजा के दौरान एक अस्थायी पुल के ढह जाने से भगदड़ मच गई थी जिसमें 20 लोगों की मौत हो गयी थी।

13 अक्टूबर 2013 मध्य प्रदेश के दतिया जिले में रतनगढ़ मंदिर के पास नवरात्रि के जश्न के दौरान भगदड़ मचने से 115 लोगों ने अपनी जान गंवाई थी। 3 अक्टूबर 2014 को दशहरे का जश्न समाप्त होने के तुरंत बाद पटना के गांधी मैदान में भगदड़ मच गई जिसमें 32 लोगों की मौत हो गई थी। 14 जुलाई 2015 को आंध्र प्रदेश के राजमुंदरी में पुष्करम उत्सव के पहले दिन गोदावरी नदी के तट पर भगदड़ मचने से 27 लोगों ने अपनी जान गंवा दी थी। 1 जनवरी 2022 को जम्मू-कश्मीर में माता वैष्णो देवी मंदिर में भगदड़ मचने से 12 लोगों की मौत हो गई थी। 31 मार्च 2023 को इंदौर शहर के एक मंदिर में रामनवमी के मौके पर एक प्राचीन बावड़ी के ऊपर बनी स्लैब के ढह जाने से 36 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी।

इसी तरह रेलवे स्टेशनों पर भी भगदड़ के कारण कई बड़ी दुर्घटना हो चुकी है। 28 सितंबर 2002 को लखनऊ में बसपा की रैली से वापस घर लौटते समय ट्रेन की छत पर चढ़ने से चार लोगों की करंट लगने से मौत हो गई थी। 13 नवंबर 2004 को नई दिल्ली स्टेशन पर छठ पूजा के दौरान बिहार जाने वाले ट्रेन का प्लेटफार्म अचानक बदलने से दूसरे प्लेटफार्म पर जाने के लिए ओवरब्रिज पर मची भगदड़ में चार यात्रियों की मौत हुई थी। 03 अक्टूबर 2007 को मुगल सराय जंक्शन पर भगदड़ मचने के कारण 14 महिलाओं की मौत हो गई थी। 10 फरवरी 2013 को इलाहाबाद में कुंभ मेला के दौरान रेलवे जंक्शन पर भगदड़ मचने से 38 लोगों की मौत हो गई थी। 29 सितंबर 2017 के दिन मुंबई के एलफिंस्टन रेलवे स्टेशन में बने फुटओवर ब्रिज पर भगदड़ मचने के कारण 22 लोगों की मौत हुई थी। हमारे देश में आए दिन जगह-जगह बड़े-बड़े धार्मिक, सामाजिक, राजनीतिक व अन्य कई प्रकार के आयोजन होते रहते हैं। जिनमें हजारों-लाखों लोग शामिल होते हैं। ऐसे ही कार्यक्रमों में जरा सी लापरवाही भगदड़ का कारण बन सकती है। ऐसे में यदि कार्यक्रम के आयोजक सावधानी बरतते हुए भीड़ नियंत्रण के पुख्ता इंतजाम करें तभी किसी तरह की दुर्घटना होने से बचा जा सकता है। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन व प्रयागराज के महाकुंभ में भी जो भगदड़ की स्थिति पैदा हुई है उसमें प्रशासनिक चूक रही है। एक स्थान पर अधिक भीड़ इकट्ठी होने पर यदि प्रशासन के अधिकारी सतर्कता बढ़ाते तो ऐसी दुर्घटनाओं को टाला जा सकता था। आगे भी सरकार को चाहिए कि ऐसे किसी भी बड़े आयोजनों के लिए और अधिक पुख्ता व्यवस्था करें। देश में आपदा राहत बल को भी अधिक सशक्त किया जाये ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचा जा सके।

संपादकीय

इंफ्रास्ट्रक्चर पर जोर

उप्र की योगी सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए आठ लाख करोड़. का सबसे बड़ा बजट पेश किया। इसकी खासियत इंफ्रास्ट्रक्चर, गरीब, युवाङ्क किसान, महिलाएं, धार्मिक पर्यटन रहा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में वित्तमंत्री सुरेश खन्ना ने पर्यटन स्थलों के लिए 400 करोड़.रुपये प्रस्तावित किए। अयोध्या व मथुरा के लिए क्रमशः 150-125 करोड़.रुपये तथा नैमीषारण्य के लिए सौ करोड़.की व्यवस्था प्रस्तावित है। मलिन बस्तियों के विकास के लिए 400 करोड़.व अर्बन फ्लड़ स्टार्म वाटर ड्रेनेज योजना को हजार करोड़, स्मार्ट सिटी योजना को 450 करोड़, बेसहारा पशुओं के आश्रय के लिए 450 करोड़.रुपये का ऐलान किया। देश के अन्य राज्यों की खुद के कर प्राप्तियों में उप्र का अंश 2024-25 में 11.6प्र. रहा, जो महाराष्ट्र के बाद सर्वाधिक है। चूंकि जनवरी 24 से दिसम्बर 24 के दरम्यान राज्य में 65 करोड़.से ज्यादा पर्यटक आए। जिनमें विदेशी पर्यटकों की संख्या 14 लाख बताई जा रही है। इसी माह केवल महाकुंभ के दौरान प्रयागराज आने वालों की संख्या 54 करोड़. आंकी जा रही है। इस सबसे सरकार को होने प्राप्त वाले जीएसटी, राजस्व व अन्य करों का सहज अंदाजा लगाया जा सकता है। मंदिरों को चढने वाले चढावे में राम मंदिर तीसरे स्थान पर आ चुका है। ऊर्जा, लिंक-एक्सप्रेस-वे, सड़कों व पुलों के निर्माण के लिए बजट में विशेष प्रावधान करने के पीछे सरकार की मंशा आम नागरिक को प्रभावित करने की भी है। हालांकि कृत्रिम मेधा व साइबर सुरक्षा को 5 व 3 करोड़.रुपये देने के ऐलान ने स्पष्ट किया कि सरकार कुछ मामलों में सिर्फ खानापूर्ति कर रही है। इन आठ सालों में सड़कों की स्थिति बेहतर हुई है, मगर सरकार के पास वाहनों के लगातार बढ़ते दबाव व सड़क दुर्घटनाओं को रोकने की कोई स्कीम नहीं है। सड़कों, एक्सप्रेस-वे, पुलों व मेट्रो के निर्माण के चलते शहरों/महानगरों की व्यवस्था चरमरा जाती है। शिक्षा-व्यवस्था, छात्रों व बेरोजगारों के साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार लाने के लिए सरकार को बेहतर कदम उठाने होंगे। हर सेक्टर को धन मुहैया कराने की आंकड़ेबाजी तो बस रवायत है। इसका असर निचले स्तर पर व्यावहारिक तौर पर नजर भी आना जरूरी है। ?

चिंतन-मनन

दुःखी होने की बजाय दुख का उपचार करें

लोगों से अपने सुना होगा कि संसार में दुःख ही दुःख है। असफलता मिलने पर कई बार आप भी यही सोचते होंगे, जबकि वास्तविकता इससे भिन्न है। संसार में दुःख इसलिए है क्योंकि संसार में सुख है। अगर सुख नहीं होता तो दुःख का अस्तित्व भी नहीं होता है। ईश्वर हमें दुःख की अनुभूति इसलिए करवाता है ताकि हम सुख का एहसास कर पाएं, सुख के महत्व को समझें। श्रीमद्भागवद् में कहा गया है कि हमारा हर कर्म सुख पाने के लिए होता है। इसके बावजूद भी जीवन में कई बार हमें दुःख और कष्ट की अनुभूति होती है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि सुख और दुःख धूप-छांव एवं दिन और रात की तरह हैं। हम चाहें न चाहें दुःख को आना है। भगवान राम, श्री कृष्ण, बुध और महावीर को भी दुःख उठाना पड़ा। लेकिन इन महापुरूषों ने दुःख को गले लगाकर नहीं रखा बल्कि दुःख का उपचार किया।

दुःख रात के समान है। रात के अंधेरे को दूर करने के लिए सूर्य जिस तरह निरंतर प्रयास करता रहता है और नियत समय पर रात के अंधकार को पराजित करके दिन का प्रकाश ले आता है, इसी तरह हमें भी दुःख को दूर करने के लिए निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए। दुःख से दुःखी होकर बैठने से दुःख और बढ़ता है लेकिन जब हम समाधान के लिए प्रयास करने लगते हैं तो दुःख का अंधेरा छंटने लगता है।

दुःख से हम जितना डरते हैं दुःख हमें उतना ही डराता है। अगर कोई यह सोचता है कि मृत्यु के बाद दुःख का अंत हो जाता है तो गरूड़ पुराण उसे जरूर पढ़ना चाहिए। गरूड़ पुराण में मृत्यु के बाद प्राप्त होने वाले कष्टों का वर्णन किया गया है। मृत्यु के बाद जीव को और भी कष्ट उठाना पड़ता है क्योंकि वहां तो शरीर भी नहीं होता है जिससे अपने दुःख का उपचार किया जा सकता है। सीता का हरण करके रावण ने राम को दुःख दिया। राम जी ने धैर्य से काम लिया और रावण जो उनके कष्ट का कारण था उसका पता लगाकर उसका अंत किया। पाण्डवों का सारा राज्य कौरवों ने छल से छीन लिया। पाण्डव अगर हाथ पर हाथ रखकर बैठ जाते और दुःख का उपचार नहीं करते तो इतिहास में उनकी वीरता और साहस का बखान नहीं मिलता। इसलिए दुःख से दुःखी होने की बजाय दुःख का उपचार करना चाहिए।

अश्लीलता एक बहाना, सोशल मीडिया पर है रोक लगाना

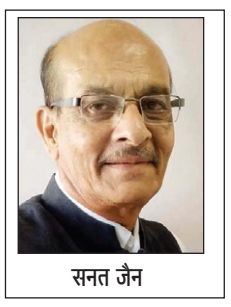

सनत जैन

डिजिटल सोशल मीडिया के प्लेटफार्म पर अश्लीलता और हिंसा दिखाए जाने की शिकायतों को लेकर सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय जल्द ही सोशल मीडिया पर नकेल कसने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए सरकार नया कानून बनाने जा रही है। इस बार सरकार को कोर्ट का भी सहारा मिलने जा रहा है। रैना के यूट्यूब कार्यक्रम इंडियाज गोट लेटेंट में रणवीर इलाहाबदिया की अभद्र टिप्पणियों को लेकर देशभर में इस तरह के कार्यक्रमों पर रोक लगाने की बात की जा रही है। सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर जिस तरह से अश्लील वीडियो अपलोड किए जा रहे हैं, उसको लेकर भी आम जनता में रोष है। यह मामला न्यायालय में विचाराधीन है। न्यायालय ने अश्लीलता और हिंसक वीडियो को रोकने के लिए केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। सरकार के लिए यह मौका है, जब सोशल मीडिया को नियंत्रित करने के लिए कानून को अपनी मनमर्जी से पास करा सकती है। इसके पहले भी सरकार द्वारा सोशल मीडिया पर सेंसरशिप लगाने के प्रयास किए गए थे। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर नियंत्रण को लेकर विरोध के कारण सरकार को तब सफलता नहीं मिली थी। अब खुद न्यायालय द्वारा सरकार से सोशल मीडिया के इस तरह के प्लेटफार्म पर कानून बनाने और उस पर नियंत्रण करने की बात

कही गई है। इससे केंद्र सरकार को एक नया मौका मिल गया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने यह मामला संसदीय समिति की ओर भेज कर समाज में बढ़ रही हिंसा, यूट्यूब, गूगल, इंस्टाग्राम, फेसबुक जैसे सोशल मीडिया के प्लेटफार्म के लिए कानून बनाने के लिए समिति से सलाह मांगी है। सोशल मीडिया के जरिए किस तरह से संवैधानिक अधिकारों का दुरुपयोग किया जा रहा है, इसको रोकने के लिए कानून में क्या प्रावधान किए जाएं? इसको लेकर सरकार का सूचना प्रसारण मंत्रालय सक्रिय हो गया है। सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म में हो रहीं सरकार की आलोचनाओं तथा सोशल मीडिया में आम नागरिक पत्रकार बनकर वीडियो डालकर जो सत्य उजागर कर रहा है। इससे सरकार और प्रशासन की मुश्किलें बढ़ रही हैं। सरकार सोशल मीडिया पर सबको रोकना चाहती है। हाल ही में महाकुंभ और दिल्ली की रेलवे स्टेशन में जो भगदड़ की घटनाएं हुई हैं। नागरिकों ने घटना के जो वीडियो बनाए थे। वह सोशल मीडिया में डाल दिए। जिसके कारण केंद्र सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार और रेल मंत्रालय को आलोचनाओं का शिकार होना पड़ रहा है। जवाबदेही भी तय होने लगी है। पिछले एक दशक में इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया को सरकार ने पूरी तरह से अपने नियंत्रण में ले लिया है। सोशल मीडिया पर सरकार कोई नियंत्रण नहीं बना पा रही है। सरकार को लग रहा है, इससे अच्छा मौका दोबारा नहीं मिलेगा। इस समय सुप्रीम कोर्ट में रणवीर इलाहाबदिया की अवैध टिप्पणियों को लेकर जन मानस में रोष है। सुप्रीम कोर्ट भी नाराज है। ऐसी स्थिति मे सरकार जो कानून बनाने जा रही है, उसके बारे में कहा जा रहा है कि सरकार सोशल मीडिया में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को नियंत्रित करने के लिए, इस तरह के प्रावधान लेकर आ रही है। जिसमें नागरिकों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सरकार के नियम और कानूनो के अधीन हो। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आम नागरिकों को नियंत्रित किया जा सके। सरकार की मर्जी से डिजिटल प्लेटफॉर्म पर वही उपलब्ध हो जो सरकार चाहती है। बहरहाल इस बार रणवीर इलाहाबादियां ने डिजिटल प्लेटफॉर्म को नियंत्रित करने के लिए सरकार के लिए एक नया रास्ता खोल दिया है। सरकार को लगता है कि इस बार डिजिटल बिल को लेकर न्याय पालिका का संरक्षण सरकार को मिलेगा। जिस तरह से मैन स्ट्रीम मीडिया में सरकार के खिलाफ कुछ भी उजागर नहीं किया जाता है। मेन स्ट्रीम मीडिया पर सरकार ने पूरी तरह से नियंत्रण कर चुकी है। वही स्थिति आगे चलकर सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म की ना हो जाए। यह आशंका गहराने लगी है। रेल मंत्रालय ने सोशल मीडिया एक्स और यूट्यूब पर जो वीडियो दिल्ली रेलवे स्टेशन की भगदड़ के हैं, उन्हें कानून व्यवस्था की स्थिति का आधार बनाकर वीडियो हटाने के निर्देश दिए हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर नकेल कसने के लिए केंद्र सरकार जो नया कानून लाने जा रही है। उसके लिए सभी को सजग रहने की जरूरत है। हुआ- हुआ, या कौवा कान ले गया, के चक्कर में कहीं हमारी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता समाप्त न हो जाए। इस बात पर ध्यान रखने और सजग रहने की जरूरत है।

वैश्विकी : ट्रंप का तूफानी एक महीना

डॉ. दिलीप चौबे

अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल को अभी केवल एक महीना हुआ है, लेकिन इसी अवधि में लगता है कि दुनिया में बहुत कुछ बदल गया है।

इस नये कार्यकाल की शुरूआत में ट्रंप प्रशासन ने जो फैसले किए हैं उससे अमेरिका की घरेलू राजनीति और अंतरराष्ट्रीय राजनीति का नक्शा बदल रहा है। सब कुछ इतनी तेज रफ्तार से हो रहा है कि अमेरिका के मित्र और सहयोगी देश सकते में हैं। विरोधी देश भी आशंका के साथ ट्रंप के अगले कदम का इंतजार कर रहे हैं।

पहले कार्यकाल की तुलना में इस बार ट्रंप के पास एक मजबूत कैबिनेट या टीम है। उन्होंने जिन लोगों को सहयोगी के रूप में चुना है उन्हें लेकर काफी विवाद की स्थिति रही। पहले यह लग रहा था कि राष्ट्रीय खुफिया प्रमुख के रूप में तुलसी गबार्ड और संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के प्रमुख के रूप में काश पटेल की नियुक्ति को सीनेट खारिज कर सकती है। इन सारे विरोध के बावजूद इन दोनों व्यक्तियों की नियुक्ति पर सीनेट की मुहर लग गई। यह कहा जा सकता है कि ट्रंप की विदेश नीति के निर्धारण में तुलसी गबार्ड की भूमिका महत्त्वपूर्ण होगी। तुलसी

बार-बार यह कह चुकी हैं कि ट्रंप शांति के पक्षधर राष्ट्रपति होंगे। वह नया युद्ध शुरू करने के बजाय मौजूद संघर्ष को समाप्त करने के लिए निर्णायक पहल करेंगे। यूक्रेन संघर्ष को समाप्त करने के लिए अमेरिका रूस के बीच वार्ता भी इसी लक्ष्य से प्रेरित है। इस संदर्भ में ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की को लेकर जैसा उपहास किया हुआ वह उनकी चिर-परिचित शैली के अनुरूप है। लेकिन यह निश्चित है कि शुरू आती दौर में ही ट्रंप ने अपनी विदेश नीति के रूपरेखा तय कर दी है।

यदि यह जारी रही तो दुनिया पहले की तुलना में अधिक शांतिपूर्ण और स्थिरता वाली होगी। आश्चर्यजनक रूप से ट्रंप चीन के खिलाफ भी संयत रवैया अपनाए हुए हैं। अमेरिका में शक्तिशाली से सैन्य उद्योग और हथियारों के कारोबारी ट्रंप की नीतियों के संदर्भ में अपने नफा-नुकसान का लेखा-जोखा ले रहे हैं। वे ट्रंप को अपना रास्ता बदलने के लिए बाध्य कर सकेंगे या नहीं यह आने वाले दिनों में स्पष्ट होगा। घरेलू मोर्चे पर हालात दुरुस्त करने की जिम्मेदारी काश पटेल पर है। उन्हें डोनाल्ड ट्रंप का बाहुबली माना जाता है। उनकी तुलना अभी से एफबीआई के ह्यसर्वशक्तिमानह्ल प्रमुख एडगर हूबर से की जा रही है। हूबर करीब 50 वर्षों तक खुफिया एजेंसी के प्रमुख रहे थे। उनके कार्यकाल के दौरान 6 राष्ट्रपति आए और गए। हूबर इतने शक्तिशाली थे कि राष्ट्रपति भी उनसे खौफ खाते थे। काश जैसे कम उम्र और कम अनुभवी व्यक्ति की तुलना हूबर से किया जाना बहुत कुछ बयां करता है। विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता ही नहीं बल्कि रिपब्लिकन पार्टी के असंतुष्ट नेता भी काश पटेल से भयभीत हैं। इतना ही नहीं सीएनएन और वाशिंगटन पोस्ट जैसे मीडिया संस्थानों के नामी-गिरामी पत्रकार भी चिंतित हैं। काश पटेल पहले ही यह ऐलान कर चुके हैं कि ट्रंप के खिलाफ दुष्प्रचार करने वाले मीडिया संस्थानों और पत्रकारों की खबर ली जाएगी। लेकिन भारत के लिए काश की नियुक्ति एक अच्छी बात है। जेहादी और खालिस्तान समर्थक अमेरिका को सुरक्षित पनाहगाह के रूप में इस्तेमाल नहीं कर सकेंगे। गुरपतवंत सिंह पन्नू जैसे आतंकवादियों को नया ठिकाना ढूंढना होगा।

भारत की घरेलू राजनीति में विदेशी हस्तक्षेप के संबंध में ट्रंप के हालिया बयानों को लेकर राजनीतिक भूचाल सा आ गया है। एलन मस्क की अगवाई वाले सरकार दक्षता विभाग (डीओजीई) ने भारत की चुनाव प्रक्रिया में दखलअंदाजी करने के लिए करीब 180 करोड रु पये का आवंटन किए जाने का खुलासा किया है। ट्रंप ने यह चौंकाने वाला बयान दिया कि यह धनराशि मोदी के बजाय किसी अन्य व्यक्ति को चुनाव जिताने के लिए थी।

ट्रंप के इस बयान का प्रतिवाद करने के लिए अमेरिका की मीडिया में रिपोर्ट प्रकाशित की जा रही हैं। लेकिन ट्रंप बार-बार अपने इस बयान को दोहरा रहे हैं। ट्रंप ने यह भी कहा कि बांग्लादेश की राजनीति को प्रभावित करने के लिए करीब 3 करोड़ डॉलर निर्धारित किए गए। बांग्लादेश में क्या हुआ यह दुनिया के सामने है। विदेशी पैसे के बलबूते तीसरी दुनिया के देशों में अमेरिका ऐसा खेल खेलता रहा है। लगता है ट्रंप टीम इस पर विराम लगाना चाहती है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Pick CEC & EC by consensus, not majority

The nation has a new Chief Election Commissioner (CEC) but we continue to grapple with an old controversy. The controversy acquires a new grist whenever it is time to appoint an election commissioner (EC) in the Election Commission of India.Earlier, in November 2022, an EC was appointed a day before the petitions on the subject of appointments were listed for hearing in the Supreme Court of India (SC). History has been repeated by the appointment of the CEC and an EC on February 17, 2025 as the case was listed for hearing on February 19 after it was adjourned on February 12.In March 2023, the SC asked a few tough questions and made some grave observations while ordering the government to legislate in keeping with the provision of Article 324 of the Constitution. As an interim measure, it constituted a committee comprising the Prime Minister (PM), the Leader of Opposition (LoP) and the Chief Justice of India (CJI). The committee would have been required to meet only in February 2024 when the first vacancy was scheduled to arise upon the retirement of an EC. In between, there were at least two sessions of Parliament, giving the government ample time to comply with the SC directions in getting a legislation through Parliament, making the SC-constituted committee "an ineffectual angel."This time, on February 19, the case has been adjourned, perhaps, for a month. The outcome seemed a foregone conclusion as the appointment was made under a valid law. Once the process was complete, there was little possibility of the court upturning the decision. It is unlikely that the SC will interfere with appointments that have been made as per provisions of an extant law. The appointments cannot be invalidated just because the petitioners find the provisions of the law disagreeable. The process might appear to be improper but it wasn't illegal.Now, the selection committee, whatever be its present or future composition, may not be required to meet unless there is an unforeseen exigency because there will be no need to make any appointment till July 2028 when an EC is scheduled to superannuate. However, that may not minimise the angst of the petitioners as the main bone of contention is the composition of the selection committee provided for in the law enacted in December 2023 in pursuance of the SC order. That is now under challenge.Let's look at the historical facts to examine the alleged impropriety. Article 324 of the Constitution, which vests the ECI with the power of "superintendence, direction and control of elections", also provides for its composition and the manner and terms of appointment of the ECs under 324 (2) and (5). The Constitution provided that the appointments shall be made by the President and shall be "subject to the provisions of any law made in that behalf by Parliament."

However, the system of appointment followed for 73 years worked without any specific law made under 324 (2). This process produced CECs known for their fierce autonomy and independence and ECs who exercised their independent judgement fearlessly while dealing with matters pertaining to those in power. The performance of the appointees was not necessarily influenced by the way they were appointed. The process may not always guarantee the product quality; people matter.

However, the SC saw the absence of any specific law on the subject as a "legislative vacuum" and used its power under Article 142 to prescribe guidelines "to govern the process of selection and removal of CEC and ECs, till the Legislature stepped in." It felt that the "legislative vacuum" gave the executive unbridled authority to choose functionaries whose neutrality and independence to hold free and fair election "is a sine qua non for upholding the democracy as enshrined in our Constitution." It ordered that "until the Parliament makes a law in consonance with Article 324(2)", the appointment of the CEC and ECs shall be made on the recommendations of a three-member committee comprising the PM, LoP and CJI.

Platform panic: When poor planning costs lives

Modern tech must play a bigger role in railway crowd management. AI and real-time data analytics can help predict passenger surges, allowing authorities to take preventive action.

THE February 15 stampede at the New Delhi Railway Station, which claimed 18 lives and left many others injured, reinforces a crucial lesson: the key to preventing such disasters is effective crowd control. On festival days, a surge in passengers is inevitable, but if unmanaged, it can lead to dangerous overcrowding, creating conditions for panic and stampedes. Such incidents are unpredictable, yet preventable with proper planning.Unfortunately, over the past 20 years, major stampedes have taken place at railway stations across the country — Lucknow in 2002, New Delhi in 2004, Allahabad in 2013 and Mumbai Elphinstone Station in 2017. They expose systemic failures in railway management. Each of these disasters followed a similar pattern: overwhelming crowds, poor communication and inadequate infrastructure. Despite repeated warnings, the Indian Railways has failed to implement lasting solutions.Investigations typically focus on immediate causes, such as sudden platform changes and mismanaged announcements. They don't address the deeper structural flaws that make such tragedies inevitable.A high-level inquiry has been launched into the February 15 stampede, with early reports suggesting that a last-minute platform change announcement triggered the chaos. But the real failure lies in the lack of proactive crowd management.

The Railways transports over 24 million passengers daily, with major stations like New Delhi handling 5,00,000 footfalls on an average day and up to 7,00,000 during festivals. The Railways has successfully managed even larger crowds during the Kumbh Mela, proving that it has the expertise. The disaster was not due to a lack of knowledge but a failure to implement well-established crowd control measures.The Railways has clear standard operating procedures (SOPs) for managing festival rushes and peak-hour traffic. These include redirecting passengers to satellite stations, creating designated holding areas for different destinations and regulating platform access so that people enter only when trains are ready for boarding. Additional train rakes should be kept on standby to accommodate surges in passenger numbers. These measures have been used successfully before, so their absence on February 15 raises questions about planning and accountability.One of the biggest contributors to platform congestion is the unregulated sale of general tickets for unreserved coaches. Unlike reserved ticket holders, general ticket passengers often gather in large numbers, leading to dangerous boarding conditions. The sale of general tickets, often exceeding the capacity of unreserved coaches, results in massive, unmanaged crowds. The Railways must rethink how these tickets are issued. Possible solutions include limiting sales per train, introducing pre-booked tokens or creating designated waiting areas for unreserved passengrs. Otherwise, the risk of stampedes will persist.A key issue is that major railway stations were not designed to handle todays' passenger volumes. While adding footbridges and expanding platforms can help, these are short-term fixes. The sheer scale of passenger movement now requires a new approach.

One potential solution is to develop and expand smaller, nearby stations, such as Subzi Mandi in Delhi, to distribute passenger load. Separating arrivals and departures by constructing multi-level concourses on the pattern of airports is another solution. The Railways continues to rely on outdated layouts, where arriving and departing crowds mix chaotically, increasing the stampede risk.A growing problem is that station redevelopment projects often prioritise revenue generation through commercialisation of land over reducing footfalls. Even the New Delhi redevelopment plan focusses on transforming the stations into commercial hubs and adding shopping malls, restaurants and office spaces around station premises.

While this generates revenue, it also significantly increases foot traffic, further straining the already congested infrastructure. The roads leading to the New Delhi Railway Station are already overcrowded. Adding more commercial and residential spaces, as envisaged in the redevelopment plan, will worsen the problem. The plan of modernisation should focus on improving passenger movement, safety and access.Modern technology must play a bigger role in railway crowd management. Artificial intelligence (AI) and real-time data analytics can help predict passenger surges, allowing the authorities to take preventive action before congestion becomes dangerous. AI-powered crowd monitoring systems can track movement patterns and alert the staff when areas become overcrowded, enabling timely interventions.

Better coordination between railway authorities and city planners is also essential. Railway stations should not be seen as isolated transit points but as integral parts of the urban infrastructure. This requires a comprehensive strategy that accounts for station location, road access and integration with other public transport systems.

For instance, better metro connectivity, dedicated shuttle buses and improved pedestrian pathways could significantly reduce congestion around major stations like New Delhi. Without such coordination, even well-planned station upgrades may fail to deliver real improvements.The February 15 tragedy should serve as a wake-up call for the Railways, policymakers and urban planners. The growing volume of train passengers is a challenge. It is a long-term reality that demands systemic change. As India's population continues to grow and urbanisation accelerates, railway infrastructure must evolve accordingly. Investing in new stations, expanding existing ones and integrating modern technology are not optional measures; they are essential.It is time to move beyond outdated methods of crowd management and embrace a more forward-thinking approach. Relying on manual interventions, temporary fixes or last-minute crowd control measures will only lead to more tragedies. The system needs a complete overhaul — one that integrates infrastructure upgrades, technological innovations, urban planning coordination and a cultural shift in station management.

Preventing another stampede requires more than just reactive inquiries and surface-level improvements. It calls for a fundamental change in how railway stations are designed, operated and integrated into India's urban fabric.If the Indian Railways truly wishes to prevent future disasters, it must acknowledge past failures, commit to meaningful reforms and ensure that passenger safety is the top priority. Otherwise, the question is not if another tragedy will occur, but when.

Centre vs Tamil Nadu

Unsavoury row over three-language formula

The Assembly elections in Tamil Nadu are still over a year away, but the political slugfest between the BJP and the ruling DMK has already reached fever pitch. A no-holds-barred verbal duel is in progress over the three-language formula, which figures prominently in the National Education Policy (NEP), 2020. The formula is ostensibly aimed at promoting multilingualism, but Deputy CM Udhayanidhi Stalin has termed it the Centre's ploy to impose Hindi on the southern state. He has also accused the BJP-led Union Government of not releasing funds for the NEP's implementation in Tamil Nadu. Hitting back at the state government, Union Education Minister Dharmendra Pradhan has urged the DMK to prioritise the interests of young learners and rise above political differences. The obvious victims of this unsavoury confrontation are the students, who are facing uncertainty and confusion over the languages they can learn besides their mother tongue.As education is on the Concurrent List, it requires concurrence between the Centre and states to ensure the success of various schemes. The Centre is rightly laying stress on the NEP, which is an overarching and holistic document, but it must give freedom to the states to proceed in accordance with their specific requirements.

A one-size-fits-all approach undermines India's rich linguistic diversity. Moreover, political affiliations and considerations should not come in the way of release of funds for the education sector. No state should be subjected to discrimination if it decides not to implement the NEP in toto.The Tamil Nadu government is not helping matters by laying bare its aversion to Hindi. It should not force students to opt for one language over another. Parents and teachers have a key role to play here as they can help learners make an informed decision. The Centre and the state must try to reach common ground for the sake of the children's future — and the nation's too.

'Foreign hand' is as distracting as ever

THE GREAT GAME: The current storm means that the BJP and MEA have moved on from the row over shackled deportees

THE much-maligned "foreign hand", a favourite charge of Indira Gandhi against her opponents, is back in vogue. Go back into The Tribune's archives, dear Reader, and you will find several instances of the former Prime Minister alluding to undisclosed forces from abroad bent on wrecking the country. This was more than 40 years ago, of course, and we have surely moved on from those times and become a far more secure and confident nation.This week, with apologies to Marcel Proust, has seemed a bit like wading into remembrances of things past. US President Donald Trump's fast friend Elon Musk's statement about USAID going to spend $21 million for "voter turnout in India," has been taken as the gospel truth by the BJP. The ruling party is now targeting the Congress — just deserts, some would say — for receiving this money, after Trump's throwaway comment that these monies could have been sent by the Joe Biden administration to try and "get someone else elected."Of course, Trump is playing to his gallery. Clearly, the BJP is also playing to its own, with the Ministry of External Affairs (MEA) saying this information is "obviously very troubling" and leads to "concerns about foreign interference in India's internal affairs."You could argue that this is "all politics," which basically means the storm is an attempt at embarrassing Rahul Gandhi — not that he needs help. And even if it's going to be blown away by the weekend, let's examine what damage it has done to the teacup so far.

First, the embarrassment is to the MEA itself, not to the Congress party. The ministry, made up of one of the finest sets of diplomats in the world, has always sought to stay above the murky cesspool of politics — and very often, succeeded. It's not for no reason that India's prime ministers have often also been foreign ministers and when they haven't, have maintained a deep interest in its affairs. (In fact, every ambassadorial appointment of the Republic of India is personally signed off by the PM.)If that's the role of the MEA, to be the protector of the national interest, it follows that it would not like itself to be used by any party in question. That's why it picks and chooses its words carefully. Words, after all, are the only arrows of a diplomat's armour, and each means what it says and intends to say.

Second, this current storm means that the BJP — and the MEA — has moved on from the controversy over the shackled and handcuffed Indians deported on three US military flights in the last fortnight. Two of those flights landed in Amritsar after the PM returned home after meeting Trump, but no one in the government has still answered whether the Indian side raised this issue with Trump.But that story is over. Delhi has moved on.

However, the fact remains that many questions remain unanswered, including why the turbans of Sikh deportees were so unceremoniously removed. As for why they were shackled and cuffed, it seems this is what the Americans do — many other nationalities don't, and haven't, while sending unwanted Indians home, but the Americans ain't taking any chances, it seems.

The original question remains. Did the Indian embassy in the US or the MEA in Delhi summon US diplomats and hand them a demarche asking why Indian nationals were treated so shabbily on those flights home?

Clearly, the Americans seem to have given up flights for the moment — so much cheaper to push them into Panama and Costa Rica. Delhi says it is checking the identities of these men — that may take a while, mark my words, because the procedure is truly lengthy and involves making the judgment whether these people are of some other South Asian nation — Indian or Pakistani or what? — or your own.Come to think of it, if your illegal immigration agent has kept your passport or thrown it away in the jungle and you no longer have any papers, on what basis is the Indian diplomat in Costa Rica or Panama going to decide whether the man in front of him is Indian or not? His address back home? What he looks like? The language he speaks?

Third, the fact remains that no one really cares about these men and women caught in a Toba Tek Singh-like world which makes no sense — things back home in Punjab are awful in comparison, and the sunshine in Canada-US just so much more alluring. They want to escape, just like the Gujaratis do — the second highest number of deportees are from that state — and just like those of us with the influence to get that US visa.

Fourth, it's time to cut to the chase. The truth is that the current storm has really been drummed up to distract you from analysing the fast-paced changes in the world around you. After the Russia-US talks in Riyadh, Trump & Co seem to be fully in the mood to make nice with the Russians. More to the point, Trump has just invited China's Xi Jinping to DC.Does this mean, then, that a second Yalta-like conference is in the offing? That Trump, Putin and Xi will soon be lording over their respective continents — Russia to be given Europe and China to be given Asia?

Even if that is an exaggeration, dear Reader, you get the point. You can also bet your last rupee that the best spirits are flowing across Moscow and Beijing these days.And that's the last question of this piece : If Trump is going to embrace Xi in what is obviously looking like a braver new world, what place does India have in it, especially when India and Modi were looking to Trump and America as a hedge against Beijing?Perhaps, this is a wake-up call for India. Perhaps, it's time to focus inwards and develop your own strength. As for the distraction of the "foreign hand," let's see it for exactly what it is and has always been, a distraction.

IT sector may see cautious salary hikes amid economic headwinds: Experts

New Delhi. Salary increments in India's USD 250 billion IT services sector are projected to be moderate in fiscal year 2025, as companies navigate a complex landscape of global economic uncertainties, evolving skill demands, and the increasing adoption of artificial intelligence (AI), according to experts.Industry experts predict an average wage increase of 4-8.5 per cent, a notable step down from previous years, signalling a shift towards more pragmatic compensation strategies.

"The outlook for salary hikes this year is quite cautious," noted Krishna Vij, VP, TeamLease Digital. "Industry players are looking at increments in the 4 per cent to 8.5 per cent range, which is lower than what we've seen in previous years. This slowdown is largely due to global economic challenges, reduced discretionary spending, and shifting business priorities."

Companies are being more conservative with their salary budgets, and many have even pushed their appraisal cycles beyond the usual April-June period, she said, which has made salary revisions less predictable in the current scenario. "Organisations are shifting to skills-based pay, leveraging Tier II hiring for cost efficiency. Instead of salary hikes, retention bonuses, ESOPs, and project-based incentives are being implemented as compensation strategies," Vij said.Reed & Willow CEO Janoo Motiani also gave a similar expected hike range, pegging it between 5-8.5 per cent.The days of double-digit hikes seem behind us--at least for now. The industry is settling into a more pragmatic rhythm, with average hikes expected to hover between 5 per cent and 8.5 per cent. This aligns with the cautious optimism seen across the sector. TCS has taken the lead, announcing hikes ranging from 4-8 per cent effective April 2025, setting the tone for the rest of the industry. However, Infosys, HCLTech, Wipro, and Tech Mahindra are holding off on final announcements, likely waiting to gauge market movements in Q2 before locking in their plans," she shared.

While this might seem like a conservative approach, she said, it reflects the market reality--tempered growth, the rise of AI-led efficiencies, and shifting client demands are influencing how companies allocate compensation budgets.

Mcap of 8 of top-10 most valued firms erodes Rs 1.65 trn; TCS hit hardt

New Delhi. The combined market valuation of eight of the top-10 most valued firms eroded Rs 1,65,784.9 crore last week, with Tata Consultancy Services (TCS) taking the biggest hit, in line with bearish trends in equities.Last week, the BSE benchmark declined 628.15 points, or 0.82 per cent, while the Nifty went lower 133.35 points, or 0.58 per cent.

The market valuation of TCS tanked Rs 53,185.89 crore to Rs 13,69,717.48 crore.

Bharti Airtel's market capitalisation (mcap) dropped Rs 44,407.77 crore to Rs 9,34,223.77 crore.The valuation of ICICI Bank tumbled Rs 18,235.45 crore to Rs 8,70,579.68 crore and that of Hindustan Unilever plunged Rs 17,962.62 crore to Rs 5,26,684.38 crore.Infosys faced an erosion of Rs 17,086.61 crore to Rs 7,53,700.15 crore from its market valuation.

The mcap of ITC eroded Rs 11,949.42 crore to Rs 5,01,750.43 crore and that of HDFC Bank diminished Rs 2,555.53 crore to Rs 12,94,152.82 crore.State Bank of India's valuation declined Rs 401.61 crore to Rs 6,43,955.96 crore.

However, the mcap of Reliance Industries jumped Rs 14,547.3 crore to Rs 16,61,369.42 crore.

Bajaj Finance added Rs 384.33 crore to Rs 5,20,466.75 crore in its mcap.Reliance Industries remained the most valued firm followed by TCS, HDFC Bank, Bharti Airtel, ICICI Bank, Infosys, State Bank of India, Hindustan Unilever, Bajaj Finance, and ITC.

China urges US to stop weaponising, politicising economic and trade affairs

New Delhi. China called on the US to stop politicising and weaponising economic and trade issues, as Washington tries to limit overseas investments by Beijing in line with President Donald Trump's "America First" policy.

The American government's actions, which strengthen reviews of business ties with China on security grounds, will seriously undermine the confidence of Chinese companies that are investing in the US, the Ministry of Commerce said in a statement on Saturday. The ministry's comments followed the release of the America First Investment Policy, which named China among "adversaries" that systematically direct and facilitate investment in US companies and assets "to obtain cutting-edge technologies, intellectual property, and leverage in strategic industries."Although President Trump earlier hinted at the possibility of a deal to prevent further escalation of a trade war with China, Beijing's $295 billion trade surplus with Washington looms large in the new US administration's list of concerns. Treasury Secretary Scott Bessent dubbed China as the most "unbalanced economy in the history of the world" in an interview with Bloomberg TV. China will closely monitor the US actions and will take necessary measures to safeguard its own legitimate rights and interests, a Chinese Commerce Ministry spokesperson said. Beijing has retaliated against US tariffs with measures including limited levies on America, and this week said Washington's claims that China has failed to stop the trade in fentanyl were a "pretext" for imposing the charges.

FPIs withdraw Rs 23,710 crore from equities in February; total outflow at Rs 1 lakh crore in 2025

The overall trend indicates a cautious approach by foreign investors, who scaled back investments in Indian equities significantly in 2024, with net inflows of just Rs 427 crore.

NEW DELHI: Foreign investors have pulled out over Rs 23,710 crore from the Indian equity markets so far this month, pushing total outflows past Rs 1 lakh crore in 2025 amid rising global trade tensions.Going forward, V K Vijayakumar, Chief Investment Strategist, Geojit Financial Services, believes that the revival of FPI investment in India is indicated to happen in two or three months when economic growth and corporate earnings revive.According to data from depositories, Foreign Portfolio Investors (FPIs) offloaded shares worth Rs 23,710 crore from Indian equities in February so far (up to February 21). This follows a net outflow of Rs 78,027 crore in January.

With these, the total outflow by FPIs has reached Rs 1,01,737 crore in 2025 so far, data with the depositories showed. This massive selling has resulted in the Nifty yielding negative returns of 4 per cent year-to-date.Market concerns heightened following reports that US President Donald Trump was considering imposing new tariffs on steel and aluminum imports, along with reciprocal tariffs on several countries, Himanshu Srivastava, Associate Director-Manager Research, Morningstar Investment Research India, said.These developments reignited fears of a potential global trade war, prompting FPIs to re-evaluate their exposure to emerging markets, including India, he added.

On the domestic front, lacklustre corporate earnings and persistent depreciation of the Indian rupee, which breached multi-year lows, further diminished the appeal of Indian assets, Srivastava said.After Trump's victory in the US presidential elections, the US market has been attracting huge capital inflows from the rest of the world. But recently, China has emerged as a major destination of portfolio flows, Geojit Financial Services' Vijayakumar said.

The Chinese president's new initiatives with their leading businessmen have kindled hopes of a growth recovery in China. "Since Chinese stocks continue to be cheap, this 'Sell India, Buy China' trade may continue. But this trade has happened in the past and experience is that it will fizzle out soon since there are structural problems constraining Chinese economic revival," he added.

Additionally, FPIs withdrew funds from the debt market, pulling out Rs 7,352 crore from the debt general limit and Rs 3,822 crore from the debt voluntary retention route.The overall trend indicates a cautious approach by foreign investors, who scaled back investments in Indian equities significantly in 2024, with net inflows of just Rs 427 crore.

Small reactors: Nu-clear favourites

New Delhi. In the FY2024-25 budget, Finance Minister Nirmala Sitharaman allocated Rs. 20,000 crore for research and development (R&D) in Small Modular Reactors (SMRs) in India. The minister highlighted that achieving net-zero emissions requires a diverse energy mix, including nuclear power. As part of this strategy, the government aims to reach 100 GW of nuclear energy capacity by 2047 under the country's Nuclear Energy Mission.The moot question is why is the government focusing on nuclear energy, and why is India actively seeking technology partners to develop SMRs?

What is a Small Modular Reactor (SMR)?Small Modular Reactors (SMRs) are compact, next-generation nuclear reactors designed to be safer, more efficient, and scalable than traditional nuclear power plants. As the name suggests, SMRs are smaller in both size and capacity, typically producing up to 300 megawatts (MW) of electricity, compared to the thousands of MW produced by conventional nuclear reactors.Deploying SMRs across the country, especially in locations unsuitable for large nuclear plants, can produce a significant amount of low-carbon electricity. To reduce reliance on fossil fuels, SMRs can replace aging fossil fuel-based power plants.However, SMRs are not intended to replace conventional large nuclear power plants, which

serve as base-load plants. That said, the technological and commercial aspects of SMRs are still in their early stages, even in developed nations.Why is the government keen on SMRs?

The government and public sector energy companies are focusing on developing SMRs as part of India's ambitious energy transition. With the goal of achieving 500 GW of non-fossil fuel power capacity by 2030, nuclear power is seen as a crucial part of this plan.Experts believe SMRs are particularly well-suited to India's energy needs. One key reason is that not every state in India can host large-scale nuclear power plants due to space and security requirements. In contrast, SMRs can be installed and operated without these constraints. Additionally, global companies are more willing to share technology related to SMRs, which could foster greater collaboration between Indian and international companies.

Challenges for the SMR Industry

SMRs come in a wide range of sizes, from under 30 MW to over 300 MW. As a result, many different SMR designs are being developed. Experts believe having too many options can slow the growth of the industry. Too many designs could create regulatory challenges and make it harder to control costs. To move forward, the number of designs should be narrowed down to a few key ones.

FPIs withdraw Rs 23,710 cr in Feb; total outflow at Rs 1 trn in 2025

New Delhi. Going forward, V K Vijayakumar, Chief Investment Strategist, Geojit Financial Services, believes that revival of FPI investment in India will happen when economic growth and corporate earnings revive. Indications of that are likely to happen in two to three months.According to the data with the depositories, Foreign Portfolio Investors (FPIs) offloaded shares worth Rs 23,710 crore from Indian equities so far this month (till February 21). This came following a net outflow of Rs 78,027 crore in January. With these, the total outflow by FPIs has reached Rs 1,01,737 crore in 2025 so far, data with the depositories showed.This massive selling has resulted in the Nifty yielding negative returns of 4 per cent year-to-date.Market concerns heightened following reports that US President Donald Trump was considering imposing new tariffs on steel and aluminum imports, along with reciprocal tariffs on several countries, Himanshu Srivastava, Associate Director-Manager Research, Morningstar Investment Research India, said.These developments reignited fears of a potential global trade war, prompting FPIs to re-evaluate their exposure to emerging markets, including India, he added.

On the domestic front, lackluster corporate earnings and persistent depreciation of the Indian rupee, which breached multi-year lows, further diminished the appeal of Indian assets, Srivastava said.After Trump's victory in US presidential elections, the US market has been attracting huge capital inflows from the rest of the world. But recently, China has emerged as a major destination of portfolio flows, Geojit Financial Services' Vijayakumar said.

The Chinese president's new initiatives with their leading businessmen have kindled hopes of a growth recovery in China."Since Chinese stocks continue to be cheap, this 'Sell India, Buy China' trade may continue. But this trade has happened in the past and experience is that it will fizzle out soon since there are structural problems constraining Chinese economic revival," he added.Additionally, FPIs withdrew money from the debt market. They pulled out Rs 7,352 crore from debt general limit and Rs 3,822 crore from debt voluntary retention route.The overall trend indicates a cautious approach by foreign investors, who scaled back investments in Indian equities significantly in 2024, with net inflows of just Rs 427 crore.

Housing demand strong in major cities, but euphoria easing: Pirojsha Godrej

New Delhi. Demand for residential properties remains "very strong" across major cities but the euphoria seen in the last few years is mellowing down a little bit, said Pirojsha Godrej, the executive chairperson of Godrej Properties.Godrej Properties is one of the leading real estate developers in the country. It became the largest listed realty firm in 2024 in terms of sales bookings or pre-sales by selling more than Rs 28,000 crore worth of properties.In an interview with PTI, Pirojsha Godrej noted that there is no demand slowdown in the housing market, as reflected from the company's pre-sales numbers."Am I seeing a slowdown in demand. The answer is 'No'. Because we have seen Rs 500 crore plus sales in our new housing project launches in five different cities (during the December quarter) across North, South, West and East India. That to me is pretty indicative of a very strong housing market," he said.

Pirojsha added: "But, I would say that some of that euphoria is perhaps mellowing down a little bit, particularly in Delhi-NCR... It has settled into a more sort of standard strong market."

"Euphoria that was there 6-12 months ago seems to have cooled off a little bit, but demand remains very strong," he observed.During the third quarter of this fiscal, Pirojsha highlighted that the company achieved sales of Rs 500 crore plus in five new launches in five cities -- Mumbai Metropolitan Region, Bengaluru, Gurugram, Pune and Kolkata.

"This is perhaps for the first time that any developer in the country has seen such a positive response from new launches across that many cities," he said.

Recently, HDFC Capital Advisors MD and CEO Vipul Roongta also mentioned that growth in housing prices has slowed."Clearly the euphoria, which was there say maybe a year, year and a half back, related to increase in prices is no longer there in any of the micro markets,

irrespective of segment, irrespective of brand," Roongta observed.Real estate data firm PropEquity pointed out 9 per cent drop in housing sales last year across nine top cities while property consultant Anarock reported 4 per cent fall in seven major cities.

Mistakes in stock selection not sin, not correcting the mistake is: Warren Buffett

Reiterating his faith in capitalism, Buffett says capitalism has its faults and abuses, but it also can work wonders unmatched by other economic systems.

MUMBAI. Warren Buffett, the celebrated investor and businessman, admits to making mistakes both in buying equities and purchasing businesses. While he insinuates making mistakes is not sin, delaying the correction of mistakes is.

"The cardinal sin is delaying the correction of mistakes or what Charlie Munger called thumb-sucking. Problems, he would tell me, cannot be wished away. They require action, however uncomfortable that may be," says Buffett in his latest letter to the shareholders.Buffett says many large public companies where he has been director 'forbids' the word mistake and error at board meetings or analyst calls. He, however, feel 'nervous' at the idea of managerial perfection, whereby it is believed managers cannot make mistake."That taboo (admitting mistakes), implying managerial perfection, always made me nervous (though, at times, there could be legal issues that make limited discussion advisable. We live in a very litigious society)," he says in his letter, which has by now a Biblical following across the world.The other piece of investment wisdom that he shared in his letter this time is the futility of holding too much cash."Berkshire will never prefer ownership of cash-equivalent assets over the ownership of good businesses, whether controlled or only partially owned," he says adding that paper money can see its value evaporate if fiscal folly prevails, and that fixed-coupon bonds provide no protection against runaway currency.

Buffett-promoted Berkshire Hathaway and its subsidiaries engage in diverse business activities including insurance and reinsurance, utilities and energy, freight rail transportation, manufacturing, services and retailing.

Reiterating his faith in capitalism, Buffett says capitalism has its faults and abuses,

but it also can work wonders unmatched by other economic systems.

He says 'the sensible – better yet imaginative – deployment of savings by citizens is required to propel an ever-growing societal output of desired goods and services'.Buffett remains gung-ho about the US economy as he says American process has not always been pretty… but even with such malfeasance, he says remains in full force even today, the savings of Americans has delivered a quantity and quality of output beyond the dreams of any colonist.Beyond the US, Warren Buffett is increasing his exposure in Japan. Since 2019, Berkshire began purchasing shares in five Japanese companies 'that very successfully operate in a manner somewhat similar to Berkshire itself'.

"The five are (alphabetically) ITOCHU, Marubeni, Mitsubishi, Mitsui and Sumitomo. Each of these large enterprises, in turn, owns interests in a vast array of businesses, many based in Japan but others that operate throughout the world," explain Buffett in his letter.

How Attack On Bus Conductor Flared Up Historic Maharashtra-Karnataka Border Row

The immediate trigger for the recent flare-up was an altercation in Marihal, a locality in Karnataka's Belagavi district, on Friday.

New Delhi. Bus services between Karnataka and Maharashtra have come to a standstill after tensions flared up on Friday when a bus conductor was beaten up in Belagavi for allegedly not responding in Marathi. In a retaliatory move, some unidentified individuals attacked and blackened a bus driver of Maharashtra State Road Transport Corporation (MSRTC) in Chitradurga district of Karnataka.

The attacks have led to the suspension of bus services between the two states. Both Karnataka and Maharashtra transport corporations have restricted their operations, citing safety concerns for passengers and staff.

The Incident In Belagavi

The immediate trigger for the recent flare-up was an altercation in Marihal, a locality in Karnataka's Belagavi district, on Friday. A conductor of a Karnataka State Road Transport Corporation (KSRTC) bus was reportedly attacked by a group of men for not responding to a passenger in Marathi. According to the conductor's police complaint, a girl had asked for a ticket in Marathi. When he said that he did not understand Marathi and requested her to speak in Kannada, she and her male companion allegedly assaulted him.

The situation quickly escalated when a larger group intercepted the bus and physically assaulted the conductor. The police have arrested four individuals involved in the attack. However, the conductor was also booked under the Protection of Children from Sexual Offences (POCSO) Act after the girl filed a complaint alleging 'indecent behaviour'.

Retaliation In Chitradurga

In what appears to be a retaliatory act, a bus driver from Maharashtra State Road Transport Corporation (MSRTC) was attacked the following day in Hiriyur Taluk of Karnataka's Chitradurga district. The victim, Bhaskar Jadhav, was blackened with paint by unidentified individuals. Police have arrested several individuals in connection with the incident.Following this,

Maharashtra's Transport Minister Pratap Sarnaik announced a halt to MSRTC bus services to Karnataka. He said an MSRTC bus travelling from Bengaluru to Mumbai was attacked in Chitradurga around 9:10 pm on Friday by pro-Kannada activists.

On Sunday, an ultra-luxury KSRTC bus was vandalised in Maharashtra, with slogans like 'Jai Maharashtra', 'Marathi', and 'Maharashtra Navnirman Sena' scribbled across its body in black paint.Given the rising hostilities, Karnataka has also reduced its bus services to Maharashtra. "We have limited the number of buses going to Maharashtra for the time being and are taking all precautions to normalize the situation," a senior officer of the North West Karnataka Road Transport Corporation (NWKRTC) told PTI."We are in touch with our Maharashtra counterparts to ensure a smooth resolution and the resumption of bus services," he added.

Historic Context

Belagavi, a district with a substantial Marathi-speaking population, has been at the heart of a historic border dispute between the two states.

Make roads that last for 10-15 years: Parvesh Verma

NEW DELHI. BJP's newly elected Delhi PWD Minister Parvesh Verma, who was assigned the portfolio on February 20, swung into action as he inspected the department's projects.

He visited the road strengthening work from Bhairo Marg to Sarai Kale Khan, Ring Road, and interacted with people to hear their grievances and find solutions. "Make such a road that lasts 10-15 years, even though five years is the official time. Ensure it remains strong for at least a decade," Verma told an official.The minister was seen questioning an official about the 4-km-long stretch under repair and how traffic congestion is managed during road closures. The official informed him that the work is carried out per lane and is mainly done at night.During the inspection, Verma reviewed three key projects: road strengthening from Bhairo Marg to Sarai Kale Khan leading to Ring Road, Barapullah Phase-3 construction from Sarai Kale Khan to Mayur Vihar, and the upgradation of the Moolchand underpass drainage pump. He emphasised that the Delh government is focused on improving roads and infrastructure for public convenience.

BJP MLA Satish Upadhyay on Saturday lauded the work being done by Delhi ministers just days after assuming office, assuring people that the government is committed to delivering results and solving problems."This is the difference between the AAP and BJP governments. The government formed here is to work, to deliver results, and to resolve people's issues. From the very first day, our Chief Minister and ministers have been actively assessing their departments and giving instructions to officials," Upadhyay said.

CM Yogi Adityanath inaugurates India's first biopolymer manufacturing unit in Uttar Pradesh

NEW DELHI. Uttar Pradesh Chief Minister Yogi Adityanath has inaugurated the country's first biopolymer manufacturing unit in Kumbhi, Lakhimpur district. This unit will produce an alternative to single-use plastics.Inaugurating the event, Yogi Adityanath said that the integrated polymer plant, owned by BalrampurChini Mills Ltd (BCML), the state's largest sugar industry, will contribute to achieving the national goal of net zero emissions.

"Biopolymer, a biodegradable and sustainable polymer represents a significant step toward eco-friendly alternatives in packaging, biomedical applications, food service ware, textiles, and various industrial uses, playing a crucial role in the fight against global warming," he added.

Biopolymer, specifically Polylactic Acid (PLA), will be created using raw materials such as sugar, corn, and tapioca. It will be used to manufacture biodegradable daily-use items like cups, plates, cutlery, and straws, addressing the environmental concerns caused by plastic waste.Manoj Kumar Singh, the Chief Secretary of Uttar Pradesh, mentioned that there are currently 21 lakh tonnes of PLA being manufactured globally. "There is an opportunity for the state and India to capture the market share and become leaders in PLA production by reducing plastic usage," Singh said.

However, experts believe that India's ability to lead in this sector largely depends on government policies and the enforcement of existing orders to ban plastic.Stefan Barot, president of the Chemical Division of BCML, pointed out that until the ban on single-use plastics is reinforced, PLA products will struggle to maintain economic viability.

Unrestricted banking data access fuels surge in online financial frauds: Central cyber intelligence agencies

NEW DELHI. A new disturbing trend has emerged posing a cyber security threat, as central cyber and intelligence agencies have flagged to the Union Ministry of Home Affairs (MHA) that unrestricted access to critical banking data with bank employees and third-party vendors has directly been fuelling rampant online frauds and massive financial losses for people in the country, officials said on Saturday.

With reports pouring in from the agencies, the officials said, the issue has been taken up at the highest level in the government by the MHA calling a meeting of senior officials including those from the financial and banking institutions. "The issue had been discussed threadbare and instructions were passed on to devise a solution to this menace," a senior official, in the know of development, said.

He said, "According to the agencies' input, highly sensitive financial data exposure to outsourced staff and third-party vendors of banks leads to rampant information leaks, as they are being shared with cyber criminals, who in turn exploit to breach online banking systems to target and defraud people."According to sources, privy to the meeting, the trend is even more alarming, as intelligence agencies said complicity of senior management level bank officials can also be not ruled out, as this has also come to light that both public and private sector banks have seldom failed to act against fraudulent activities, despite repeated complaints.

Intelligence inputs suggested that banking institutions failed to take action against nearly half of the fraudulent accounts reported on the National Cybercrime Reporting Portal (NCRP), the sources said.A detailed analytical presentation was made during the meeting on the cyber fraud trends, mule accounts, and banks' response times, which indicated a staggering increase in the incidents of online fraud, they said, adding that this proved that the present security architecture is not robust enough.

Delhi HC sets March 21 deadline for Bar association elections

NEW DELHI. In a decisive move, the Delhi High Court has ordered all Bar Association elections in the capital to be held on March 21, following multiple delays due to procedural lapses and logistical challenges.

A three-judge Bench of Justices Yashwant Varma, Rekha Palli, and C Hari Shankar cited repeated breaches of election timelines while issuing fresh directives.Originally scheduled for December 2024, the elections were postponed to February 7, then February 28, before the latest rescheduling.The Court criticised the Delhi High Court Bar Association (DHCBA) for failing to constitute its Election Commission and stressed the need to procure Electronic Voting Machines (EVMs).

Addressing concerns over voter discrepancies, the Bench ruled that the final voter list published on February 14 must be followed for issuing proximity cards.This order aligns with the High Court's 2024 directive for simultaneous Bar Association elections.

DHCBA must constitute its Election Commission

The Commission must submit a complete election schedule by Feb 24

All discrepancies in voter proximity cards must be rectified without delay

Elections for all Bar Associations in Delhi will now held on March 21One of the key issues flagged in the hearing was the discrepancy between the final voter list published on February 14, 2025, and the issuance of proximity cards to eligible voters. Senior Advocate Mohit Mathur, President of DHCBA, informed the Court about the inconsistencies, prompting the Bench to order immediate corrective action.

60 medical colleges not paying stipends to interns: RTI

Of the 60 medical colleges that failed to pay stipends, 33 are government institutes, and the rest are private.

NEW DELHI. As many as 60 medical colleges and institutions out of over 500 are not paying stipends to their undergraduate interns, postgraduate residents, and senior residents, as per file noting assessed through RTI.Of the 60 medical colleges that failed to pay stipends, 33 are government institutes, and the rest are private. However, despite having the mandate, the National Medical Commission (NMC) has yet to take action against them.

According to the file noting, shared through February 20 RTI reply to Kerala-based Dr K V Babu, "It is observed that so far only 555 colleges - 290 government colleges and 265 private colleges, including Deemed to be Universities) have furnished their data for 2023-24 till date. The remaining 198 colleges (115 colleges and 83 private colleges, including Deemed to be Universities) out of the total 753 colleges have not furnished their data."It also said that out of the 290 government medical colleges that submitted details on stipends, 257 said they have given stipends. But 33 said they have not given any stipends to their interns and senior residents.Similarly, of the 265 private medical colleges which submitted NMC details on stipends, 238 said they had given the stipend. "It appears that 238 private medical colleges have given a stipend to their interns/resident/senior resident and 27 number of private medical colleges have not given a stipend to their interns/resident/senior resident," said file noting by Ram Chander, consultant.The file noting, dated July 29, 2024, further said, "Since the inputs are to be furnished to the apex court, appropriate action needs to be taken against the defaulting medical colleges (Govt/private) who are yet to furnish their data."Speaking with this paper, which has done a series of stories issue of stipends based on RTIs filed by Dr Babu, he said, "Sixty out of 555 medical colleges in India are not paying stipends. The medical colleges are not paying its hard-working postgraduate and interns, and NMC is not intervening; this is a matter of concern.

On the apex court's prodding, the NMC, which regulates these medical colleges, issued show cause notices to 198 colleges - 115 government and 83 private - in November, which this paper was the first to report. Despite warning them about taking penal action for not submitting stipend details, no action has been taken until now.In fact, the NMC has washed off their hands and instead blamed the states where these medical colleges and institutions are located.

Railway job scam: CBI registers FIR against three officials on charges of bribery

NEW DELHI. The Central Bureau of Investigation (CBI) on Saturday said that it has registered an FIR against three railway officials for allegedly manipulating a recruitment examination to ensure a job for a person in the railways in return for Rs 15 lakh.The anti-graft central probe agency took action after receiving a reference from the vigilance department of the Central Railway, officials said.In the FIR the CBI has named Goods Train Manager Rajendra Kumar Meena, Assistant TRD Helper Sapna Meena, Tech-II Chetram Meena, who all are posted at the Kota division in the West Central Railway. Along with these officials, the CBI has also booked a private person, Lakshmi Meena, who allegedly acted as an imposter and appeared in the examination in place of a candidate.

In the FIR the CBI has alleged that Sapna Meena, in connivance with the other accused, secured a job for a person in the Indian Railways through fraudulent means as well as instead of illegal financial gratification of Rs 15 lakh."It was also alleged that accused dummy candidate (Lakshmi Meena) had appeared in the railway exam and photographs, fake identities, fingerprints of the dummy candidate were utilised in the entire selection process of the Railway Recruitment Exam," a senior CBI official said.Following the registration of the FIR, the agency sleuths conducted searches at the premises of the accused in Kota and Sawai Madhopur districts of Rajasthan, the official said, as the investigation into the case continued.

Ganga Water Fit For Dip At Sangam: Allahabad University Professor On Faecal Bacteria Report

The CPCB report claimed that the amount of faecal coliform bacteria in Ganga water has increased in Prayagraj during the Maha Kumbh.

New Delhi. University of Allahabad's Professor Umesh Kumar Singh on Saturday termed as doubtful a Central Pollution Control Board's (CPCB) report which suggested that the quality of Ganga water at the Sangam is unfit for bathing.Pointing to data "mismatch" and contesting the findings of the controversial CPCB report, Singh told IANS that the water quality is fit for bathing at the Sangam. "You can bathe in it."

Professor Umesh Kumar Singh said that when he saw that data, he found that the level of dissolved oxygen was good. "The water is suitable for bathing. The BOD level is also visible. But, CPCB has shown faecal coliform in its data in a very exaggerated manner. I think CPCB should reveal its source," he said.

The CPCB report "Mahakumbh 2025" touches upon topics including River Water Quality, Performance of Sewage Treatment Plant, Outlet of Wastewater Treatment from Geo-Tubes (Manual) and Waste Water Treatment with GeoTubes.

The CPCB report, presented to the National Green Tribunal (NGT), claimed that the amount of faecal coliform bacteria in Ganga

water has increased in Prayagraj during the Maha Kumbh, due to which the pollution level of the river has gone up, much beyond the standard levels.

The report dated January 12, 2025 carries, among other data, information on pH level, Dissolved Oxygen (DO), Chemical Oxygen demand (COD), Biochemical Oxygen Demand (BOD, turbidity and faecal coliform related to Ganga and Yamuna water samples collected at different locations including Sangam, Deeha Ghat, Shringverpur Ghat, Lord Curzon bridge, Shastri Bridge near Nagvasuki and Old Naini Bridge.

"I request the CPCB to re-analyse this data. They should collect the sample again and get it checked. After this, check this data and find out if there is any deficiency. The CPCB should find out why the data is mismatching," said Professor Singh.He said that if sewerage and industrial waste are going into the Ganga and the Yamuna, then the value of nitrate and phosphate should increase."But, the CPCB has not mentioned this in its data. Apart from this, when a person takes bath, there is a possibility of many bacteria going into the water. Faecal coliform has been shown in an exaggerated manner, whereas DO and BOD are absolutely within limits, so in such a situation, it is natural to question this data," he said.

NEWS BOX

Freed Israeli hostage who kissed Hamas men was 'told to do so by terrorists'

World Hamas released six Israeli hostages on Saturday as part of the deal. One of the hostages, Omer Shem Tov, surprised everyone when he kissed two of his captors on stage and blew kisses to the crowd before being released after more than 500 days.Omer Shem Tov, after coming back home, has now claimed that he kissed his captors under pressure and he was “told to do so”, Daily Express reported.Shem Tov’s father said that his captors "compelled him to wave and to kiss [on the top of the head] that [masked] guard who was standing next to him"."He said they told him what to do. You can see in the footage that someone came up to him and told him what to do,” he told Kan TV, as per The Times of Israel.Shem’s release came well over a year after coordinated Hamas-led terrorist attacks on southern Israel on October 7, 2023, in which some 1,200 people were killed and around 250 were abducted and held in Gaza.

Shem, along with two other men, were all taken hostage at the Nova music festival, in Israel's Negev Desert.

Drone captures collapsed roof of Peru shopping mall; 6 killed, 78 injured

Lima, Peru. The collapse of a food court roof at a shopping mall in northwestern Peru killed six people and left at least 78 others injured, the defence minister said Saturday.

The heavy iron roof at the Real Plaza Trujillo shopping mall, a city in the La Libertad region, fell on Friday night on dozens of people who were at the site.Defence Minister Walter Astudillo said at a news conference that according to the information provided by local firefighters in La Libertad, five people died on site and a sixth at a hospital after the collapse.Astudillo also said that 30 injured people have already been discharged and 48 remain hospitalised. Three remained in critical condition. The minister expressed his condolences to the victims’ families.Luis Roncal, head of the local fire department, confirmed that they "did not find any signs of life" as they monitored with rescue dogs, but that the search for survivors would continue.

Meanwhile, the mayor of Trujillo, Mario Reyna, announced the closure of the shopping center "due to imminent risk" and said his government wanted to inspect other centres.

Thousands attend Hezbollah leader Nasrallah's funeral five months after his death

BEIRUT. Tens of thousands of people gathered in Beirut early Sunday to attend the funeral of Hezbollah's former leader, nearly five months after he was killed in an Israeli airstrike on a southern suburb of the Lebanese capital.Hassan Nasrallah was killed when Israel’s air force dropped more than 80 bombs on the militant group’s main operations room. His death was a major blow for the Iran-backed group that the late leader transformed into a potent force in the Middle East.

Nasrallah was the group’s leader for more than 30 years and one of its founders. He enjoyed wide influence among Iran-backed groups in the region and was widely respected in the so-called Iran-led axis of resistance that included Iraqi, Yemeni and Palestinian factions.Officials from around the region including Iran’s parliament speaker Mohammad Bagher Qalibaf and Foreign Minister Abbas Araghchi were expected to attend the funeral at the Lebanese capital’s main sports stadium. Lebanese officials including the parliament speaker and representatives of the president and prime minister were expected to attend the funeral believed to be Lebanon’s largest in two decades.Senior Hezbollah official Ali Daamoush told reporters Saturday that about 800 personalities from 65 countries will be attending the funeral in addition to thousands of individuals and activists who came from around the world.“Come from every home, village and city so that we tell the enemy that this resistance will stay and is ready in the field,” Daamoush said, referring to Israel.Nasrallah will be laid to rest later Sunday in Beirut while his cousin and successor Hashem Safieddine, who was killed in an Israeli airstrike on a Beirut suburb a few days later, will be laid to rest in his hometown in southern Lebanon. The two had temporarily been buried in secret locations. Hezbollah earlier this month announced plans for their official funerals.Hezbollah has been calling on its supporters to attend the funeral in large numbers in what appears to be a move to show that the group remains powerful after suffering major blows during a 14-month war with Israel that left many of its senior political and military officials dead.Another blow for Hezbollah was the fall in early December of the Assad family's five-decade rule in Syria that was a strong ally of the Lebanese group and a main route for the flow of weapons and money from Iran.As part of the U.S.-brokered ceasefire deal that ended the war with Israel on Nov. 27, Hezbollah is not supposed to have an armed presence along the border with Israel. Hezbollah’s rivals have been calling on the group to lay down its weapons all over Lebanon and become a political faction.

Elon Musk jabs Parag Agrawal amid 'report or resign' order: Did nothing, got fired

World Tech billionaire Elon Musk was prompt to take note of and reply to an X user's post about the sacking of Parag Agrawal, the former CEO of the platform (when it was called Twitter), amid the Tesla chief's diktat to federal employees asking them to furnish details of the work done by them in the past week or get fired."Parag got nothing done. Parag was fired," the billionaire head of the Trump administration's Department of Government Efficiency (DOGE), wrote in reply to a post shared by an X user on Sunday, which shared a screenshot of an old conversation between Parag Agrawal and Tesla chief Musk about the work environment at Twitter, before the latter acquired the social media platform in 2022.As per the excerpt of the conversation shared in the post, Parag Agrawal said, "You are free to tweet- is Twitter dying? or anything else about Twitter- but it's my responsibility to tell you that it's not helping me make Twitter better in the current context. Next time we speak, I'd like to provide you with perspective on the level of internal distraction and how it is hurting our ability to do work. I hope the AMA will help people get to know you, to understand why you believe in Twitter, and to trust you- and I'd like the company to get to a place where we are more resilient and don't get distracted, but we aren't there right now"."What did you get done this week?" was Musk's reply in the form of a pertinent question posed to the former Twitter CEO that has returned as a threat to scores of US federal workers three years later.The X user's post was captioned, "DOGE: Almost three years ago Elon Musk asked Parag Agrawal what he got done last week. Now he's asking every federal worker the same question".The X user also shared a grab of Musk's order issued in line with US President Donald Trump's Truth Social post, in which he said that DOGE should be more aggressive in its attempts to downsize and reshape the federal workforce."All federal employees will shortly receive an email requesting to understand what they got done last week," Musk posted on X. "Failure to respond will be taken as a resignation," he added.As of Saturday evening, emails were sent to employees at federal agencies, including the Securities and Exchange Commission, National Oceanic and Atmospheric Administration, the Centres for Disease Control and Prevention and others with the subject line, "What did you do last week?"

ELON MUSK VS PARAG AGRAWAL

In 2022, Elon Musk took control of Twitter and rechristened it as X. Among his initial actions as the new owner was the termination of then-CEO Parag Agrawal. Musk also dismissed several other high-ranking executives, leading to a substantial workforce reduction with thousands losing their jobs. It was reported that Agrawal was fired because he refused to block an account on Twitter that Musk wanted.

Trump ramps up attack over USAID handouts to India: Taking advantage of us

World US President Donald Trump ramped up his attack on the United States Agency for International Development (USAID) funds to India, claiming that it gave “18 million dollars” to India to assist with its election. Trump said that providing money to India for elections was unnecessary since the country didn't need financial aid. He claimed that India “takes advantage” of the US and imposes some of the highest tariffs globally.“Giving money to India for elections. Well, they don’t need money. They take advantage of us. They are one of the highest tariffs nations in the world. They have a 200 per cent tariff, and then we give them a lot of money for elections,” Trump said.The US President has been raking up the issue time and again after the Elon Musk-led DOGE cancelled the $21 million payout to India and similar grants to other nations earlier this month.This is the fourth time in five days that the US President reiterated his claim about USAID funding efforts to promote voter turnout in India.Trump had earlier hinted that the funds might have been used to interfere in the 2024 Lok Sabha elections without giving any evidence. On Saturday, he took Prime Minister Narendra Modi's name for the first time while reiterating his charge of granting $21 million to India for "voter turnout" amid a raging political slugfest over the issue back home."$21 million going to my friend Prime Minister Narendra Modi and India for voter turnout. We are giving $21 million for voter turnout in India. What about us? I want voter turnout too," Trump said in cryptic remarks.

WHAT TRUMP SAID ON INDIA FUNDING

On February 19, Trump questioned the purpose of providing $21 million to India, saying the US "can hardly get in there" because of high tariffs.The next day, Trump stirred a hornet's nest after he questioned the previous Joe Biden administration's move to give the grant to India and indicated that it might have been used to meddle in elections."USD 21 million for voter turnout in India. Why do we need to spend USD 21 million for voter turnout in India? I guess they (the Biden administration) were trying to get somebody else elected. We have got to tell the Indian government... This is a total breakthrough," he said.On Friday, he repeated the charge again at a Republican governors' conference, this time calling the funding a "kickback scheme". "$21 million for voter turnout in India. Why are we caring about India turnout? We got enough problems... it's a kickback scheme, you know.

With no passengers and no planes, Pakistan's newest airport is a bit of a mystery

GWADAR. Pakistan’s newest and most expensive airport is a bit of a mystery with no passengers and no planes.Entirely financed by China to the tune of $240 million, it's anyone's guess when New Gwadar International Airport will open for business.

Located in the coastal city of Gwadar and completed in October 2024, the airport is a stark contrast to the impoverished, restive southwestern Balochistan province around it.For the past decade, China has poured money into Balochistan and Gwadar as part of a multibillion dollar project that connects its western Xinjiang province with the Arabian Sea, called the China-Pakistan Economic Corridor or CPEC.

Authorities have hailed it as transformational but there’s scant evidence of change in Gwadar. The city isn’t connected to the national grid — electricity comes from neighboring Iran or solar panels — and there isn't enough clean water.An airport with a 400,000 passenger capacity isn't a priority for the city's 90,000 people.“This airport is not for Pakistan or Gwadar,” said Azeem Khalid, an international relations expert who specializes in Pakistan-China ties. “It is for China, so they can have secure access for their citizens to Gwadar and Balochistan.”

Caught between militants and the military

CPEC has catalyzed a decadeslong insurgency in resource-rich and strategically located Balochistan. Separatists, aggrieved by what they say is state exploitation at the expense of locals, are fighting for independence — targeting both Pakistani troops and Chinese workers in the province and elsewhere.

Members of Pakistan’s ethnic Baloch minority say they face discrimination by the government and are denied opportunities available elsewhere in the country, charges the government denies.Pakistan, keen to protect China's investments, has stepped up its military footprint in Gwadar to combat dissent. The city is a jumble of checkpoints, barbed wire, troops, barricades, and watchtowers. Roads close at any given time, several days a week, to permit the safe passage of Chinese workers and Pakistani VIPs.

Intelligence officers monitor journalists visiting Gwadar. The city's fish market is deemed too sensitive for coverage.

Many local residents are frazzled.

“Nobody used to ask where we are going, what we are doing, and what is your name,” said 76-year-old Gwadar native Khuda Bakhsh Hashim. “We used to enjoy all-night picnics in the mountains or rural areas."

“We are asked to prove our identity, who we are, where we have come from,” he added. "We are residents. Those who ask should identify themselves as to who they are.”Hashim recalled memories, warm like the winter sunshine, of when Gwadar was part of Oman, not Pakistan, and was a stop for passenger ships heading to Mumbai. People didn’t go to bed hungry and men found work easily, he said. There was always something to eat and no shortage of drinking water.

But Gwadar's water has dried up because of drought and unchecked exploitation. So has the work.

Israel delays release of 620 Palestinians over 'humiliating' hostage handover

Jerusalem. Israel said on Sunday it was delaying the release of hundreds of Palestinian prisoners it had planned to free the day before until militant group Hamas met its conditions, underscoring the fragility of the Gaza ceasefire accord.

Prime Minister Benjamin Netanyahu's office released a statement in the early hours of Sunday saying that Israel was waiting to deliver the 620 Palestinian prisoners and detainees "until the release of the next hostages has been assured, and without the humiliating ceremonies."That was a reference to recent handovers by Hamas that UN officials have said went against international law because they were not respectful.Hamas has made hostages appear on stage in front of crowds and sometimes speak before they were handed over. Coffins with hostage remains have also been carried through crowds.Israel's announcement, which also accused Hamas of repeatedly violating the month-old ceasefire, came after the Palestinian militant group on Saturday handed over six hostages from Gaza as part of an exchange arranged under the truce.The six hostages freed on Saturday were the last living Israeli captives due to be handed over during the first phase of the ceasefire. The bodies of four dead Israeli hostages were to be released next week.It was not clear if Israel wanted assurances on that release or other hostage releases.After the six hostages arrived back in Israel, Hamas released a video in which two other hostages, Eviatar David and Guy Gilboa-Dalal, were seen watching one of the handovers earlier on Saturday.

Hamas spokesperson Abdul Latif Al-Qanou earlier accused Israel of violating the ceasefire as Saturday elapsed without the release of Palestinians as planned.Israel and Hamas have frequently accused each other of violations since the ceasefire started on January 19 but it has so far continued to hold. Hamas at one stage said it would stop handing over hostages because of alleged Israeli breaches.Israelis Eliya Cohen, 27, Omer Shem Tov, 22, and Omer Wenkert, 23, all seized in Hamas' October 7, 2023, attack on Israel, were handed over on Saturday in central Gaza to the Red Cross.Dozens of militants stood guard in a crowd that had gathered to watch the handover, as masked Hamas men armed with automatic rifles stood on each side of the three men, who appeared thin and pale, as they were made to wave from the stage.Tal Shoham, 40, and Avera Mengistu, 39, were earlier released in southern Gaza.Hamas rejected criticism of the handover events on Saturday, describing them as a solemn show of Palestinian unity. It handed over a sixth hostage, Hisham Al-Sayed, a 36-year-old Arab citizen of Israel, to the Red Cross in Gaza City without a public ceremony.Al-Sayed and Mengistu had been held by Hamas since they entered Gaza of their own accord around a decade ago. Shoham was abducted from Kibbutz Be'eri along with his wife and two children, who were freed in a brief truce in November 2023.

Pope Francis in critical condiction after respiratory attack: Vatican

VATICAN CITY. Pope Francis's condition "continues to be critical", the Vatican said Saturday, saying the 88-year-old was alert but had suffered a respiratory attack that required "high-flow oxygen", and also blood transfusions."At the moment the prognosis is reserved," it said, as the head of the Catholic Church prepared to spend his ninth night in Rome's Gemelli hospital, where he was diagnosed this week with double pneumonia."The Holy Father's condition continues to be critical, therefore, as explained yesterday, the pope is not out of danger," the Vatican said in its regular early evening update.

"This morning Pope Francis presented a prolonged asthmatic respiratory crisis, which also required the application of high-flow oxygen," it said.Daily blood tests "showed thrombocytopenia, associated with anaemia, which required the administration of blood transfusions", it added."The Holy Father continues to be alert and spent the day in an armchair even if he was suffering more than yesterday."

The Vatican earlier confirmed the Argentine pontiff would not deliver his usual weekly Angelus prayer on Sunday, saying the text would be published, as it was last weekend.'Prayers for the Pope'

Francis has been head of the Catholic Church since 2013, but has suffered numerous health issues in recent years, and underwent major surgery in 2021 and 2023.This latest hospitalisation has cast doubt over his ability to continue as leader of world's almost 1.4 billion Catholics, fuelling speculation over his potential resignation -- and who might take over.

Vatican Secretary of State Pietro Parolin told Italy's Corriere della Sera daily that such discussion was normal but said he would not enter into "useless speculation".

"Now we are thinking about the health of the Holy Father, his recovery, his return to the Vatican: these are the only things that matter," the cardinal said.A group of nuns and priests from around the world gathered Saturday outside the entrance to the Gemelli hospital, where Francis is staying in a special papal suite on the 10th floor, to pray for him.

"We are praying today for the Holy Father, Pope Francis, and our hope is that he will recover well in the Grace of God," Brazilian priest Don Wellison told AFP.

Francis has been moving between his bed, a chair and an adjacent chapel where he prays and has also been doing some work, the Vatican says.Professor Sergio Alfieri, who leads the pope's medical team at the Gemalli, said Friday the pontiff's condition has been slightly improving, allowing doctors to incrementally lower the amount of medication he is taking.

But he made clear then that the situation was very serious, noting the pontiff's age and general condition of health."Is the pope out of danger? No, the pope is not out of danger," Alfieri said, but added: "If you then ask whether he is in danger of dying at this moment, the answer is still no."Francis has said the papacy is a job for life, but has also left the door open to resigning like his predecessor Benedict XVI.

He has often joked about the scheming his health woes inevitably prompt, particularly among those who oppose his attempts at reform.After undergoing colon surgery in 2021, he joked that "they were preparing the conclave", the meeting of cardinals to elect a new pope following a death or resignation.

NEWS BOX

Hero to villain Dubai set to play defining role in Babar Azam's career once again

New Delhi. On Sunday, February 23, senior Pakistan batter Babar Azam will once again step onto Dubai International Stadium against India. The last time that Babar played India at an ICC event in Dubai, the match made him an international icon and a hero to millions of Pakistanis across the world.

In the 2021 game, Babar scored a brisk 68* against India, helping Pakistan secure their first-ever win in a World Cup match against India. Babar, the captain of the side, became the apple of the eye for the nation and the cricket board. Of course, he was also adored by fans across the world.Fast forward to 2025, Babar Azam, now removed from the post of captaincy, returns to the stadium once again. The conditions of Babar's return are drastically different. Since his win in 2021, many might argue that Babar lost his way in international cricket. Once lovingly dubbed as the 'King', Babar has not only failed to fulfil the promise, but many might say that he has overstayed his welcome in the Pakistan team.Since the highs of the 2021 and 2022 T20 World Cups, Babar Azam's career has gone downhill. Even though Pakistan reached the final of the 2022 World Cup,

Babar was criticised for his poor batting in the tournament. Since then, the criticism has only compounded on Babar, under whom Pakistan crashed and burned in the 2023 and 2024 editions of the ICC events.After Ramiz Raja's departure from the Pakistan Cricket Board, Babar lost his impunity and, with that, his captaincy in all three formats of the game. They say that you either die a hero, or live long enough to become a villain. It rings true for Babar as well, as he simply failed to upgrade himself in the rapidly shifting landscape in all three formats of the game.

Will This be the End of Babar's Superstardom?

How bad is Babar's bad patch? Is it as bad as people make it out to be? Maybe?

Once a mercurial batter, Babar Azam last scored an ODI century in 2023 - against Nepal in the Asia Cup at home. His last century away from home came way back in 2021 - against England.His records in Test cricket have not been any better either. The batter scored his last home and away red-ball hundred back in 2022 against New Zealand and Sri Lanka, respectively.The horrible patch of form saw Babar get sacked from the Test team earlier in 2025 when England toured Pakistan for a 3-match series.

Virat Kohli vs Babar Azam: A tale of 2 'kings' looking to break out of form slump

New Delhi. When you talk about the greatest batters of the modern era, two names come to your mind. The all-conquering 'King of Indian cricket', Virat Kohli, has achieved major feats across all three formats of the game. Then Pakistan found their own king in the form of Babar Azam, who has gone from strength to strength since his debut in 2015.

Kohli broke Sachin Tendulkar's record for the most hundreds in ODIs during India's march to the final of the 2023 World Cup, while Babar became the fastest to 6000 runs in the 50-over format. Both men went on to captain their sides to varying success and have been pillars in the batting lineups for their teams. However, things weren't great for both men coming into the much-anticipated India vs Pakistan game in Dubai on Sunday, February 23.Kohli hasn't scored a hundred since the 2023 World Cup and Babar has been slammed massively for his intent to score

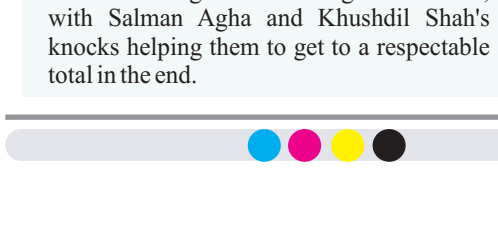

runs during high-pressure games. So what's been going wrong for both the stars and what do they need to do? Let's start with Babar.

Where is the intent?

This has been the biggest criticism of Babar in the past few years, especially in the white-ball format. If you look at the New Zealand game, the 30-year-old had a simple job and that was to put the pressure early on the New Zealand bowlers. This role of senior player was amplified as Pakistan lost Fakhar Zaman to injury. So the tone had to be set by Babar early on, but what he did was essentially hold his team back.And mind you, this is a man who has scored 3 T20I hundreds and has hit 447 boundaries and 73 sixes during his 128 matches in the format. And all these hundreds came while he was batting as an opener. So the 30-year-old clearly knows how to take the attack to the bowlers and take apart attacks with his elegant shots. But the New Zealand game saw him go into a shell, with Salman Agha and Khushdil Shah's knocks helping them to get to a respectable total in the end.

Champions Trophy: Five Talking Points shaping up India vs Pakistan blockbuster clash

- India and Pakistan are set to clash on February 23
- India have had an upper hand over Pakistan in recent times
- Pakistan's unpredictability makes the contest exciting for fans

New Delhi. The stage is set for the two cricket nations to set the ICC Champions Trophy 2025 ablaze with some riveting action as I ndia and Pakistan will lock horns on Sunday, February 23 at Dubai International Cricket Stadium, Dubai. The two heavyweights have been involved in several memorable fixtures over the years leaving the fans enthralled through their remarkable performances on the field.The upcoming game also promises to live up to the expectations of the fans with both teams full of big names capable of turning matches on their own. As the 'mother of all battles' draws closer, there are several factors which makes the high-voltage clash even more exciting as fans wait with bated breath for the arch-rivals to collide.

1. Battle of the Two Superstars

Over the years, India vs Pakistan game has been seen as a battle between India's great batting strength and Pakistan's fiery pace attack. However, since 2021 the match has been an opportunity to see two batting stalwarts namely Virat Kohli and Babar Azam going up against each other.

Ahead of the upcoming fixture, the duo hasn't been in the best of forms as Kohli has scored just one half century in his last six innings. On the other hand, Babar has been under scrutiny for his poor strike rate. Hence, it remains to be seen which one of the two will be able to rise under pressure and help his team get over the line in the all-important clash.

2. The Spin Conundrum

India have selected five spinners in their 15-member squad while Pakistan have just one specialist spinner in their team. As was seen in the first match in Dubai, they managed to get a lot of purchase out of the surface as batting in the middle overs under lights was a herculean task even for a set batter.Spinners are expected to dominate the upcoming

fixture as well, which leaves India in a fix, who had their X factor Varun Chakravarthy warming the bench in the first game. Will India ponder unleashing him against Pakistan, which will give the wrist spinner to make amends for his horrible outing against the arch-rivals in 2021. On the other hand, Pakistan will rely on Abrar Ahmed to control the game in the middle overs and will attack with their three-pronged pace attack of Shaheen Afridi, Haris Rauf and Naseem Shah with the new ball. It remains to be seen who will reign supreme in the spin vs pace battle.

3. India's dominance in recent times

In the 73-year-old rivalry, both teams have dominated each other in different phases. While Pakistan were a force to reckon with for the first 24 years (1978-2002 in ODIs) having won 52 out of the first 85 ODI matches played between the two teams, the dawn of the new century has completely turned the tables. The Men in Blue have been successful in giving a counter punch to the arch-rivals more often in the past 23 years as they hold the edge over them since 2003 with 28 wins out of the 50 matches.The battle became one-sided from 2010 onwards with India thumping Pakistan 12 times out of the 17 matches. To further add to the dominance, the Men in Blue have won seven out of the last eight completed matches between the two sides. Hence, while Indian fans had to suffer several heartbreaks in the 80s and 90s, they finally have a had a lot to cheer in recent times and will be once again rooting for the same in the upcoming encounter.

4. Never count out Pakistan

Pakistan have a reputation of being one of the most mercurial teams in the sporting history. On their day, the Men in Green are capable of surmounting highest of obstacles to stun the fiercest oppositions. On other occasions, they look like club team being forced to play up against international stars. Hence, only a novice would dare to count out Pakistan as the cricketing fraternity is well aware of their unpredictable nature.

17-year-old Mirra Andreeva scripts history to become youngest WTA 1000 champion

- Mirra Andreeva won the Dubai Tennis Championships
- Andreeva beat Clara Tauson 7-6 (1), 6-1
- Andreeva will also make her top 10 debut in the rankings

New Delhi. 17-year-old Mirra Andreeva scripted history after becoming the youngest-ever WTA 1000 champion since the introduction of the format back in 2009. On Saturday, February 22, the teenager won the Dubai Tennis Championships after beating Clara Tauson 7-6 (1), 6-1 in the grand finale.

She also became the fifth player to win her maiden WTA 1000 title in Dubai. The others are Venus Williams (2009), Elina Svitolina (2017), Barbora Krejcikova (2023) and Jasmine Paolini (2024). After her dream run, Andreeva will also make her debut in the top 10 of the WTA rankings at No.9 when the new rankings come out."I'd set a goal for myself to be in top 10 by the end of the year. Now it's the end of February, and I've already made it, so this is something

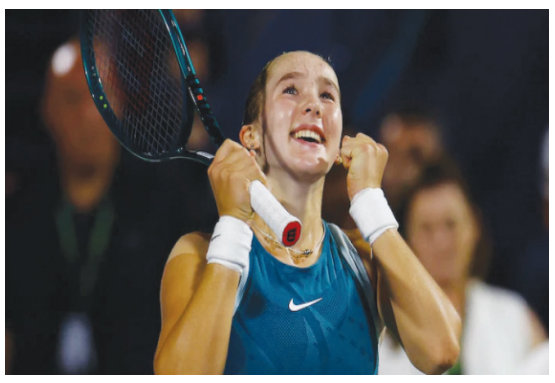

incredible for me. I'm just super happy with the way I was playing today. I was hella (very) nervous. I think you could see it during the match with all those double faults, some mistakes," Andreeva said.Andreeva punched above her weight to beat three Grand Slam champions; Iga Swiatek, Marketa Vondrousova and Elena Rybakina on her way to winning the tournament."So I'm just really happy that I could manage and deal with the pressure. And now it just feels amazing... This is something I dreamt of and now my dream came true so I'm just, I'm speechless right now. Lastly, I want to thank me for never quitting and always believing in myself," Andreeva added.Andreeva found herself in early trouble after dropping her serve to go 0-2 down, but earned the break to make it 2-2 and took the set into a tie-breaker. Andreeva stayed unbeaten in tie-breaks this year, winning the first six points.

The second set was a completely one-sided affair as Andreeva stormed to a 5-1 lead. During this while, Tauson took a medical time-out and also threw her racket on the ground in frustration. Sensing victory, Andreeva stepped up to serve for the title and clinched it as Tauson's return sailed long on her second championship point.

Pakistan Cricket chief hopeful of win vs India: We are fully prepared

New Delhi. Pakistan Cricket Board (PCB) Chief Mohsin Naqvi has backed the national team to pull off a crucial victory against India as the two arch-rivals lock horns in the highly-anticipated Champions Trophy clash on February 23. While Pakistan will be under pressure to keep their semi-final hopes alive, India will enter the contest with momentum on their side.Pakistan's campaign started on a disappointing note after their 60-run loss to New Zealand in the tournament opener on February 19 in Karachi. This defeat not only extended their losing streak against the Black Caps—marking their third straight loss since the Tri-series—but also left them in a precarious position in the group stage. Speaking to the media ahead of the blockbuster encounter, Naqvi expressed full confidence in the team's ability to turn things around. He emphasised that despite the pressure, Pakistan had the firepower to stage

a comeback.

Champions Trophy: Full Coverage | Points Table

With each team playing only three group-stage matches, the clash against India has now become a virtual must-win game for the Mohammed Rizwan-led side.

Meanwhile, India heads into the fixture brimming with confidence after a dominant victory over Bangladesh in Dubai on February 22. The Rohit Sharma-led side produced a clinical all-round performance, strengthening their position in the group and making them favorites for the upcoming clash.For Pakistan, the road ahead is anything but easy. Their net run rate suffered a significant blow after the New Zealand loss, further complicating their qualification chances. Adding to their woes is the injury to key batter Fakhar Zaman, who famously dismantled India in the 2017 Champions Trophy final. His absence leaves a major void in the batting lineup, putting additional pressure on Pakistan's top order to step up.

Who said what after Josh Inglis helped Australia secure record win vs England

- Australia won the match by 5 wickets
- Inglis starred with the bat as he scored 120 off 86 balls
- Australia will next face South Africa on February 25

New Delhi. Josh Inglis was the star of the show for Australia as they scripted history in the Champions Trophy on Saturday, February 22. Chasing a target of 352 to win, Australia were able to chase down the target in 47.3 overs with Inglis top scoring for them with 120 not out. He received helped from Alex Carey, who scored 69 and Matthew Short, who played a fine knock of 63. This was the highest run-chase in the history of ICC events in the 50-over format.England were put into bat by Steve Smith and after some early success, it was all England in Lahore. Duckett scored a sensational 165, the highest score in the history of Champions Trophy, to power his side to the monumental score. Joe Root chipped in with 68 and there were useful cameos from the lower order as well.Australia's chase was in some trouble when Carey and Inglis came together and the duo put on 146 runs to ensure the Aussies were in a strong spot. Glenn Maxwell then put the finishing touches along with Inglis, who hit the winning runs and was adjudged as the Player Of The Match.Speaking after the win, Inglis said he was over the moon with the win and there wasn't a lot of discussion going on in the Australia camp at half time."Yeah, over the moon obviously. Great win. We knew it was tough to come up against England. 350, a lot of things need to go right to chase it down. So happy with how things went. There wasn't too discussion much at the half time. We knew it was going to be tough with the dew around. It was always going to be bette to bat under lights," said Inglis.Inglis said that he wasn't looking too much at the scoreboard and knew that they wanted to ensure Maxwell coming in to play the finisher's role in the final 10 overs. The Aussie batter said that he will take a lot of confidence heading into the next few games.

WPL 2025: Chinelle Henry, bowlers help UP Warriorz thrash Delhi Capitals by 33 runs

- UP Warriorz scored 177/9 batting first
- Chinelle Henry scored a breathtaking 62 (23)
- Delhi Capitals got bundled out for 144

New Delhi. UP Warriorz (UP-W) registered their first win of the Women's Premier League 2025 (WPL 2025) as they beat Delhi Capitals (DC) by 33 runs on Saturday, February 22 at M.Chinnaswamy Stadium, Bengaluru. After being put in to bat first, UP rode on Chinelle Henry's breathtaking innings (62 off 23) which took them to a good score of 177/9 in their allotted 20 overs.In reply, Delhi were bundled out for 144 in 19.3 overs as Kranti Goud (4/25) and Grace Harris (4/15, 2.3 overs) took four wickets each. Jemimah Rodrigues was the lone warrior for DChi with her half-century (56 off 35) laced with eight fours and six. As a result, UP registered their first points of the season to move to the fourth spot on the points table, while Delhi slipped to third with four points after facing their first loss of the season.

Delhi's chase didn't get off to a flying start as Shafali Verma started slow scoring five runs off 11 balls. She got a life in the first over itself, being dropped at point before beginning her onslaught in the third over. At the other end, Meg Lanning also decided to break free, smashing her first boundary against Kranti Goud in the fourth over but lost her stumps two balls later leaving Delhi on 26/1 in 4.3 overs.

Her dismissal brought Jemimah Rodrigues at the crease, who attacked right from the word

go, scoring two boundaries in the first eight balls. However, at the other end, Shafali failed to get going and eventually holed out to point against Kranti Goud for 24 (30).

With Delhi falling behind on the required run rate, Jemimah continued to deal in boundaries, putting UP bowlers to the sword, but she failed to get any support with wickets falling continuously from the other end. She brought up her half-century off 30 deliveries with a boundary against Tahlia McGrath and stood as a lone warrior in Delhi's chase before Goud got rid of her and Jess Jonassen (5 off 4) in the 15th over. From there on, there was no comeback for Delhi, who capitulated under pressure to get bowled out for 144.

Chinelle Henry's record-equalling half century

Earlier in the day, UP lost their opener Vrinda Dinesh (4 off 7) cheaply in the third over, who edged Marizanne Kapp to wicketkeeper Sarah Bryce. Following her dismissal, captain Deepti Sharma (13 off 19) walked in to bat and made sure that her team didn't lose any more wickets in the powerplay as UP were 38/1 after six overs.However, Arundhati Reddy (17 off 20) and Jess Jonassen got rid of both set batters, leaving UP on 61/3 in 9.2 overs. They further suffered a dramatic collapse as UP went from 79/3 to 109/7 with Jess Jonassen (4/31, 4 overs) and Marizanne Kapp (2/18, 4 overs) doing most of the damage.

Roshni Walia

Injured As Her Dress Gets Stuck In Bike's Tyre And Chain, Shows Scars

Actress Roshni Walia had a scary accident when her dress got caught in a bike's tyre, leaving her injured. She shared her experience and a photo of her scar online.

Actress Roshni Walia recently had a scary accident when her dress got caught in a bike's tyre and chain, leaving her injured. The mishap left her with visible scars, which she later shared with her fans. Roshni, best known for portraying Ajabde Punwar in Bharat Ka Veer Putra – Maharana Pratap, sustained a severe thigh injury. She has now taken to social media to update her fans about her health and share a photo of her scar.Taking to her Snapchat, Roshni penned a note that read, "Hey loves, quick update-I'm in a lot of pain right now, and I know many of you have been asking how I got this scar. My dress got stuck in the tire and chain of a bike, and it got tangled around my leg until it finally tore. It was a really scary experience."

"Please be careful and avoid wearing loose clothes around bikes! I'm struggling a lot, but I'm thankful nothing worse happened. Love you all, and thanks for checking in. Stay safe!" she added.The 22-year-old actress also shared a photo of her thigh injury and added a sad emoji with it.

On the work fronr, Roshni Walia is set to appear in Son of Sardaar 2, the sequel to Ajay Devgn's 2012 action-comedy Son of Sardaar. The original film, directed by Ashwni Dhir, was a remake of SS Rajamouli's Maryada Ramanna and featured Sanjay Dutt, Sonakshi Sinha, and Juhi Chawla. The sequel will have Mrunal Thakur in the lead role.Recently, during the UK schedule of Son of Sardaar 2, Roshni had shared photos with Ajay writing, "You truly amaze me with your humbleness and kindness @ajaydevgn sir. There's something so powerful about your presence—you have this incredible aura that just draws people in. The more time I spend with you, the more I realize how much I can learn from you, and it feels like that learning will never end. Your experience and knowledge are beyond words."

"I just wish everyone, especially the younger generation, could listen to you even once, to feel what I felt. You've taught me so much about being humble and kind, and I'll always be grateful for that. You always have the solution to any problem !! I feel so blessed and inspired by you. Working with you is something I'll treasure forever. I hope I'll always get to hear your amazing stories and keep learning from you," she added.

Nargis Fakhri

Marries Boyfriend Tony Beig In A Secret Wedding In Los Angeles

Reportedly, Nargis Fakhri and Tony Beig have been dating for three years now. They met in 2022.

Bollywood actress Nargis Fakhri has tied the knot with her longtime beau Tony Beig. Reportedly, the two recently got married in a secret wedding in Los Angeles. It was said to be an intimate affair which was only attended by family members and close friends."Both Nargis and Tony ensured that nobody clicked pictures of the two from the wedding. It was an extremely private function with only family members and close friends," a source cited by ETimes claimed and added that the couple is now in Switzerland for their honeymoon.

However, it should be noted that neither Nargis nor Tony have confirmed or denied their marriage rumours as of now.

Who Is Tony Beig?

Reportedly, Nargis Fakhri and Tony Beig have been dating for three years now. While not much information about Tony is known, it is said that he is a Kashmiri-born LA-based businessman.Previously, in an interview, Nargis admitted to being in a relationship. Even though she did not name Tony, she said, "I don't want to go into the details, but yes, I have someone in my life.

I am very happy." The actress also added, "I am a very lucky person that I am loved by many. I am a partner person, so I love to do things with people I care about. And it doesn't have to be just in a relationship. No, I am not an obsessed girlfriend. Everybody who is with me loves my company so much that they miss me when I am not around.

"Nargis, who hails from the US, made her Bollywood debut with Rockstar and has been a part of multiple films. She is known for movies like Madras Cafe, Phata Poster Nikla Hero, Main Tera Hero, Saagasam, Azhar, Dishoom and Torbaaz.

Urfi Javed's Sister Dolly Javed Joins '7 Days Live', Becomes 1st Confirmed Contestant Of Show

Urfi Javed's sister Dolly Javed is all set to join '7 Days Live'. CNN-News18 Showsha exclusively learnt that the latter is all set to participate in the upcoming live reality show, which will be hosted by stand-up comedian Anubhav Bassi. A source close to the show told us that Dolly has signed the contract and is the first confirmed contestant on the show. More details are awaited.Last year, Urfi Javed introduced Dolly Javed to everyone with her show, Follow Kar Lo Yaar. In the show, Urfi and Dolly's chemistry with their other sisters became a talking point. Later, Dolly was also rumoured to participate in Bigg Boss 18. However, she was not on the final list of contestants.

7 Days Live, which promises to be an exciting and unpredictable ride, will feature social media influencers as contestants competing against each other in a series of challenges. It will stream on JioHotstar.

Recently, Anubhav Bassi also talked about his upcoming show in an interview and said, "When I first heard about 7 Days Live, I was like, 'Bhai, this is madness!' Live means no cuts, no edits, just pure, raw chaos and I'm all for it! Two creators from completely different worlds, stuck under one roof? Total entertainment guaranteed!"The Tu Jhoothi Main Makkaar actor further spilled the beans regarding what we can expect from the show and added, "I will be hosting such a show for the first time. There will not be any serious speeches and no motivational talks, because that's just not me. I'll keep it fun, candid, and yes, with a bit of leg-pulling."

Bassi also said that he would certainly try to push the creators to test their limits and get the best out of them. "I'll definitely stir things up a little and push these guys to test their limits. After all, it's not just about content; it's about infinite possibilities," he stated.7 Days Live will stream on JioHotstar from February 22.

Karisma Kapoor Poses With Cousins Zahan Kapoor, Shaira Kapoor, Calls Themselves 'Singles In The Family'

The entire Kapoor clan came together to celebrate the wedding of Aadar Jain and Alekha Advani. Karisma Kapoor, Kareena Kapoor Khan, Saif Ali Khan, Alia Bhatt, Ranbir Kapoor, Shashi Kapoor's sons Karan Kapoor and Kunal Kapoor, Neetu Kapoor and many others were spotted arriving for the wedding. Now, Karisma has also shared some inside pictures from the wedding ceremony. In one picture, she was seen enjoying a fun moment with her cousins Zahan Kapoor and Shaira Kapoor. Lolo cheekily captioned it 'singles in the family', celebrating the trio's single status.Karisma Kapoor took to her Instagram story to share a picture with Kunal Kapoor's children Zahan Kapoor and Shaira Kapoor. Lolo looked stunning in a traditional golden kanjeevaram saree with a metallic embroidered blouse, and accessorized her look with a statement navratan and polki necklace, earrings and a golden clutch. She posed next to her cousin Zahan Kapoor, who was dressed in a beige and golden kurta, while Shaira looked stunning in an ice blue lehenga. The trio struck a lovely pose, and their camaraderie was quite evident in the picture. Embracing their current single status, Karisma Kapoor playfully captioned the picture, "Singles in the family (red heart emoji) @zahankapoor @shairakapoor #Me." Check it out below!

Karisma Kapoor was previously married to industrialist Sanjay Kapur. They got divorced in 2016. They are parents to a daughter, Samaira, born in 2005, and a son, Kiaan, born in 2010.For the unversed, Zahan Kapoor and Shaira Kapoor are Shashi Kapoor's grandchildren. Zahan made his screen acting debut with the 2022 film 'Faraaz', and was also recently seen in Vikramaditya Motwane's thriller series 'Black Warrant', which released on Netflix. Zahan's performance in the series garnered immense praise.

On the professional front, Karisma Kapoor was recently seen as one of the judges on the dance reality show 'India's Best Dancer Season 4'. She also starred in Homi Adajania's mystery thriller film 'Murder Mubarak', which released on Netflix in 2024. The film also starred Pankaj Tripathi, Sara Ali Khan, Vijay Varma, Dimple Kapadia, Sanjay Kapoor, Tisca Chopra, Suhail Nayyar and Tara Alisha Berry. Karisma will be next seen in a series Brown, helmed by Abhinay Deo. It is reportedly based on Abheek Barua's 2016 book City of Death.